राजकीय सम्मान के साथ अजित पवार का अंतिम संस्कार - 12

वैश्वीकरण का अंत करीब स्वदेशी को टाल नहीं सकते - 12

भविष्य की ऊर्जा को लेकर दुनिया की नजरें भारत पर टिकीं : कैमेरा - 13

रणजी में जुरेल शतक से चूके, उत्तर प्रदेश ने बनाए 237 रन - 14

आज का मौसम 21.0° अधिकतम तापमान 10.0° न्यूनतम तापमान सूर्योदय 06.54 सूर्यास्त 05.50

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

|कानपुर नगर|

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष द्वादशी 11:09 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 30 जनवरी 2026, वर्ष 4, अंक 160, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

भारत उच्च वृद्धि की राह पर, 2026-27 में जीडीपी ग्रोथ 7.2% रहने का अनुमान

वित्त मंत्री सीतारमण ने संसद में पेश किया आर्थिक रिपोर्ट कार्ड

- कहा- व्यापक आर्थिक आधार मजबूत, वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक किया सामना

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में अर्थिक सर्वेक्षण पेश करतीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद के बजट सत्र में गुरुवार को देश का 'आर्थिक रिपोर्ट कार्ड' पेश किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत का व्यापक आर्थिक आधार पहले से कहीं अधिक मजबूत है। देश ने वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है, जिससे हमारी संभावित जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2026-2027 में 7.2% रहने का अनुमान है।

सीतारमण ने कहा, भू-राजनीतिक विखंडन व आर्थिक उथल-पुथल से भरी इस दुनिया में भारत एक वैश्विक चमकते सितारे के रूप में खड़ा है जो मजबूत, स्थिर और आगे बढ़ने वाला है। हमने वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों का सफलतापूर्वक मुकाबला करते हुए भारत को उच्च वृद्धि पथ पर पहुंचाया है। आर्थिक समीक्षा के अनुसार, वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूत गति बनाए रखी है। एनएसओ (एनएसओ) के अनुमानों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। भारत लगातार चौथे वर्ष सबसे तेजी से बढ़ने वाली दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। समीक्षा ने देश के वृद्धि पूर्वानुमान को तीन साल पहले के 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर अब सात प्रतिशत कर दिया है। समीक्षा के अनुसार, जीएसटी में बदलाव और अन्य सुधारों ने वैश्विक अनिश्चितता को एक अवसर में बदल दिया है और अगला वित्त वर्ष समायोजन का वर्ष होगा क्योंकि अर्थव्यवस्था इन बदलावों के अनुकूल होगी। भारत के विभिन्न देशों के साथ किए गए कई मुक्त व्यापार समझौतों को देखते हुए, समीक्षा में कहा गया है कि व्यापार समझौतों की पूरी क्षमता का लाभ उठाने के लिए भारत को प्रतिस्पर्धी रूप से उत्पादन करना होगा।

इसमें कहा गया है कि यूरोप के साथ एफटीए भारत की विनिर्माण प्रतिस्पर्धी क्षमता, निर्यात क्षमता और रणनीतिक क्षमता को मजबूत करेगा। समीक्षा के अनुसार, ज्यादातर वर्षों में, बाहर से भेजा जाने वाला मनी ऑर्डर (रेमिटेंस) एफडीआई से अधिक रहा है। यह बाह्य वित्त पोषण के एक प्रमुख स्रोत के रूप में इसके महत्व को बताता है। परिणामस्वरूप, 2025-26 की पहली छमाही में चालू खाते का घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 0.8 प्रतिशत पर बना हुआ है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत मार्च 2025 तक 55 करोड़ दो लाख बैंक खाते खोले गए हैं। वर्ष 2005 से 2024 के दौरान देश का वैश्विक व्यापार निर्यात एक प्रतिशत से लगभग दोगुना होकर 1.8 प्रतिशत हो गया है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू उड़ान बाजार बना, हवाई अड्डों की संख्या 2014 से 74 से बढ़कर 2025 में 164 हुई। देश में इस समय 23 आईआईटी, 21 आईआईएम और 20 एम्स, जंजीबार और अबूधाबी में दो अंतर्राष्ट्रीय आईआईटी कैम्पस स्थापित हैं।

लगातार नौ बार बजट पेश करने वाली पहली महिला वित्त मंत्री होंगी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लगातार नौवीं बार केंद्रीय बजट पेश करना भारत के संसदीय इतिहास में गौरव का विषय होगा। सीतारमण रविवार को संसद में 2026-27 का केंद्रीय बजट पेश करेंगी। ऐसा करने वाली वह देश की पहली महिला वित्त मंत्री होंगी। पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने 10 बार केंद्रीय बजट पेश किया था, जबकि पी. चिदंबरम ने नौ बार बजट पेश किया, लेकिन वह लगातार नहीं कर सके।

पिछले एक साल में 18,000 रोजगार मेलों के जरिए 2.22 करोड़ को मिला रोजगार : मांडविया

नई दिल्ली। सरकार ने कहा कि पिछले एक वर्ष के दौरान देशभर में आयोजित 18,000 से अधिक रोजगार मेलों के माध्यम से कुल 2.22 करोड़ लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया। श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने राज्यसभा को प्रश्नकाल के दौरान यह जानकारी दी। पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए उन्होंने बताया कि देश में रोजगार सृजन बढ़ रहा है और बेरोजगारी दर घटकर 3.2 प्रतिशत रह गई है। बीते एक दशक में एनसीएस पोर्टल को मजबूत किया गया है और वर्तमान में इससे 55 लाख कंपनियां जुड़ी हुई हैं। वहीं 2024 के आंकड़ों के अनुसार देश में 64.33 करोड़ रोजगार अवसर उपलब्ध कराए गए।

भारत 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पर, दुनिया के लिए आशा की किरण बनकर उभर रहा : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत दुनिया के लिए आशा की किरण बनकर उभर रहा है। साथ ही उन्होंने ईयू के साथ हुए एफटीए का उल्लेख करते हुए कहा कि यह महत्वाकांक्षी भारत के लिए है और देश के विनिर्माताओं को इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी क्षमताएं बढ़ानी चाहिए। संसद के बजट सत्र के दूसरे दिन, मोदी ने कहा कि भारत 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। मोदी ने कहा कि उनके आलोचक भी सरकार की अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने की प्रतिबद्धता को स्वीकार करते हैं और सुधारों की यह परंपरा अगली पीढ़ी के सुधारों के साथ भी जारी रहेगी।

ब्रीफ न्यूज

नौसेना ने सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दल का पुरस्कार जीता

नई दिल्ली। इस वर्ष की गणतंत्र दिवस परेड में भारतीय नौसेना ने सशस्त्र बलों की तीनों सेवाओं में सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दल का पुरस्कार जीता है। नौसेना ने इस उपलब्धि को अथक प्रयास, समर्पण और अनुशासन का परिणाम बताया है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकी श्रेणी में महाराष्ट्र ने गणेशोत्सव की थीम पर आधारित अपनी झांकी के लिए पहला पुरस्कार जीता। वहीं, 'वंदे मातरम्' की 150 वर्ष की विरासत को दर्शाने वाली संस्कृति मंत्रालय की झांकी मंत्रालयों और विभागों की श्रेणी में विजेता रही। नौसेना अधिकारियों के अनुसार, नौसेना के मार्चिंग दल में 144 युवा कर्मी शामिल थे, जिन्होंने ऐतिहासिक कर्तव्य पथ पर कंधे से कंधा मिलाकर मार्च किया।

कांस्टेबल, हेड कांस्टेबल डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने डूंगरपुर जिले में दोवडा थाने के पुलिस कांस्टेबल प्रकाश चन्द्र पटेल और हेड कांस्टेबल अशोक कुमार पाटीदार को डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। ब्यूरो के पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने गुरुवार को बताया कि एसीबी डूंगरपुर को परिवादी ने शिकायत की कि कांस्टेबल प्रकाश चन्द्र ने उसका मोबाइल फोन लेकर कहा कि वह लोकेन्टो खेलकर लोगो के साथ ठगी करता हैं और अब उसके खिलाफ मुकदमा चलेगा। अगर वह इससे बचना हैं तो दोवडा थाने में सीआई साहब से बात करके मुकदमा नहीं होने देंगे और इसकी एवज में उससे दो लाख रुपए की रिश्वत की मांग की जा रही है।

यूजीसी के नए नियमों पर रोक

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हस्तक्षेप नहीं किया तो समाज में विभाजन पैदा होने के साथ खतरनाक प्रभाव पड़ेगा | अगले आदेश तक 2012 वाले नियम लागू रहेंगे, केंद्र सरकार को नया ड्राफ्ट तैयार करने के दिए निर्देश

- पीठ का सुझाव, प्रख्यात न्यायविदों की एक समिति द्वारा विनियमों पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर में जाति आधारित भेदभाव को रोकने से संबंधित हालिया यूजीसी समानता विनियमन पर रोक लगा दी और कहा कि ये विनियम प्रथम दृष्टया अस्पष्ट प्रतीत होते हैं और इनका दुरुपयोग किए जाने की आशंका है। शीर्ष अदालत ने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि अगर इस मामले में हस्तक्षेप नहीं किया गया तो इसका खतरनाक प्रभाव पड़ेगा और समाज में विभाजन पैदा होगा।

उच्चतम न्यायालय का यह आदेश उन विभिन्न याचिकाओं के बाद आया है जिनमें यह दलील दी गई थी कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने जाति-आधारित भेदभाव की गैर-समावेशी परिभाषा अपनाई है और कुछ श्रेणियों को संस्थागत संरक्षण से बाहर रखा है। इन नियमों के खिलाफ देश में विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए जिसमें छात्र समूहों और संगठनों ने इन्हें तत्काल वापस लेने की मांग की। केंद्र और यूजीसी को नोटिस जारी करते हुए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे बागची की पीठ ने सुझाव दिया कि प्रख्यात न्यायविदों की एक समिति द्वारा विनियमों पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, (केंद्र, यूजीसी को) नोटिस जारी करें और 19 मार्च तक जवाब दाखिल किए जाए।

सॉलिसिटर जनरल नोटिस स्वीकार करें, तब तक यूजीसी विनियम 2026 स्थगित रहेंगे और 2012 के विनियम लागू रहेंगे। सुनवाई के दौरान पीठ ने टिप्पणी की, प्रथम दृष्टया यही प्रतीत होता है कि विनियमन की भाषा अस्पष्ट है। विशेषज्ञों को भाषा में संशोधन करने की आवश्यकता है ताकि इसका दुरुपयोग न हो सके। उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव संबंधी शिकायतों की जांच करने और समानता को बढ़ावा देने के लिए सभी संस्थानों द्वारा समानता समितियां गठित करने को अनिवार्य बनाने संबंधी नए नियम 13 जनवरी को अधिसूचित किए गए थे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्द्धन हेतु) विनियम, 2026 में यह अनिवार्य किया गया है कि इन समितियों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदाय से तथा दिव्यांग एवं महिला सदस्य शामिल होने चाहिए। नया विनियम यूजीसी (उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देना) विनियम, 2012 का स्थान लेने के लिए अधिसूचित किया गया था। 2012 के नियम मुख्य रूप से परामर्श वाली प्रकृति के थे। इन याचिकाओं में इस विनियम को इस आधार पर चुनौती दी गई कि जाति-आधारित भेदभाव को सिर्फ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के सदस्यों के खिलाफ भेदभाव के रूप में ही परिभाषित किया गया है।

याचिकाओं में कहा गया है कि जाति-आधारित भेदभाव के दायरे को केवल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग तक सीमित करके यूजीसी ने प्रभावी रूप से सामान्य या गैर-आरक्षित श्रेणियों से संबंधित व्यक्तियों को संस्थागत संरक्षण और शिकायत निवारण से वंचित कर दिया है जिन्हें उनकी जातिगत पहचान के आधार पर उत्पीड़न या पूर्वाग्रह का सामना करना पड़ सकता है। उच्चतम न्यायालय मृत्युंजय तिवारी, अधिवक्ता विनीत जिंदल और राहुल दीवान की ओर से दायर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्द्धन हेतु) विनियम, 2026 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था।

आवारा कुत्तों से संबंधी पूर्व के आदेश में संशोधन संबंधी याचिका पर फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने आवारा कुत्तों के मामले में पहले दिए गए आदेशों में संशोधन का अनुरोध करने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई के बाद गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने न्यायमित्र गौरव अग्रवाल की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अग्रवाल ने पीठ के समक्ष पंजाब, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों द्वारा उठाए गए कदमों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। पीठ ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की ओर से पेश हुए अधिवक्ता की दलीलें भी सुनी, जिसमें 7 नवंबर, 2025 के उस निर्देश के अनुपालन का जिक्र था। अदालत ने प्राधिकरण को राष्ट्रीय राजमार्गों से आवारा पशुओं को हटाने और सड़कों के किनारे बाड़ लगाने के निर्देश दिये थे। न्यायालय ने भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआई) को पशु आश्रय स्थलों या पशु जन्म नियंत्रण सुविधाओं के लिए अनुमति मांगने वाले गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के आवेदनों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। पीठ ने एडब्ल्यूबीआई का पक्ष रख रहे अधिवक्ता से कहा, या तो आप आवेदन स्वीकार करें या अस्वीकार करें, लेकिन इसे शीघ्रता से करें। शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी अधिवक्ता की इस दलीप पर की कि सात नवंबर के आदेश के बाद, विभिन्न संगठनों से ऐसे आवेदनों में अचानक वृद्धि हुई है।

अयोध्या जेल की दीवार फांद दो बंदी फरार, जेल अधीक्षक समेत सात निलंबित

संवाददाता, अयोध्या कार्यालय

- विशेष बैरक में निरुद्ध थे दोनों रोशनदान की ईंट निकालकर पहुंचे जेल की दीवार तक
- कंबल व मफलर की रस्सी बना इमली के पेड़ के सहारे कूदे, सुबह 6 बजे गिनती के समय हुई जानकारी

अमृत विचार : जिला कारागार की सुरक्षा में सेंध लगाकर विशेष बैरक में निरुद्ध दो बंदी दीवार फांदकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही जनपद में हड़कंप मच गया। फरार बंदियों की तलाश में पुलिस की तीन टीमों का गठन किया गया है। मामले में डीजी जेल पीसी मीणा ने वरिष्ठ जेल अधीक्षक यूपी मिश्रा, जेलर जेके यादव और डिप्टी जेलर मयंक त्रिपाठी समेत एक हेड वार्डर और तीन वार्डर को निलंबित कर दिया है।

घटना की जानकारी गुरुवार सुबह छह बजे तब हुई, जब बंदियों व कैदियों की गिनती की जा रही थी। इस दौरान विशेष बैरक नंबर एक की कोठरी नंबर चार में एक साथ बंद शेर अली निवासी अमेरमऊ थाना करौंदी कला जिला सुल्तानपुर व गोलू अग्रहरि उर्फ सूरज निवासी मुसाफिरखाना थाना मुसाफिरखाना जिला अमेठी लापता मिले। जब उनके बैरक की जांच की गई तो उसका रोशनदान टूटा मिला। उसमें से 15-20 ईंटे निकली हुई थीं। पता चला कि दोनों बंदी इसमें से निकलकर जेल की दीवार तक गए व बाहर लगा इमली का एक सूखा पेड़, जिसकी डाल जेल के अंदर तक आई थी, उस पर कंबल व मफलर की रस्सी बनाकर उसके सहारे बाहर निकल गए। मौके पर पहुंचे वरिष्ठ जेल अधीक्षक यूपी मिश्र, जेलर, डिप्टी जेलर ने जेल की तलाशी ली व कैदियों व बंदियों से पूछताछ की। भागने वाले स्थान पर हरियाली व अंधेरा होने के कारण सीसीटीवी फुटेज से भी कुछ हासिल नहीं हुआ।

लापरवाही स्वीकारी संबल, सरिया बरामद

डीआईजी जेल ने जेल प्रशासन की भारी लापरवाही को स्वीकार किया। बताया कि दोनों बंदी रोशनदान की ईंट निकालकर कंबल व मफलर की रस्सी के सहारे जेल की दीवार कूदकर फरार हुए हैं। मौके से एक संबल, सरिया, बांस बरामद हुआ है। निलंबित किए गए सातों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए गए हैं। बंदी शेर अली हत्या के एक मामले में दो साल व गोलू पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज एक मुकदमे में जिला कारागार में निरुद्ध थे। कोतवाली नगर में केस भी दर्ज कराया गया है।

चांदी चार लाख के पार, सोना 1.83 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम

नई दिल्ली, एजेंसी

- मेटल की कीमतों में गुरुवार को आई तूफानी तेजी

राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में गुरुवार को चांदी की कीमतें चार लाख रुपये प्रति किलोग्राम के पार पहुंच गईं, जबकि सोना 1.83 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। यह बढ़ोतरी वैश्विक बाजारों में तेज उछाल और सुरक्षित निवेश मानी जाने वाली इन परिसंपत्तियों के लिए निवेशकों की मजबूत मांग के कारण हुई।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी में लगातार चौथे सत्र में तेजी जारी रही और यह 19,500 रुपये, या 5.06 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 4,04,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) पर पहुंच गई। चांदी बुधवार को 3,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। 99.9% शुद्धता वाला सोना भी 12,000 रुपये, या 7.02 प्रतिशत बढ़कर 1,83,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

सोने की वैश्विक मांग 5,000 टन से अधिक

मुंबई। वैश्विक स्तर पर सोने की मांग 2025 में 5,000 टन से अधिक होकर एक नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई है। विश्व स्वर्ण परिषद की गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, कुल सोने की मांग 2025 में 5,002 टन के नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई, जो पिछले वर्ष 4,961.9 टन थी।

दिल्ली दंगा मामले में ताहिर व दो अन्य की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली दंगों की बड़ी साजिश के मामले में तीन आरोपियों - सलीम मलिक, अतहर खान और आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन की जमानत याचिकाएं गुरुवार को खारिज कर दीं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी आरोपियों की जमानत याचिकाओं की सुनवाई कर रहे थे और उन्होंने जमानत देने से इनकार कर दिया।

उच्चतम न्यायालय की ओर से इसी मामले में पांच अन्य आरोपियों को जमानत दिए जाने के बाद तीनों आरोपियों ने जमानत याचिकाएं दायर की थीं, जिसमें उन्होंने दलील दी है कि उन पर समान आरोप हैं। इन तीनों आरोपियों पर गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत 2020 के दंगों में कथित संलिप्तता के आरोप लगाए गए हैं।

बैठक | शिक्षा जगत से जुड़े 15 लाख लोगों को राहत, योगी कैबिनेट ने 32 में से 30 प्रस्तावों को दी मंजूरी

शिक्षकों और कार्मिकों को 5 लाख रुपये तक मुफ्त इलाज

- चीनी मिलों की क्षमता बढ़ाने समय से भुगतान और नई चीनी मिलें खोलने पर भी लगी मुहर
- शहरी विकास, आवास, सड़क औद्योगिक निवेश और पुनर्विकास से जुड़े फैसलों से बढ़ेगा रोजगार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लोकभवन में मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को लोकभवन में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में 32 प्रस्तावों पर चर्चा के बाद 30 को मंजूरी दे दी गई, जबकि चौथा और 17वां प्रस्ताव स्थगित कर दिए गए। सबसे अहम फैसला 15 लाख से अधिक शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मियों के लिए रहा। बेसिक, माध्यमिक और संस्कृत शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त सरकारी, गैर-सरकारी और अनुदानित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों, शिक्षामित्रों, रसोइयों समेत अन्य कर्मियों को सपरिवार 5 लाख रुपये तक का कैशलेस मेडिकल बीमा कवर मिलेगा। इसके साथ ही चीनी मिलें खोलने, क्षमता बढ़ाने व समय से भुगतान समेत शहरी विकास, आवास, सड़क, औद्योगिक निवेश और पुनर्विकास से जुड़े फैसलों से रोजगार सृजन को नई दिशा दी गई।

मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने पत्रकारों को फैसलों की जानकारी दी। बताया गया कि बेसिक शिक्षा परिषद, माध्यमिक शिक्षा परिषद व संस्कृत शिक्षा परिषद के सभी मान्यता प्राप्त अनुदानित, स्ववित्तपोषित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक (व्यावसायिक शिक्षा के विषय विशेषज्ञ व मानदेय शिक्षक सहित) इस सुविधा के दायरे में आएंगे। योजना के तहत आईपीडी (अंतःरोगी) इलाज की कैशलेस सुविधा सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ साचीज़ से जुड़े निजी अस्पतालों में भी उपलब्ध होगी।

इलाज की दरें प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के मानकों के अनुरूप होंगी। योजना का लाभ कर्मियों के आश्रितों को भी मिलेगा। इसमें शिक्षामित्रों, विशेष शिक्षकों, अनुदेशकों, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की वार्डेन, पूर्णकालिक/अंशकालिक शिक्षक-शिक्षिकाओं व प्रधानमंत्री पोषण योजना के रसोइयों और उनके आश्रितों को भी योजना में शामिल किया गया है। अनुमान है कि बेसिक शिक्षा परिषद के 11.95 लाख से अधिक शिक्षक-कर्मी इससे लाभान्वित होंगे।

सत्यापन के बाद योजना का लाभ

स्ववित्तपोषित मान्यता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों को सत्यापन के बाद योजना का लाभ मिलेगा। इसके लिए जिलों में जिला विद्यालय निरीक्षक और बेसिक शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में समितियां गठित होंगी। जो कर्मी पहले से किसी अन्य केंद्र/राज्य स्वास्थ्य योजना (आयुष्मान भारत/मुख्यमंत्री जन आरोग्य) से आच्छादित हैं, उन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

यूपी विधानमंडल का बजट सत्र नौ से

योगी मंत्रिपरिषद ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य विधानमंडल का बजट सत्र 9 फरवरी से आयोजित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। 11 फरवरी को बजट पेश किया जाएगा। अब इसपर अंतिम निर्णय राज्यपाल आनंदीबेन पटेल लेंगी।

परिवहन विभाग के तीन प्रस्तावों को मिली मंजूरी

यूपी कैबिनेट बैठक : 351 सहायक मोटरयान निरीक्षक पद सृजित, फेसलेस सेवाएं और ई-वाहनों को दी गई राहत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में परिवहन विभाग के तीन महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई। कैबिनेट ने 351 सहायक मोटरयान निरीक्षक पद सृजित करने और इसके लिए उ.प्र. परिवहन (अधीनस्थ) प्राविधिक सेवा (षष्ठम संशोधन) नियमावली, 2026 के प्रख्यापन को मंजूरी दी। इससे शीघ्र ही भर्ती/चयन प्रक्रिया शुरू होगी और सड़क सुरक्षा, प्रवर्तन व राजस्व वसूली को बल मिलेगा।

इसके साथ ही परिवहन सेवा ढांचे को विधिक मान्यता देने को उ.प्र. परिवहन सेवा (सप्तम संशोधन) नियमावली, 2026 को स्वीकृति मिली। परिक्षेत्रों का पुनर्गठन करते हुए गोरखपुर, बुंदेलखंड (झांसी) और अयोध्या में नए परिक्षेत्र गठित होंगे, जिससे निगरानी, क्रियान्वयन और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। तीसरे प्रस्ताव में कर संरचना में सुधार, शुद्ध इलेक्ट्रिक वाहनों को पंजीकरण शुल्क/रोड टैक्स में 100 फीसदी छूट (नीति अवधि के 4वें–5वें वर्ष के लिए कार्योत्तर अनुमोदन) तथा परिवहन विभाग की चार सेवाओं- डीएल में जन्मतिथि संशोधन, पहाड़ी क्षेत्र में वाहन अनुमति, पंजीकरण संख्या रिटेंशन और गैर-उपयोग सूचना परमिट को फेसलेस मोड में लागू करने हेतु उ.प्र. मोटरयान (32वां संशोधन) नियमावली, 2026 को मंजूरी दी गई।

कैबिनेट बैठक के बाद लोकभवन में पत्रकारों को निर्णयों की जानकारी देते वित्त मंत्री सुरेश खन्ना व बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह।

फैसले एक नजर में

गोरखपुर में 721.40 करोड़ की सीवरेज परियोजना को मंजूरी

अमृत विचार, लखनऊ : अटल नवीकरण और शहरी रूपांतरण मिशन-2.0 (अमृत-2.0) के अंतर्गत गोरखपुर में सीवरेज व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए बड़ी परियोजना को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। गुरुवार को मंत्रिपरिषद ने नगर निगम क्षेत्र के सीवरेज जोन–ए–3 से संबंधित 721.40 करोड़ की परियोजना को स्वीकृति दी। परियोजना के पूर्ण होने पर 17 वार्डों की 1.95 लाख से अधिक आबादी को सीवेज सुविधा का सीधा लाभ मिलेगा। स्वीकृत लागत में जीएसटी और सेंटेज की राशि शामिल है। इस परियोजना की कुल अनुमोदित लागत 721.40 करोड़ है, जिसमें 27.28 करोड़ सेंटेज शामिल है। लागत साझा व्यवस्था के तहत भारत सरकार का अंश 231.35 करोड़, राज्य सरकार का अंश 435.00 करोड़ तथा निकाय का अंश 27.76 करोड़ तय किया गया है। सेंटेज की पूरी राशि राज्य सरकार वहन करेगी। केंद्र, राज्य और निकाय की संयुक्त भागीदारी से परियोजना के समयबद्ध क्रियान्वयन को गति मिलेगी। योजना के तहत 43,604 गृह संयोजनों से जुड़े सीवेज का शोधित निस्तारण किया जाएगा।

गंगा किसान सहकारी चीनी मिल का होगा आधुनिकीकरण

अमृत विचार, लखनऊ : सरकार ने मुजफ्फरनगर के मोरना स्थित गंगा किसान सहकारी चीनी मिल के आधुनिकीकरण और पेराई क्षमता बढ़ाने का निर्णय लिया है। कैबिनेट की मंजूरी के अनुसार मिल की मौजूदा क्षमता 2500 टीसीडी से पहले 3500 टीसीडी और इसके बाद 5000 टीसीडी तक बढ़ाई जाएगी। पुराने प्लांट और तकनीक के कारण किसानों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा था। नई आधुनिक मशीनरी लगने से उत्पादन क्षमता बढ़ेगी और संचालन अधिक कुशल होगा। इससे गन्ना किसानों को सीधा लाभ मिलेगा और समय से गन्ना मूल्य भुगतान सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। सरकार का मानना है कि क्षमता विस्तार से किसानों की आय बढ़ेगी, सहकारी चीनी मिल मजबूत होगी और क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

योगी कैबिनेट ने अजित पवार को दी श्रद्धांजलि

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक प्रस्ताव पारित किया गया। मंत्रिपरिषद ने विगत बुधवार को बारामती (महाराष्ट्र) में हुई विमान दुर्घटना में अजित पवार व अन्य लोगों के निधन को अत्यंत दु:खद बताया। कैबिनेट ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत पुण्यात्माओं की शांति की कामना की। कैबिनेट ने कहा कि अजित पवार का असामयिक निधन अपूर्णीय क्षति है। स्व. पवार को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मंत्रिपरिषद ने कहा कि अपने दीर्घ सार्वजनिक जीवन में उन्होंने महाराष्ट्र की जनता से गहरा जुड़ाव रखते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए कार्य किया। गरीबों एवं वंचितों को सशक्त बनाने तथा महाराष्ट्र के विकास के लिए उनकी प्रतिबद्धता सदैव स्मरणीय रहेगी।

शहरी सुविधाओं के लिए विकास शुल्क प्रणाली में संशोधन

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में शहरी क्षेत्रों में अवस्थापना सुविधाओं के विकास के लिए विकास शुल्क की संशोधित प्रणाली लागू करने और इससे जुड़ी नियमावली में संशोधन को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास नियमावली–2014 (यथा संशोधित 2021) में बदलाव के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की है। इस निर्णय से शहरी विकास के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधन अधिक प्रभावी और व्यवस्थित ढंग से उपलब्ध हो सकेंगे। संशोधित विकास शुल्क प्रणाली के लागू होने से विकास प्राधिकरणों को अपनी विकास परियोजनाओं और नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए स्थायी एवं मजबूत वित्तीय आधार मिलेगा। सरकार का मानना है कि इस फैसले से शहरी इलाकों में बुनियादी ढांचे के निर्माण और विस्तार को गति मिलेगी।

पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित 99 हिंदू बंगाली परिवारों के स्थायी पुनर्वासन का निर्णय

- प्रत्येक परिवार को 0.50 एकड़ भूमि आवंटित की जाएगी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से विस्थापित होकर उत्तर प्रदेश में रह रहे हिंदू बंगाली परिवारों के स्थायी पुनर्वासन को लेकर अहम और मानवीय निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में जनपद मेरठ से जुड़े इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

यह प्रकरण मेरठ जिले की तहसील मवाना के ग्राम नंगला गोसाई से संबंधित है, जहां झील की भूमि पर लंबे समय से अवैध रूप से निवास कर रहे 99 हिंदू बंगाली परिवारों के पुनर्वासन का निर्णय लिया गया है। कैबिनेट के फैसले के अनुसार, इन सभी परिवारों को जनपद कानपुर देहात की रसूलाबाद तहसील में बसाया जाएगा। पुनर्वासन के तहत ग्राम भैसाया में पुनर्वास विभाग के नाम दर्ज 11.1375 हेक्टेयर (27.5097 एकड़) भूमि पर 50 परिवारों तथा ग्राम ताजपुर तरसौली में पुनर्वास विभाग के नाम अंकित 10.530 हेक्टेयर (26.009 एकड़) भूमि पर शेष 49 परिवारों को बसाया जाएगा। प्रत्येक परिवार को 0.50 एकड़ भूमि आवंटित की जाएगी। यह भूमि प्रीमियम अथवा लीज रेंट पर 30 वर्ष के पट्टे पर दी जाएगी, जिसे आगे 30-30 वर्ष के लिए नवीनीकृत किया जा सकेगा। इस प्रकार पट्टे की अधिकतम अवधि 90 वर्ष होगी। सरकार का कहना है कि इस निर्णय से पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित होगा और विस्थापित परिवारों को सम्मानजनक, सुरक्षित और स्थायी जीवन मिलेगा।

बहराइच के आपदा प्रभावित 136 परिवारों का होगा पुनर्वास

- नदी-वन्य क्षेत्र से घिरे भरथापुर गांव का होगा विस्थापन
- मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत मिलेंगे पक्के मकान

अमृत विचार, लखनऊ : बहराइच के राजस्व ग्राम भरथापुर में आपदा के स्थायी खतरे को देखते हुए प्रदेश सरकार ने 136 प्रभावित परिवारों के पुनर्वास का बड़ा निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की घोषणा के क्रम में गुरुवार को कैबिनेट ने गांव को विस्थापित कर सुरक्षित स्थान पर बसाने की योजना को मंजूरी दे दी। पुनर्वास के बाद नई बसाई जाने वाली बस्ती का नामकरण मुख्यमंत्री की अनुमति से किया जाएगा।

भरथापुर गांव एक ओर गेरुआ नदी, दूसरी ओर कौड़ियाल नदी से घिरा है, जबकि उत्तर दिशा में वन्य जीव क्षेत्र और नेपाल सीमा स्थित है। सड़क संपर्क न होने के कारण ग्रामीणों को नाव से आवाजाही करनी पड़ती है, जिससे जान-माल का लगातार खतरा बना रहता है। 29 अक्टूबर 2025 को कौड़ियाल नदी में नाव पलटने से नौ लोगों की मौत के बाद मुख्यमंत्री ने 2 नवंबर 2025 को हवाई सर्वेक्षण कर प्रभावितों को सुरक्षित स्थान पर बसाने की घोषणा की थी, जिस पर अब कैबिनेट की औपचारिक मुहर लग गई है। आपदा प्रभावित परिवारों को ग्राम पंचायत सेमरहना, तहसील मिहींपुरवा (मोतीपुर) में पुनर्वासित किया जाएगा। इसके लिए, लगभग 1.70 हेक्टेयर भूमि राजस्व विभाग को निःशुल्क हस्तांतरित की जाएगी। प्रत्येक परिवार को आवास योजना के अंतर्गत पक्का मकान मिलेगा।

कैबिनेट से स्वीकृत प्रस्ताव

- अमृत नगरीय एवं शहरी पर्यावरण मिशन 2.0 के अंतर्गत नगर निकायों में जलापूर्ति, सीवर एवं संबंधित शहरी अवसंरचना कार्यों हेतु केंद्रीय व राज्यांश सहित वित्तीय स्वीकृति।
- अमृत-2.0 के अंतर्गत नगरीय क्षेत्रों में सीवरेज, ड्रेनेज एवं जल प्रबंधन परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त अनुदान को मंजूरी।
- उत्तर प्रदेश शहरी पुनर्विकास नीति-2026 को लागू किए जाने की स्वीकृति।
- शहरी क्षेत्रों में जर्जर, अविकसित एवं अव्यवस्थित बस्तियों के पुनर्विकास एवं नियोजित विकास के प्रस्ताव को मंजूरी।
- शहरी गरीबों एवं मलिन बस्तियों के सर्वांगीण विकास हेतु अवसंरचना आधारित योजनाओं को स्वीकृति।
- मुरादाबाद जनपद में विज्ञान पार्क एवं तारामंडल की स्थापना हेतु मुरादाबाद विकास प्राधिकरण को कार्यदायी संस्था नामित करने का निर्णय।
- राज्य में विज्ञान, नवाचार एवं तकनीकी जागरूकता को बढ़ावा देने से संबंधित प्रस्ताव को स्वीकृति।
- गन्ना किसान सहकारी चीनी मिलों की पेराई क्षमता बढ़ाने, तकनीकी उन्नयन एवं आधुनिकीकरण से जुड़े प्रस्तावों को मंजूरी।
- गन्ना किसानों को समय से भुगतान सुनिश्चित करने के लिए चीनी मिलों से संबंधित वित्तीय एवं प्रबंधन संबंधी निर्णय।
- राज्य में नई चीनी मिलों की स्थापना तथा मौजूदा मिलों के विस्तार से संबंधित प्रस्तावों को स्वीकृति।
- जनपद लखीमपुर-खीरी में पेयजल आपूर्ति योजना के अंतर्गत जलशोधन संयंत्र, पाइपलाइन एवं संबंधित कार्यों को मंजूरी।
- वाराणसी में राज्य मार्ग संख्या-120 के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य को स्वीकृति।
- देवरिया में राज्य मार्ग संख्या-79 के चौड़ीकरण एवं सड़क सुधार कार्य को मंजूरी।
- लोक निर्माण विभाग से संबंधित प्रमुख सड़कों के उन्नयन एवं यातायात सुधार प्रस्ताव को स्वीकृति।
- शहरी क्षेत्रों में अवैध निर्माणों के निस्तारण/नियमन से संबंधित प्रस्तावों को मंजूरी।
- मुख्यमंत्री द्वारा घोषित राजस्व ग्रामों में आपदा/परियोजना से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन से जुड़े प्रस्ताव।
- विस्थापित परिवारों को आवास, भूखंड एवं आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने से संबंधित निर्णय।
- पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से विस्थापित हिंदू परिवारों के पुनर्वासन से संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी।
- राज्य के विभिन्न विकास प्राधिकरणों से जुड़े प्रशासनिक एवं वित्तीय प्रस्तावों को स्वीकृति।
- शहरी निकायों की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ करने से संबंधित निर्णय।
- नगरीय एवं अधोसंरचना विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़े प्रस्ताव।
- विभिन्न विभागों के नीतिगत एवं प्रशासनिक संशोधनों को मंजूरी।
- विभागीय प्रक्रियाओं के सरलीकरण से जुड़े प्रस्ताव।
- राज्य सरकार की घोषणाओं के अनुपालन से संबंधित प्रस्ताव।
- विकास परियोजनाओं के लिए भूमि उपयोग/प्रबंधन से जुड़े निर्णय।
- पुनर्विकास एवं पुनर्स्थापन से जुड़े विशेष मामलों को स्वीकृति।
- केंद्र सरकार से समन्वय से संबंधित योजनाओं के प्रस्ताव।
- विभिन्न विभागों के वित्तीय दायित्वों से संबंधित प्रस्ताव।

हज के लिए स्वयं उड़ान बुक कर सकेंगे यात्री

- सुविधा 29 से केवल चार दिन के लिए उपलब्ध

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: आगामी हज-2026 के लिए हज यात्री अब अपनी व्यक्तिगत लॉगइन के माध्यम से हज कमेटी की वेबसाइट (hajcommittee.gov.in) या हज सुविधा ऐप के जरिए उड़ानें स्वयं बुक कर सकते हैं। यह सुविधा पूरी तरह वैकल्पिक है और इसका उद्देश्य केवल यात्रियों को अपनी पसंद के अनुसार उड़ान बुक करने का अवसर देना है।

यह जानकारी गुरुवार को उ.प्र. हज यात्रा कमेटी के सचिव-कार्यपालक अधिकारी एसपी तिवारी ने दी। उन्होंने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुंबई ने हज-2026 के लिए हज यात्रियों के लिए ऑनलाइन सेल्फ बुकिंग सुविधा शुरू की है। सीईओ एसपी तिवारी ने बताया कि यह सुविधा 29 जनवरी से केवल चार दिन के लिए उपलब्ध रहेगी और बुकिंग सीट की उपलब्धता व उड़ान क्षमता के अनुसार ही होगी। एक बार बुकिंग हो जाने के बाद यात्रा या उड़ान की तिथि में कोई बदलाव संभव नहीं होगा। इस दौरान किसी प्रकार के विशेष अनुरोध पर हज कमेटी विचार नहीं करेगी।

राष्ट्रपति के अभिभाषण में व्यवधान लोकतंत्र का अपमान: चौधरी

अमृत विचार, लखनऊ : केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने संसद के बजट सत्र के प्रथम दिन राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान हुए व्यवधान की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन द्वारा किया गया हंगामा न केवल संसदीय मर्यादाओं का उल्लंघन है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र का भी अपमान है। चौधरी ने कहा कि राष्ट्रपति का अभिभाषण सरकार की नीतियों, प्राथमिकताओं और उपलब्धियों का संवैधानिक प्रस्तुतीकरण होता है। ऐसे गरिमामय अवसर पर जानबूझकर व्यवधान उत्पन्न करना सर्वोच्च संवैधानिक पद के प्रति असम्मान को दर्शाता है।

एफएलसीआरपी को मिलेगा विशेष प्रशिक्षण

- ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय सशक्तिकरण को मिलेगी नई गति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत–2047 विजन को साकार करने के लिए उत्तर प्रदेश में ग्रामीण वित्तीय साक्षरता को सशक्त बनाया जा रहा है। उ.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत प्रदेशभर के ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत 1650 वित्तीय साक्षरता सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों (एफएलसीआरपी) को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरुवार को बताया कि यह दो दिवसीय रिफ्रेशर एवं ओरिएंटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम संबंधित जिलों के ग्रामीण स्व-रोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) केंद्रों के माध्यम से आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर कार्यरत कर्मियों की कार्यक्षमता, तकनीकी ज्ञान और डिजिटल बैंकिंग की समझ को मजबूत करना है, ताकि वे सरकारी वित्तीय योजनाओं और बैंकिंग सेवाओं को प्रभावी ढंग से आम लोगों तक पहुंचा सकें। यह प्रशिक्षण उन एफएलसीआरपी को दिया जाएगा, जो कम से कम एक वर्ष से निरंतर सेवा दे रहे हैं।

फरवरी से फिर चलेगा 100 दिन का सघन टीबी रोगी खोज अभियान

राज्य स्तरीय कार्यशाला में मौजूद अपर मुख्य सचिव अमित घोष, एनएचएम मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवेल व अन्य अधिकारी।

- टीबी मुक्त उ.प्र. विषयक राज्य स्तरीय मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने सीएसआर अंतर्गत आईओसीएल के सहयोग से राज्य को चार मॉड्यूल के साथ 74 ट्रूनैट मशीनें उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे त्वरित और सटीक टीबी जांच को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, 75 एआई-सक्षम हैंड-हेल्ड एक्स-रे मशीनों के लिए क्रय आदेश (परचेज ऑर्डर) जारी किए जा चुके हैं, जो भविष्य में टीबी स्क्रीनिंग और प्रारंभिक पहचान की क्षमता को और मजबूत करेंगे।

यह जानकारी अपर मुख्य सचिव ने गुरुवार को राजधानी स्थित निजी होटल में राज्य स्तरीय मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला में दी। इस अवसर पर टीबी मुक्त उत्तर प्रदेश पर आधारित ई-न्यूजलेटर का विमोचन भी किया गया। उन्होंने बताया कि टीबी मुक्त भारत अभियान को नई गति देने के लिए प्रदेश में फरवरी से एक बार फिर 100 दिवसीय सघन टीबी रोगी खोज अभियान शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 930 नैट मशीनें कार्यरत हैं, जिससे दूरदराज क्षेत्रों में भी गुणवत्तापूर्ण जांच सुनिश्चित की जा रही है। एनएचएम मिशन निदेशक डॉ.पिंकी जोवेल ने बताया कि वर्ष 2015 की तुलना में प्रदेश में टीबी की नई दर में 17 प्रतिशत कमी आई है। राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र भटनागर ने बताया कि फरवरी से शुरू होने वाले अभियान में सांसदों, पंचायत प्रतिनिधियों, आशा-आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवी संगठनों और मीडिया की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, जिससे उत्तर प्रदेश को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य और निकट आएगा। कार्यशाला में स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ.रतन पाल सिंह सुमन, परिवार कल्याण महानिदेशक डॉ.पवन कुमार अरुण, समेत अन्य संबन्धित विभागों के अधिकारी शामिल रहे।

उप्र. हेल्थ डैशबोर्ड रैंकिंग में लखनऊ टॉप पर, टीकाकरण में शत प्रतिशत स्कोर

अमृत विचार, लखनऊ : स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी उत्तर प्रदेश हेल्थ डैशबोर्ड रैंकिंग में लखनऊ ने दिसंबर 2025 में प्रदेश भर में पहला स्थान हासिल किया है। राजधानी लखनऊ को इस रैंकिंग में 0.68 का कंपोजिट स्कोर प्राप्त हुआ है। प्रयागराज, श्रावस्ती, गोरखपुर, महाराजगंज और हाथरस क्रमशः दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

लखनऊ के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि मातृ स्वास्थ्य, बच्चों के टीकाकरण, परिवार कल्याण कार्यक्रम और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता जैसे महत्वपूर्ण सूचकांकों में बेहतर प्रदर्शन के चलते लखनऊ को यह उपलब्धि मिली है। उन्होंने कहा कि पूर्ण टीकाकरण और गर्भावस्था के दौरान एचआईवी जांच के मामले में जनपद को शत-प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। ब्लॉकों के प्रदर्शन की बात करें तो बख्शी का तालाब, माल और मोहनलालगंज ब्लॉक सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले रहे हैं।

इसके साथ ही कई ब्लॉकों ने पिछले महीने की तुलना में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। चिनहट ब्लॉक ने रैंकिंग में सबसे अधिक सुधार किया है, वहीं माल ब्लॉक में परिवार नियोजन के स्थायी साधनों को अपनाने के संकेतक में अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि इस उपलब्धि के लिए जिला स्तर से लेकर फील्ड में कार्य कर रहे सभी स्वास्थ्य अधिकारी और कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। यह सफलता टीमवर्क, नियमित निगरानी और डाटा आधारित योजना का परिणाम है।

सपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा शिकायती ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊ : सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर विभिन्न जिलों में चल रही एसआईआर प्रक्रिया में अनियमितताओं की शिकायत की है। उन्होंने मांग की है कि संबन्धित मामलों का तत्काल संज्ञान लेकर निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। गुरुवार को दिए गए ज्ञापन में रायबरेली की ऊंचाहार और सरेनी विधान सभा क्षेत्रों में नो-मैपिंग मतदाताओं को गंभीर परेशानियों का सामना करने का आरोप लगाया गया है। दीनशाह गौरा विकास खंड में प्रतिदिन सैकड़ों मतदाताओं को बिना सुनवाई के लौटाया जा रहा है।

उपलब्धि

बागपत में 11 फीट ऊंची और 14 फीट चौड़ी प्रतिकृति बनी यूपी के नवाचार की नई पहचान

कचरे को रिसाइकिल कर बना अनोखा संविधान पार्क

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: संविधान को जन-जन तक सहज और जीवंत रूप में पहुंचाने की दिशा में बागपत ने नई मिसाल कायम की है। बड़ौत नगर पालिका परिसर में विकसित संविधान पार्क में बच्चे खेल-खेल में संविधान के मूल्यों को समझ रहे हैं, युवा अपने अधिकारों-कर्तव्यों से जुड़ रहे हैं और आमजन स्वस्थ जीवन के साथ जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा ले रहा है। कचरे को रिसाइकिल कर तैयार यह पार्क "वेस्ट टू वेल्थ" की अवधारणा को साकार करता है।

बागपत के बड़ौत नगर पालिका परिसर में बना संविधान पार्क।

पार्क की सबसे बड़ी विशेषता यहां स्थापित संविधान की विराट प्रतिकृति है। पूरी तरह रिसाइकल्ड सामग्री से बनी 600 किलोग्राम वजनी यह संरचना 11 फीट ऊंची और 14 फीट चौड़ी है, जिसमें संविधान की मूल प्रस्तावना को प्रभावशाली ढंग से उकेरा गया है। यह प्रतिकृति न्याय, समता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के संदेश को प्रतीकों के माध्यम से सरलता से समझाती है। संविधान पार्क को केवल हरियाली या टहलने की जगह तक सीमित नहीं रखा गया है। इसे ओपन क्लासरूम और स्ट्रीट लाइब्रेरी के रूप में विकसित किया गया है, जहां अधिकारों-कर्तव्यों के बोर्ड, बुक प्वाइंट, पुस्तकालय और स्वास्थ्य से जुड़ी गतिविधियां मौजूद हैं। बच्चों के लिए यह सीखने का आनंददायक माध्यम है, तो बुजुर्गों और युवाओं के लिए मानसिक-बौद्धिक समृद्धि का केंद्र। पार्क में स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का चरखा आत्मनिर्भर भारत की भावना को जीवंत करता है। वहीं बागपत के प्राचीन नाम 'व्याघ्रप्रस्थ' की थीम पर बना वाटर कियोस्क इतिहास और संस्कृति से जुड़ाव का संदेश देता है।

देश के लिए प्रेरक मॉडल : डीएम

जिलाधिकारी अस्मिता लाल के अनुसार, यह पहल बेहतर सेहत के साथ नागरिकों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों की समझ देती है। यह सोच योगी आदित्यनाथ की उस विकास दृष्टि को प्रतिबिंबित करती है, जिसमें आधुनिकता के साथ संस्कार, सेहत के साथ सामाजिक जिम्मेदारी और विकास के साथ संविधान को जोड़ा गया है। बागपत का संविधान पार्क आज केवल जिले की पहचान नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरक मॉडल बनकर उभर रहा है।

संपत्ति पंजीकरण में आधार प्रमाणीकरण 1 फरवरी से

- सभी उप निबंधक कार्यालयों में आधार आधारित पहचान सत्यापन अनिवार्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश सरकार संपत्ति पंजीकरण प्रक्रिया को पारदर्शी, सुरक्षित और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है। इसके तहत आधार आधारित प्रमाणीकरण व्यवस्था 1 फरवरी से लागू की जा रही है, जिससे फर्जी रजिस्ट्रियों और छद्म व्यक्तियों के जरिए होने वाले भूमि घोटालों पर प्रभावी रोक लगेगी।

स्टाम्प एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने बताया कि रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 की धारा–69 के अंतर्गत शक्तियों का प्रयोग करते हुए उत्तर प्रदेश ऑनलाइन दस्तावेज रजिस्ट्रीकरण नियमावली, 2024 को प्रवृत्त किया गया है। इसके तहत आधार संख्या धारकों की पहचान ई-केवाईसी, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण और ई-हस्ताक्षर के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप में स्थापित की जाएगी। उन्होंने बताया कि विलेख पंजीकरण के दौरान निष्पादकों, पक्षकारों और गवाहों की पहचान के लिए आधार प्रमाणीकरण व्यवस्था 1 फरवरी से प्रदेश के सभी उप निबंधक कार्यालयों में अनिवार्य रूप से लागू कर दी जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

हिन्दू समाज को संगठित करने का संकल्प लिया

रसूलाबाद। संघ ने शताब्दी वर्ष पर देश के उत्थान के लिए पंच परिवर्तन का प्रण लेकर हर भारतवासी को इससे जोड़ने का संकल्प लिया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने विगत 100 साल में केवल समूचे हिन्दू समाज को संगठित करने का संकल्प लेकर भारत माता को परम वैभव पर ले जाने के उद्देश्य से लगातार काम किया है। यह बात कहिंजरी स्थित कामतानाथ गेस्ट हाउस मे हो रहे हिन्दू सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए आरएसएस के प्रान्त बौद्धिक शिक्षण प्रमुख रमेश ने उपस्थित समाज को सम्बोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि पंच परिवर्तन मे स्व जागरण, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण एवं नागरिक दायित्व के जो विषय संघ ने उठाये है। प्रत्येक भारतवासी को इन पांचो विषयों पर गंभीर चिंतन करना चाहिए। इस अवसर पर मंच का संचालन कर रहे खण्ड रसूलाबाद के खण्ड कार्यवाह ओमेन्द्र ने अतिथियों का परिचय कराया। लता दीदी ने जातिवाद को समाज का जहर बताया। हिन्दू सम्मेलनों के माध्यम से संघ हिन्दुओ को संगठित करने का पावन काम कर रहा है।

सहायता केंद्रों से पुलिसिंग होगी बेहतर

शिवली। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने गुरुवार को शिवली कोतवाली की पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए बसैसी व प्रतापपुर में नवनिर्मित पुलिस सहायता केंद्र का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पुलिस की गस्त को सहायता को सहायता केंद्रों के माध्यम से और सशक्त बनाया जा सकेगा।

मैथा पुलिस चौकी का किया निरीक्षण

शिवली। एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने मैथा चौकी का आकस्मिक निरीक्षण किया। चौकी के रखरखाव व साफ सफाई की व्यवस्था को परखा। साथ ही चौकी पर नियुक्त कर्मियों से वार्ता कर चौकी की कार्यप्रणाली की समीक्षा की। साथ ही आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

घायल युवक की उपचार के दौरान मौत

शिवली। बाजार से घर जा रहे युवक को अज्ञात कार ने टक्कर मार दी थी। कानपुर में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बुधवार की शाम हृदयपुर का रहने वाला पुष्पेंद्र मैथा बाजार से पैदल घर जा रहा था। इसी बीच वहां से निकली तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। गुरुवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

प्रशिक्षण को लखनऊ गए स्वयं सेवक

कानपुर देहात। आपदा विशेषज्ञ अश्वनी वर्मा ने बताया कि गुरुवार को कानपुर देहात से 25 स्वयं सेवकों को आपदा मित्र का प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु लखनऊ भेजा गया है। यह 12 दिन का रहेगा। सभी आपदा मित्र को अग्निकांड, बाढ़, सर्पदंश, प्राथमिक उपचार आदि पर प्रशिक्षित किया जाएगा।

कथा वाचक का किया गया सम्मान

कानपुर देहात। गुरुवार को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारी श्री बाला जी मंदिर रूरा पहुंचे। यहां उन्होंने कथा वाचक नवलेश का सम्मान किया। इस दौरान प्रदेश संगठन मंत्री नीरज मिश्र, जिला अध्यक्ष आशीष गुप्ता मोनू, नगर अध्यक्ष सिकंदरा अजय बाजपेई, नगर अध्यक्ष रूरा आशुतोष मिश्रा, नगर महामंत्री सिकंदरा ऋषभ गुप्ता, परितोष गुप्ता, अरविंद कौशल आदि लोग उपस्थित रहे।

उद्यमियों की समस्याओं पर करें त्वरित कार्रवाई

कानपुर देहात। जिला उद्योग एवं व्यापार बंधु की बैठक में उद्यमियों एवं व्यापारी बंधुओं द्वारा प्रस्तुत विभिन्न समस्याओं, सुझावों एवं मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। उनके त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि उद्यमियों एवं व्यापारियों की समस्याओं का समयबद्ध एवं संवेदनशीलता के साथ समाधान किया जाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। उन्होंने निर्देशित किया कि औद्योगिक क्षेत्रों में साफ-सफाई की व्यवस्था नियमित रूप से कराई जाए तथा रोस्टर के अनुरूप निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, जिससे उद्योगों का संचालन सुचारू रूप से किया जा सके।

आक्रोश भरे नारों के बीच निकाली पदयात्रा, खून से किए दस्तखत

स्टे आने से पहले यूजीसी कानून को लेकर युवाओं में दिखा जबर्दस्त गुस्सा

यूजीसी को लेकर निकली पदयात्रा में शामिल हुईं चेयरमैन दीपाली सिंह।

विरोध प्रदर्शन के दौरान युवाओं में दिखा गुस्सा। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- अकबरपुर में जनक पुरी मैदान से निकली पदयात्रा
- अंडर पास के नजदीक युवाओं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचारः यूजीसी कानून में बदलाव पर सुप्रीम कोर्ट के स्टे के पहले अलग-अलग संगठनों ने इसके खिलाफ जबर्दस्त प्रदर्शन किया। अकबरपुर शहर में बड़ी संख्या में युवाओं ने आक्रोश रैली निकाली। रैली में भार्गव परशुराम सेवा समिति, करणी सेना, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, वैश्य महासभा, मैं ब्राह्मण हूं महासभा आदि संगठनों से जुड़े लोग शामिल हुए। युवाओं ने अंडर पास पहुंच कर जोरदार नारेबाजी की फिर यूजीसी के सांकेतिक पुतले को जूतों से पीटा। खून से दस्तखत किया ज्ञापन एसडीएम को सौंपा।

दोपहर करीब 12 बजे सैकड़ों की तादाद में युवा जनकपुरी मैदान पर एकत्र हुए। यहां से पदयात्रा निकाली। इसकी अगुवाई गौरव शुक्ला, मंजुल शुक्ला, अर्पित मिश्रा आदि कर रहे थे। पदयात्रा के दौरान युवा हाथों में तख्तियां और काले झंडे लेकर चल रहे थे। यात्रा के दौरान आक्रोशित युवाओं ने यूजीसी विनियम के खिलाफ आक्रोश भरे नारे लगाए। शहर के खादी भंडार आश्रम, सदर बाजार, पावर हाउस, स्टेट बैंक रोड से होती हुई यात्रा ओवरब्रिज चौराहे पर पहुंची। ओवरब्रिज चौराहे पर प्रतीकात्मक पुतले का दहन कर विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के बाद युवाओं ने खून से लिखित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा।

इसके पहले, युवाओं को संबोधित करते हुए संयोजकों ने कहा कि जाति असमानता छोड़ कर हिंदू जब एक होने की तरफ अग्रसर है तो जातीय आधार पर कोई व्यवस्था या कानून बना कर एकता खंडित करने की कोशिश क्यों की जा रही। यूजीसी को किसी संशोधन के पहले सभी की राय लेनी चाहिए थी, जो नहीं ली गई।

सभी ने एक स्वर से नई व्यवस्था वापस लिए जाने की मांग की। चेयरमैन दीपाली सिंह व पूर्व चेयरमैन जितेंद्र सिंह गुड्डन सहित ब्रह्म कुमार द्विवेदी, महेश अग्रवाल झब्बू, शिवशंकर शुक्ला, अभिषेक मिश्रा, शिवविलास मिश्रा, मनोज निगम, ऋषि पुरवार, सुशील कौशल छोटे, शनि गुप्ता, पवन अग्निहोत्री, श्याम बिहारी पाण्डेय, रोहित कौशल, अभिषेक श्रीवास्तव, राज चौहान, समर्थ गुप्ता, प्रखर गुप्ता आदि रहे।

कलयुग में भगवान के नाम संकीर्तन का विशेष महत्व

रसूलाबाद : परीक्षित संसार का हर जीव है और काल रूपी तक्षक का श्राप हर जीव को लगा है। जिसका ग्रास सभी को बनना पड़ता है। कलयुग में भगवान को प्राप्त करने का सबसे अच्छा उपाय उनकी भक्ति है इसलिए अधिक से अधिक भगवान का नाम जपें।

ग्राम मित्रसेनपुर कहिंजरी के मजरा भगवंतपुर स्थित मां मांसिला देवी मंदिर प्रांगण में हो रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के दौरान सरस कथा वाचक अर्पण द्विवेदी ने परीक्षित जन्म की कथा के प्रसंग में यह बात श्रोताओं को बताई। उन्होंने श्रोताओं को बताया कि जन्म लेते ही परीक्षित सबके चेहरे की ओर देखने लगे और विचार करने लगे कि किस-किस को मैंने मां के गर्भ में देखा था। जिनको मैंने देखा था वह चतुर्भुजी गदा लिए पीतांबर धारी, श्याम वर्ण प्रभू कहां है। उनकी इन्हीं कलाओं को देखकर लोगों ने उनका नाम परीक्षित रख दिया। आगे की कथा कहते हुए उन्होंने कहा कि वास्तव में संसार का हर जीव परीक्षित ही है और वह तक्षक रूपी काल के द्वारा डसे जाने के श्राप से श्रापित है। जिससे बचने का एकमात्र उपाय भगवान नाम का संकीर्तन ही है। इस मौके पर परीक्षित सुधीर सिंह, ध्यान सिंह, डॉ फूल सिंह, पुष्पेंद्र सिंह, मनीष, सुगेंद्र, हरिनाम, वीरेंद्र सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

आयकर सर्वे के दौरान फैक्ट्री गेट पर खड़े पुलिस कर्मी। अमृत विचार

फैक्ट्री में जांच को पहुंची आयकर विभाग की टीम

संवाददाता, रनियां

- पुलिस बल के साथ कई गाड़ियों पर आए अधिकारी
- रायपुर गजनेर स्थित फैक्ट्री के अलावा दो अन्य इकाइयों में किया सर्वे

अमृत विचारः रायपुर-गजनेर मार्ग पर नमकीन उत्पाद तैयार करने वाली एक फैक्ट्री में गुरुवार की दोपहर आय-कर विभाग की टीम ने सर्वे किया। इसे लेकर फैक्ट्री में हड़कंप मच गया। पुलिस बल के साथ बड़ी संख्या में पहुंचे आय-कर अधिकारियों ने अभिलेख, कंप्यूटर आदि कब्जे में लेकर छानबीन शुरू की।

रनियां थाना क्षेत्र के श्यामपुर गांव से पेरोजोर गोईनी मार्ग पर स्थित एक फैक्ट्री में लगभग सात-आठ कारों व एक लग्जरी बस में सवार होकर पहुंचे आय-कर अधिकारियों ने सर्वे किया। टीम में भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद था। आय-कर टीम ने रायपुर गजनेर मार्ग पर स्थित फैक्ट्री की दो अन्य यूनिट सहित तीन जगहों पर एक साथ छापेमारी की। इस दौरान फैक्ट्री में मौजूद फैक्ट्री मालिकों सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारियों को अंदर ही रोक लिया।

किसी को भी अंदर या बाहर आने जाने की अनुमति नहीं थी। सुरक्षा के मद्देनजर गेट पर सशस्त्र बलों की तैनाती की गई थी। कार्रवाई दिन भर चली और खबर लिखे जाने तक आय-कर अधिकारी फैक्ट्री के अंदर ही मौजूद थे। इस संबंध में इंस्पेक्टर रनियां शिवनारायण सिंह ने बताया कि उन्हें आय-कर विभाग की ओर से कोई सूचना नहीं मिली है। स्थानीय लोगों द्वारा छापेमारी की सूचना मिली है।

प्रतियोगिता में दम खम दिखातीं छात्राएं। अमृत विचार

ट्रेन की चपेट में आया श्रमिक, थमी सांसें

रनियां। कानपुर-झांसी रेलमार्ग पर गुरुवार की सुबह ट्रेन से कटकर एक युवक की मौत हो गई। गजनेर थाना क्षेत्र के सीधामऊ निवासी सोहन बाबू संखवार सुबह वह घर से काम पर जाने के निकला और चितरिया मोहाना गांव के पास रेलवे ट्रैक पर खंभा नंबर 1308/23 व 27 के मध्य अप लाइन के किनारे किसी सुपरफास्ट ट्रेन की चपेट में आ गया। इससे उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे मृतक के पिता राम-लखन ने अपने बेटे के रुप में शव की शिनाख्त की। घटना के बाद पत्नी रेशमा, पुत्रियों आरती व अनीता बिलख उठीं।

रनियां में 50 लाख का गांजा बरामद, दो तस्कर दबोचे

संवाददाता, रनियां

अमृत विचारः गुरुवार को रनियां पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने रायपुर चौराहे पर बिक्री के लिए खड़े दो गांजा तस्करों को पकड़ा जब कि सरगना फरार हो गया। पकड़े गए तस्करों की निशानदेही पर पुलिस ने बंद पड़ी फैक्ट्री से एक-एक किलो के बंद पैकेटों में करीब 90 किलो गांजा बरामद किया है। गांजे की अनुमानित कीमत लगभग 50 लाख रुपए बताई जा रही है।

रायपुर चौराहे के पास गुरुवार दो व्यक्ति प्लास्टिक के टब बाल्टी की फेरी लगाने वाले खड़े हुए थे।

बाल्टियों-टबों में छिपाकर रखा गांजा।

इनकी गतिविधियों पर नजर रखने वाले स्थानीय लोगों को इन पर संदेह था। इसके चलते गुरुवार को लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंचे इंस्पेक्टर रनियां शिवनारायण सिंह ने दोनों व्यक्तियों से पूछताछ की तो वह घबरा गए। पुलिस ने तलाशी ली तो उनके पास गांजा बरामद हुआ तो पुलिस व स्थानीय लोग सन्न रह गए। पकड़े गए लोग तस्कर निकले। इनकी निशानदेही पर पुलिस ने पहाड़पुर रोड पर रिंद नदी के किनारे कानपुर नगर निवासी जीतेन्द्र कुमार की बंद पड़ी फैक्ट्री में छापेमारी की। पुलिस के पहुंचते ही तस्करों का सरगना पीछे से भाग निकला। फैक्ट्री में पुलिस ने चार झालो में गांजे के 90 पैकेट बरामद किए हैं।

सीओ सदर संजय कुमार सिंह व एसओजी प्रभारी जेपी शर्मा पुलिस टीम के साथ भी मौके पर पहुंचे और गांजे के पैकेटों का वजन कराया। कार्रवाई के दौरान आस-पास के लोगों की भीड़ लग गई। इस संबंध में इंस्पेक्टर रनियां ने बताया कि पकड़े गए दोनों तस्करों ने अपना नाम आर्यन पुत्र अमर सिंह निवासी सचेंडी तथा अनुज कुमार पुत्र दीपक निवासी हरजेंदर नगर लाल बंगला थाना चकेरी बताया है। उन्होंने बताया कि सरगना धारा सिंह निवासी पतारा घाटमपुर है। वह मौके से फरार हो गया है। उन्होंने बताया कि गांजे का वजन लगभग 95 किलो है, ये प्रतिबंधित नशीला पदार्थ है, इसकी अनुमानित कीमत लगभग 50 लाख रुपए है। इस दौरान एस आई देवेन्द्र पाल सिंह, सहित भारी पुलिस बल मौजूद रहा।

उमंग महोत्सव में छात्र-छात्राओं ने दिखाया दम

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः नगर के प्रतिष्ठित स्नेहलता गुप्ता मेमोरियल डिग्री कालेज के वार्षिक कार्यक्रम उमंग महोत्सव के तीसरे दिवस पर छात्राओं की कबड्डी प्रतियोगिता में कैप्टन खुशी की टीम ने बाजी मारी। वहीं डिस्कस थ्रो में खुशबू शर्मा ने 16.5 मी थ्रो करके परचम लहराया जब कि छात्रों की डिस्कस थ्रो प्रतियोगिता में आयुष्वर्धन ने 26.5 मी थ्रो करके प्रथम स्थान प्राप्त किया।

उमंग महोत्सव में गुरुवार को हुई प्रतियोगिताओं में आरपीएस इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डीपी शुक्ला ने कबड्डी का टास कराकर कबड्डी शुरू करवाई। जबकि खो खो की प्रतियोगिता आरपीएस कॉन्वेंट विद्यालय के प्रधानाचार्य दुर्गेश त्रिपाठी ने टास करवा कर प्रारंभ करवाई आज हुई प्रतियोगिताओं में छात्राओं की खो-खो की प्रथम विजेता कैप्टन कु लक्ष्मी की टीम रही उपविजेता अक्षरा टीम की खिलाड़ी रही। छात्रों की कबड्डी प्रतियोगिता में ऋतिक बाजपेई की टीम विजेता एवं नंदकिशोर उर्फ नंदू के साथी उपविजेता रहे। छात्राओं की कबड्डी में खुशी की टीम ने विजेता होने का गौरव प्राप्त किया जबकि सालेहा की टीम को उपविजेता से संतोष करना पड़ा। वॉलीबॉल में राजीव शुक्ला ने टॉस कराकर खेल प्रारंभ करवाया। जिसमें आयुष कुमार की टीम ने बाजी मारी जबकि अजय नागर की टीम को द्वितीय स्थान से संतोष करना पड़ा। डिस्कस थ्रो में खुशबू शर्मा ने 16.5 मी थ्रो करके प्रथम स्थान , साधना को द्वितीय और नेहा राठौर व लक्ष्मी देवी को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान मिला। छात्रों के डिस्कस थ्रो में आयुष्वर्धन ने 26.5 मी थ्रो करके प्रथम स्थान प्राप्त किया।

रसूलाबाद में बिल्हा बंबी की पटरी कटी खेत लबालब, गांव में घुसा पानी

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः क्षमता से अधिक पानी छोड़ दिए जाने के कारण बिल्हा माइनर की पटरी कट गई है। जिससे सजावरपुर और जोत गांव के किसानों की खड़ी गेहूं, लाही आदि की फसलें जलमग्न हो गई है और सजावारपुर गांव में दैनिक कार्यों के लिए आवागमन में भारी परेशानी हो रही है । अभी लगभग 20 दिन पूर्व भी बम्बी ओवरफ्लो होने से इसका पानी आसपास के खेतों में एवं सजावरपुर गांव में भर गया था।

क्षेत्रीय ग्रामीण एवं किसानों ने बताया कि तेज बहाव के कारण माइनर में कटाव हुआ है जिससे पानी खेतों में भर गया है। उन लोगों ने सिंचाई विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि माइनर की नियमित साफ-सफाई और बालू की उचित निकासी न होने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई। अनेक ग्रामीणों ने बताया कि लंबे समय से माइनर की ठीक से सिल्ट सफाई नहीं की गई थी, जिससे पानी अधिक आ जाने से और कटाव हो गया।

इस घटना से किसानों की फसलें पानी में डूब गई हैं। जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस संबंध में सिंचाई विभाग के एसडीओ राजेश सिंह ने बताया कि उन्हें इसकी सूचना मिली है। संबंधित लोगों को तत्काल आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं और पानी के बहाव को नियंत्रित किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि संबंधित जेई को मौके पर भेज दिया गया है। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है विभाग द्वारा जल्द ही माइनर की मरम्मत और सफाई का कार्य किया जाएगा ताकि भविष्य में ऐसी समस्या उत्पन्न न हो।

व्यवस्थाओं संबन्धी जानकारी देते मुलायम सिंह यादव व जितेंद्र प्रताप सिंह।

यूपी बार काउंसिल के लिए 940 वकील करेंगे मतदान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- जिला जजी में आज और कल, दो दिन पड़ेंगे वोट

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश बार काउंसिल में सदस्य पद के निर्वाचन के लिए माती जजी में शुक्रवार से वोटिंग चालू होगी। शनिवार की शाम पांच बजे तक वोट पड़ेंगे। सीओपी के आधार पर हो रहे चुनाव में कानपुर देहात के 940 अधिवक्ता बार काउंसिल के लिए मतदान करेंगे। वोटिंग के लिए कचहरी में दस पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। दिव्यांग मतदाताओं के लिए सुविधा जनक व्यवस्था की गई है।

बार काउंसिल के लिए कई चरणों में मतदान हो रहा है। रमाबाई नगर के लिए दो दिन 30 व 31 जनवरी की तिथि तय की गई है। कानपुर देहात में कुल 940 मतदाता हैं। काउंसिल में सदस्य बनने के लिए 334 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। यहां जनपद न्यायालय परिसर स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भवन में वोटिंग कराई जाएगी। मतदान हेतु दस मतदान बूथ बनाए गए हैं। महिला एवं विकलांग अधिवक्ता मतदाताओं के लिए अलग मतदान बूथ बनाए गए हैं। मतदान प्रातः दस बजे से सायंकाल पांच बजे तक होगा। मतदाता को मतदान हेतु नवीन सीओपी पहचान पत्र या प्रमाणपत्र साथ लाना अनिवार्य होगा।

कोई भी मतदाता मतदेय स्थल पर मोबाइल, डिजिटल घड़ी या अन्य कोई कैमरा आदि नहीं ले जा सकेगा। ट्रैफिक और पार्किंग के लिए भी अलग इंतजाम किए गए हैं। अकबरपुर की तरफ से आने वाले वाहन कलेक्ट्रेट तिराहे से जनपद न्यायालय की तरफ नहीं जा सकेंगे। वाहन जनपद न्यायालय पार्किंग स्थल में एवं न्यायालय के दो नंबर गेट के पहले माती की तरफ खाली भूमि में पार्क हो सकेंगे।

अधिवक्ताओं के वाहनों के लिए दोनों दिन टोल प्लाजा फ्री होगा

वोटिंग के दौरान शुक्रवार और शनिवार, दोनों दिन टोल प्लाजा अधिवक्ताओं के वाहनों के लिए फ्री होगा। वरिष्ठ अधिवक्ता मुलायम सिंह यादव, ठा जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान और घनश्याम राठौर ने गुरूवार को बताया कि टोल प्लाजा पर 30 एवम 31जनवरी बार काउंसिल का पहचान पत्र दिखाने पर अधिवक्ताओं को निशुल्क आवागमन की छूट रहेगी। टोल प्लाजा के गेट नंबर 22 से जनपद न्यायालय माती कानपुर देहात की तरफ जाने पर एवं कानपुर की तरफ वापसी पर टोल के 3 नंबर से मतदाता अधिवक्ताओं का नि :शुल्क आवागमन हो सकेगा।

सख्ती

डीएम ने की जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक, दिए निर्देश

बिना नंबर प्लेट और ओवरलोड वाहनों पर करें कड़ी कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- हादसे के घायलों की मदद पर मिलेगी 25हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि

मां मुक्तेश्वरी देवी हाल में अधिकारियों के साथ डीएम ने की बैठक। अमृत विचार

अमृत विचारः गुरुवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की संयुक्त बैठक में डीएम कपिल सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़कों पर दौड़ती बिना नंबर और ओवर लोडेड गाड़ियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाए। इसमें किसी तरह की रियायत न हो। हादसों में जनहानि रोकने के उपायों पर श्री सिंह ने कहा कि घायलों की मदद कर उन्हें अस्पताल पहुंचाने वालों को सरकार की ओर से 25 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

कलेक्ट्रेट में हुई बैठक में जनपद में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, ट्रैफिक प्रबंधन, सड़क अवरोध हटाने, यातायात संकेतकों की उपलब्धता, आपातकालीन सेवाओं की तत्परता, ब्लैक स्पॉट चिन्हांकन एवं सुधार तथा सड़क सुरक्षा से संबंधित जन-जागरूकता कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। डीएम ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को समय पर चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासन द्वारा राहवीर योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के अंतर्गत यदि कोई नागरिक सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर के भीतर निकटतम अस्पताल अथवा ट्रॉमा सेंटर तक सुरक्षित पहुंचाता है, तो उसे शासन की ओर से 25,000 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि योजना के अंतर्गत मदद करने वाले व्यक्ति को किसी प्रकार की अनावश्यक पुलिस कार्रवाई या पूछताछ का सामना नहीं करना पड़ेगा तथा प्रोत्साहन राशि सीधे उसके बैंक खाते में हस्तांतरित की जाएगी। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि दुर्घटना की स्थिति में घायलों की तत्काल सहायता कर मानवता का परिचय दें और कीमती जीवन को बचाने में सहयोग करें।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि हाईवे एवं प्रमुख मार्गों के किनारे किए गए अवैध अतिक्रमणों को विशेष अभियान चलाकर हटाया जाए, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। उन्होंने कहा कि प्रमुख मार्गों, चौराहों, विद्यालयों एवं भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों के पास रंबल स्ट्रिप, स्पीड ब्रेकर तथा रिफ्लेक्टर युक्त साइनेज बोर्ड लगाए जाएं, ताकि विशेषकर रात्रिकालीन दुर्घटनाओं की संभावनाओं को न्यूनतम किया जा सके।

इसके साथ ही जनपद में चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर त्वरित सुधारात्मक कार्य प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग को निर्देशित किया कि बिना नम्बर प्लेट, ओवरलोड तथा गलत दिशा में चलने वाले वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर सख्त कार्यवाही की जाए। उन्होंने हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग को पूर्णतः अनिवार्य बताते हुए नियमों का उल्लंघन करने वालों पर प्रभावी चालान कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

न्यूज ब्रीफ

बच्चों को पीटने पर मुकदमा दर्ज

शिवराजपुर। क्षेत्र के गौरी अभयपुर गांव निवासी रीना पत्नी रजोल ने थाने में दी गई शिकायत में दबंगों द्वारा बच्चों को पीटे जाने का मामला दर्ज कराया है। पीड़िता ने थाने में दी गई तहरीर में बताया था कि बीती 23 जनवरी को मेरे बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे तभी गांव निवासी अजय कुमार व विजय कुमार , दिव्यांशु , संजेश ने बच्चों को मारा पीटा। इसके बाद जब उसने शिकायत की तो दबंगों ने गाली गलौज करते हुए उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद पुलिस ने चार अभियुक्तों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया ।

सड़क किनारे युवक का शव मिला

कानपुर। हनुमंत विहार थाना क्षेत्र में एक युवक का शव पड़ा मिला। पुलिस ने जांच शुरू की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हनुमंत विहार थाना अध्यक्ष राजीव सिंह के अनुसार मृतक की पहचान झकरकटी क्षेत्र निवासी गौरव अग्निहोत्री (30) के रूप में हुई। शव के पास एक पर्ची मिली। जिस पर लिखा मोबाइल नंबर के आधार पर संपर्क करने पर शव कि शिनाख्त हो सकी। परिजनों ने बताया कि युवक ममेरे भाई को दवा दिलाने निकला था।

डंपर व ट्रैक्टर की भिड़ंत में एक की मौत, दूसरा गंभीर

एक किलोमीटर लम्बा जाम लगा, एक घंटे बाधित रहा यातायात

संवाददाता, घाटमपुर

- घाटमपुर के जहांगीराबाद में हुआ हादसा

अमृत विचार। घाटमपुर के जहांगीराबाद में ट्रैक्टर और डंपर की आमने सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में ट्रैक्टर चालक समेत दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को पतारा सीएचसी पहुंचाया। वहां पर मौजूद डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर गंभीर हालत में दोनों को कानपुर जिलास्पताल रेफर कर दिया। वहां पर उपचार के दौरान चालक ने दम तोड़ दिया। वहीं दूसरे की हालत गंभीर बनी हुई है।

बिधनू थाना क्षेत्र के तेजपुरवा गांव निवासी 32 वर्षीय कुलदीप गांव निवासी 55 वर्षीय जगजीवन के साथ ट्रैक्टर ट्रॉली में ईंट लादकर कानपुर जा रहा था, तभी घाटमपुर थाना क्षेत्र के जहांगीराबाद गांव स्थित बलहापारा मोड़ के पास पहुंचते ही घाटमपुर की ओर से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने ट्रैक्टर को टक्कर मार दी और चालक समेत ट्रैक्टर ट्रॉली में बैठे दो लोगों को कुचल दिया। हादसे में दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को घायल अवस्था में पतारा पहुंचाया। वहां पर मौजूद डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर गंभीर हालत में दोनों को कानपुर जिलास्पताल रेफर कर दिया। इस दौरान घायलों को कानपुर ले जाने के लिए एंबुलेंस आई तो गाड़ी के चालक और ईएमटी सिर्फ एक गंभीर घायल को गाड़ी में लेकर जाने लगे, जब सीएचसी में मौजूद लोगों ने दूसरे गंभीर घायल को भी लेकर जाने की बात कही तो एंबुलेंस चालक ने उनकी एक नहीं सुनी और एक घायल को लेकर कानपुर चला गया, जिसके चलते दूसरा गंभीर घायल लगभग आधा घंटे तक सीएचसी में एंबुलेंस के इंतजार में तड़पता रहा। वहीं आधा घंटे बाद पहुंची भीतरगांव की एंबुलेंस से दूसरे गंभीर घायल को कानपुर जिलास्पताल पहुंचाया गया। वहां पर इलाज के दौरान कुलदीप ने दम तोड़ दिया। वहीं जगजीवन की हालत गंभीर बताई जा रही है। घाटमपुर इंस्पेक्टर दिनेश सिंह बिष्ट ने बताया कि परिजनों को सूचना देने के साथ शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद कानपुर सागर हाईवे पर जाम के हालात बन गए, इस दौरान घाटमपुर की ओर जगन्नाथपुर तक और कानपुर की ओर टेनापुर मोड़ तक जाम के हालात बने रहे। पुलिस ने एनएचआई की क्रेन को बुलाकर क्षतिग्रस्त वाहनों को किनारे करवाकर यातयात बहाल कराया है। इस दौरान हाईवे पर लगभग एक घंटे तक यातयात प्रभावित रहा।

दुकान में सेंध लगाकर उड़ाया माल और नकदी

घाटमपुर। घाटमपुर के साढ़ थाना की कस्बा चौकी साढ़ से बमुश्किल दो सौ मीटर आगे एक दुकान को चोरों ने निशाना बनाया। करीब एक हजार रुपये के सामान सहित नकदी चोरी कर ले गए। पीड़ित ने मामले की जानकारी स्थानीय चौकी पुलिस को दी।

पालपुर निवासी कमल सिंह ने बताया कि वह भीतरगांव रोड स्थित एक स्कूल के पास पान मसाला चाय आदि की दुकान रख रोजीरोटी कमाता है। बीती शाम वह सामान अंदर रखकर चला गया किसी कारणवश वह बुधवार दोपहर दुकान पहुंचा और जैसे ही शटर खोलकर अंदर गया तो अंदर का नजारा देखकर उसके होश उड़ गए। पीड़ित के अनुसार चोर मसाला, बीड़ी, सिगरेट और बिस्किट सहित करीब आठ हजार की नकदी उठा ले गए। चोरी की घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है । पीड़ित द्वारा मामले की जानकारी स्थानीय चौकी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा जांच पड़ताल की गई। साढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक अवनीश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही।

राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित हुए सरायं छीतम गांव के अंशुल कुमार

शैलेश शुक्ला, चौबेपुर

- बिहार राज्य के पूर्णिया में डीएम के पद पर तैनात हैं अंशुल कुमार
- बेस्ट डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन का मिला अवार्ड

राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित होते डीएम अंशुल कुमार ।

अमृत विचार। कहते हैं प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती। सच्ची लगन व कड़ी मेहनत से इंसान अपनी मंजिल पा सकता है। इस कथन को सच साबित किया है क्षेत्र के सरायं छीतम गांव के मूल निवासी अंशुल कुमार ने। मौजूदा समय में बिहार के पूर्णिया जनपद के डीएम पद पर तैनात अंशुल को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्वारा बेस्ट डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन अवार्ड दिया गया।

चौबेपुर ब्लॉक के सरायं छीतम गांव निवासी शिवराम कुरील श्रम आयुक्त विभाग से सेवा निवृत्त के पश्चात मौजूदा समय में गाजियाबाद में निवास कर रहे हैं। परिवार में पत्नी मुन्नी देवी ग्रहणी हैं। तीन बच्चों में बड़ा बेटा शोभित एक निजी कंपनी में कार्यरत है, जबकि दूसरे नंबर का बेटा अंशुल बिहार राज्य के पूर्णिया जनपद में डीएम के पद पर तैनात है। इकलौती बेटी श्वेता की शादी हो चुकी है। शिवराम के मुताबिक अंशुल सिविल सेवा परीक्षा 2015 में 293 वीं रैंक के साथ आईएएस बने। गत 25 जनवरी को मतदाता राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर उन्हें बिहार के बीते विधान सभा चुनाव के लिए बेस्ट डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन का अवार्ड राष्ट्रपति द्वारा दिया गया।

इन उपलब्धियां के चलते मिला अवार्ड

चौबेपुर। बिहार राज्य के पूर्णिया जनपद के डीएम अंशुल कुमार के नेतृत्व में बीते विधान सभा चुनाव में पूर्णिया जिले में 76.61 प्रतिशत वोटिंग हुई। जो कि राज्य के सभी 38 जिलों में तीसरे नंबर पर थी। पूर्णिया जिले के ही 58 –कस्बा विधानसभा क्षेत्र में 81.97 प्रतिशत मतदान हुआ जो बिहार राज्य के सभी 243 विधानसभा निर्वाचित क्षेत्रों में सर्वाधिक वीटीआर वाले विधानसभा क्षेत्र के रूप में दर्ज हुआ। चुनाव में महिला मतदाताओं की भी जबर्दस्त भागीदारी रही। इतना ही नहीं वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में बांका जिला निर्वाचन अधिकारी के रूप में कार्य करते हुए राज्य में शांतिपूर्ण एवं निष्पक्षता के साथ सबसे कम धनराशि व बेहतर तरीके से चुनाव संपन्न कराने पर उन्हें राज्य में सर्वश्रेष्ठ जिला निर्वाचन अधिकारी का सम्मान मिल चुका है।

चौपाल में मौजूद विशेषज्ञ। अमृत विचार

शैक्षिक योजनाओं की दी जानकारी

शिवराजपुर। विकास खंड की भैंसऊ न्याय पंचायत स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय भैंसऊ में नोडल संकुल सरिता कटियार के नेतृत्व में शिक्षा चौपाल का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कृपा शंकर यादव बीईओ ने ग्रामीणों एवं अभिभावकों को सरकार द्वारा विद्यालयों को प्रदत्त विभिन्न शैक्षिक योजनाओं एवं उनके लाभ बताये । कार्यक्रम में एआरपी ने बताया कि शिक्षा सिर्फ नौकरी पाने का उद्देश्य नहीं वरन जीवन को बेहतर बनाने का साधन है। उन्होंने बालिकाओं को उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान किए जाने और बेटियों को आत्मनिर्भर बनने पर जोर दिया। शिक्षा चौपाल के मुख्य उद्देश्य बच्चों को शैक्षिक रूप से मजबूत बनाने में अभिभावकों की भूमिका एवं विद्यालय में उनके सहयोग के प्रति जागरूक करने के प्रति है।उन्होंने सरकार द्वारा मध्यान भोजन योजना में फल दूध तथा न्यूट्रिशस सप्लीमेंट देकर बच्चों के उत्तम स्वास्थ्य संबंधी किये जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। कार्यक्रम संचालन सरिता कटियार नोडल संकुल द्वारा किया गया। इस मौके पर प्रमुख रूप से समस्त एआरपी एवं बहुत से शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे कार्यक्रम में प्रबुद्ध वर्ग से महेंद्र पांडेय ,अभिभावक शिव कुमार खुशबू एवं सुमन को सम्मानित किया गया ।

नानामऊ गंगा घाट बदहाल,उठे सवाल

संवाददाता, बिल्हौर

गंगा तट की बदहाली बताते सपा नेता। अमृत विचार

अमृत विचार। विधानसभा क्षेत्र के समाजवादी पार्टी अध्यक्ष विनय यादव ने नानामऊ स्थित गंगा घाट का निरीक्षण कर वहां व्याप्त अव्यवस्थाओं और प्रशासनिक लापरवाही पर सवाल खड़े किए। निरीक्षण के दौरान घाट की बदहाल स्थिति देखकर उन्होंने नाराजगी जताई।

नानामऊ गंगा घाट की बदहाली को लेकर उन्होंने इसे केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन में भारी विफलता करार दिया। गंगा घाट पर चारों ओर गंदगी पसरी हुई है, जिसके निस्तारण की कोई ठोस व्यवस्था मौजूद नहीं है। केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से गंगा को स्वच्छ कराए जाने के लिए पिछले एक दशक में हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा चुके हैं लेकिन धरातल पर सारी व्यवस्थाएं शून्य हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'नमामि गंगे' परियोजना के तहत गंगा की स्वच्छता और संरक्षण के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन नानामऊ घाट पर इसके कोई ठोस परिणाम नजर नहीं आए। सपा नेता विनय यादव ने बताया कि शवदाह के लिए आने वाले शवों के निस्तारण की समुचित व्यवस्था नहीं है।

विद्युत शवदाह गृह की भारी कमी है, जिससे अंतिम संस्कार में आने वाले लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

मामले में खंड विकास अधिकारी नेमचंद्र द्वारा यह कहकर पल्ला झाड़ दिया गया कि अंतिम संस्कार स्थल पर व्यक्तिगत रूप से साफ सफाई के लिए 500 की रसीद काटी जाती है, जिसमें साफ सफाई की जिम्मेदारी उनकी होती है। इसमें ग्राम पंचायत या विकासखंड मुख्यालय की किसी प्रकार की जिम्मेदारी नहीं है और यह प्रक्रिया शिवराजपुर के खेरेश्वर घाट पर भी लागू है।

महिला की फोटो वायरल करने वाले पूर्व पति पर मुकदमा

बिल्हौर। ककवन थाना क्षेत्र के एक गांव में एक युवक द्वारा अपनी पूर्व पत्नी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर अपलोड करने का मामला सामने आया है।

पीड़िता के अनुसार, करीब 5 वर्ष पहले उसका आरोपी अंकित के साथ प्रेम विवाह हुआ था। विवाह के कुछ समय बाद ही अंकित ने उसके साथ मारपीट और उत्पीड़न शुरू कर दिया, जिससे दोनों अलग हो गए। पीड़िता ने 3 वर्ष पूर्व दूसरा विवाह कर लिया । आरोप है कि पूर्व पति अंकित ने हाल ही में पीड़िता की पुरानी तस्वीरें इंस्टाग्राम स्टोरी पर लगाकर वायरल कर दीं। जब पीड़िता ने इसका विरोध किया, तो आरोपी ने उसे गालियां दीं और उसके वर्तमान पति की हत्या करने की धमकी भी दी। एडीसीपी कपिल देव सिंह ने इसे गंभीरता से लिया और मुकदमा दर्ज कराया।

वार्षिकोत्सव में मौजूद छात्राएं ,शिक्षक व अतिथि। अमृत विचार

वार्षिकोत्सव में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

- राजकीय हाईस्कूल अलियापुर का वार्षिकोत्सव संपन्न

बिल्हौर। गुरुवार को राजकीय हाईस्कूल अलियापुर का वार्षिक उत्सव अत्यंत धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उप जिलाधिकारी बिल्हौर, संजीव दीक्षित ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया। तमाम छात्र-छात्राओं द्वारा भी सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किये।

वार्षिकोत्सव के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिन्होंने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। बच्चों की प्रतिभा को देखकर मुख्य अतिथि ने उनकी सराहना की और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर शिक्षा विभाग मुख्य रूप से शामिल हुए जिनमे अर्चना सैनी प्रधानाचार्य, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सिंहपुर ,किरण प्रजापति प्रधानाचार्य, राजकीय हाई स्कूल बैकुंठपुर ,अमिता मिश्रा प्रधानाध्यापिका, राजकीय हाई स्कूल साधन , सुनील श्रीवास्तव राजकीय हाई स्कूल उत्तमपुर , राजीव त्रिपाठी, शौर्य यादव शोक पब्लिक स्कूल अलियापुर मौजूद रहे। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान बैडी अलियापुर अनीता गौतम, रोहित गौतम, सची मिश्रा, ममता, रुचिडोबरियाल, कंचन सिंह, राजेश सिंह, शिखा गुप्ता, वंदना एवं कौशल विकास मिशन से श्री अवधेश उपस्थित रहे।

डिजिटल जारी आदेश व नोटिस को नहीं करना होगा प्रमाणित

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- जीएसटी अपीलीय अधिकरण के अध्यक्ष ने जारी किया नया आदेश

अमृत विचार। जीएसटी अपीलीय अधिकरण में अब अपील के साथ दाखिल सभी दस्तावेजों को प्रमाणित नहीं करना होगा। जीएसटी अपीलीय अधिकरण के अध्यक्ष ने डिजिटली जारी आदेश व नोटिस को इस दायरे से बाहर करने का आदेश दिया है।

जीएसटी अपीलीय अधिकरण में अभी तक आदेश थे कि करदाता की ओर से जो भी अपील अधिकरण में जारी की जाती, उसके सभी दस्तावेजों पर चार्टर्ड अकाउंटेंट, टैक्स अधिवक्ता या विभाग की तरफ से प्रमाणित किए जाने के लिए हस्ताक्षर होने चाहिए थे। जीएसटी अपीलीय अधिकरण अध्यक्ष ने माना कि जो आदेश या नोटिस डिजिटल रूप में हस्ताक्षर कर जारी किए गए हैं, उन्हें भी प्रमाणित कराना ठीक नहीं है। इसके बाद 20 जनवरी को उन्होंने आदेश जारी किया कि उन सभी आदेशों व नोटिस पर सीए या टैक्स अधिवक्ता को हस्ताक्षर कर प्रमाणित करने की जरूरत नहीं है जिन्हें खुद जीएसटी पोर्टल के जरिए डिजिटल तरीके से हस्ताक्षर करके जारी किया गया है। हालांकि अपील के साथ संलग्न सभी भौतिक दस्तावेजों की स्कैन की गई प्रतियों को हस्ताक्षर कर प्रमाणित करना जरूरी है। इस आदेश के लागू होने से करदाताओं के साथ चार्टर्ड अकाउंटेंट और टैक्स अधिवक्ताओं को काफी राहत मिली है। अब व अपील के साथ जो कागजात लगाएंगे, उन सभी को हस्ताक्षर करके प्रमाणित करने की जरूरत नहीं रहेगी। मर्चेंट्स चैंबर आफ उत्तर प्रदेश की जीएसटी कमेटी के चेयरमैन संतोष कुमार गुप्ता के मुताबिक अध्यक्ष ने सभी अपीलों में दाखिल दस्तावेजों की जांच में उदारवादी रुख अपनाने के निर्देश दिए हैं। इसमें बड़ी गड़बड़ियों पर ही आपत्ति लगाई जाएगी, सामान्य कमियों पर आपत्ति नहीं रहेगी। इसमें यह भी साफ है कि संबंधित मामले को प्रभावित न करने वाली कमियों पर इस आदेश की तारीख से छह माह तक आपत्ति नहीं की जाएगी। इसके साथ ही डिजिटल रूप से जारी किए गए आदेश व नोटिस को प्रमाणित करने की बाध्यता से राहत मिलने से सीए व टैक्स सलाहकार काफी उत्साहित हैं।

जल भराव के चलते जूझ रहे ग्रामीण

घाटमपुर। घाटमपुर के साढ़ चौराहे पर एसबीआई बैंक के बगल में पाइप लाइन लगभग 6 महीनों से फटी हुई है। यहां पर लाखों लीटर पानी प्रतिदिन बर्बाद हो रहा है। साढ़ चौराहा जो कि मुख्य चौराहा है फिर भी महीनों से फटी पाइप लाइन पर विभाग के जिम्मेदारों की नजर नहीं पड़ी। घाटमपुर के साढ़ चौराहे पर एसबीआई बैंक के बगल में पाइप लाइन लगभग 6 महीनों से फटी हुई है। यहां पर लाखों लीटर पानी प्रतिदिन बर्बाद हो रहा लेकिन इसकी फिक्र करने वाला कोई नहीं है। इसी रोड से गांव के लिए लोगों का आवागमन भी होता है। यहीं से प्रतिदिन स्कूली बच्चे भी आते जाते हैं। इसके चलते आम जनमानस को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। गांव के ही घनश्याम,सुनील, अखिलेश, शिवम, रिंकू, दीपू, सहित तमाम ग्रामीणों ने लीकेज ठीक कराने को कहा।

सड़क सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

बिठूर। सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा अभियान के तहत एनएचएआई ने राहगीरों को नुक्कड़ नाटक, गानों के माध्यम से जागरूक किया।

बिठूर कानपुर हाईवे में प्रोजेक्ट डायरेक्टर पंकज यादव के निर्देशानुसार सड़क सुरक्षा से जुड़े व्यवहारों पर आधारित एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक का मंचन मंधना, तातीयागंज में किया गया, जिसके माध्यम से बिना हेलमेट वाहन चलाने, नशे की हालत में ड्राइविंग, तेज रफ्तार, ओवरलोडिंग और लापरवाही से वाहन चलाने जैसे खतरनाक कृत्यों के दुष्परिणामों को रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया। साथ ही लोगों को पम्पलेट, बांटे गए।

इस मौके पर सेफ्टी ऑफिसर संदीप तोमर, मैनेजर अनिल शर्मा, इंजीनियर भास्कर, सीआरओ यशवंत, आरपीओ सुनील सचान, डॉक्टर शिवप्रकाश, नरेंद्र, पुष्पेंद्र, धर्मवीर, दुर्गेश और कलाकार उपस्थित हुए।

100 की हुई नेत्र जांच, 75 को मिले चश्मे

कानपुर। सिविल लाइंस स्थित जीएनके कॉलेज भवन स्थानीय रोटरी ऑफिस में गुरुवार को रोटरी क्लब ऑफ कानपुर ने प्रोजेक्ट रोशनी के अंतर्गत निशुल्क नेत्र परीक्षण व निशुल्क चश्मा वितरण शिविर का आयोजन किया, जिसमे 75 लाभार्थियों को निशुल्क चश्मे वितरित किए गए और 100 लोगों का नेत्र परीक्षण किया गया। गोविंद हरि सिंघानिया कौशल विकास केंद्र में प्रशिक्षित महिलाओं ने कपड़ों का प्रदर्शन कर महिलाओं को पुरस्कृत किया गया। स्कूल में पढ़ रहे वंचित वर्ग के चार विद्यार्थियों को क्लब ने अभिप्रेरित कर वार्षिक शुल्क प्रदान किया। इस दौरान अध्यक्ष गौरव जैन, डॉ. सोनिया दमेले, सचिव संजय मेहरोत्रा, अंकित अग्रवाल, मुकुल टंडन, तौफीक अहमद, रूफी वाकी, शोएब अहसान, गौरव तिवारी, राम गुप्ता, संजय गुप्ता, गुलनवाज लारी, आलोक पांडेय आदि रहे।

नाथू सिंह के चित्र पर माल्यार्पण करते आयोजक। अमृत विचार

नाथू सिंह की पुण्यतिथि पर हुआ भंडारा

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। स्वर्गीय नाथू सिंह परमार मेमोरियल पब्लिक स्कूल के संस्थापक, स्वर्गीय नाथू सिंह परमार की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह एवं भंडारे का आयोजन किया गया। समारोह में वक्ताओं ने समाजसेवी रहे नाथू सिंह परमार के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बताते हुए नाथू सिंह परमार मेमोरियल पब्लिक स्कूल की स्थापना की। कार्यक्रम में भाजपा जिला महामंत्री वेद व्रत सचान, विद्यालय के प्रबंधक अवनीश प्रताप सिंह, अरविंद सिंह समेत तमाम लोग मौजूद रहे। इस दौरान क्षेत्र के कई गांव के लोगों ने पहुंचकर भंडारे में प्रसाद लिया।

पहल | पंचायत इंफ्रास्ट्रक्चर को मिलेगी मजबूती

6 ग्राम पंचायतों में बनेंगे मॉडल पंचायत भवन

अभय प्रताप सिंह, बिल्हौर

प्रतीकात्मक चित्र।

अमृत विचार। ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की पैठ मजबूत करने और पंचायतों को 'स्मार्ट' बनाने की दिशा में कानपुर नगर प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। जनपद की 6 ग्राम पंचायतों में पंचायत भवन निर्माण के लिए वित्तीय और प्रशासनिक स्वीकृति जारी कर दी है। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत होने वाले इस निर्माण के लिए पहली किस्त के रूप में कुल 26.19 लाख की ड्राइंग लिमिट जारी की गई है। जनपद में अलग अलग ब्लाकों कि एक ग्राम पंचायत में लगभग 18 लाख कि लागत में मॉडल पंचायत भवन बनाने के निर्देश जारी किये है।

वर्तमान में कई पंचायतों के पास अपना निजी भवन न होने के कारण सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन किराए के कमरों या पुराने जर्जर भवनों से होता है। नए पंचायत भवन बनने से एक ही छत के नीचे आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र जैसे कार्यों के लिए ग्रामीणों को भटकना नहीं पड़ेगा। इन भवनों में कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा होने से 'पंचायत सचिवालय' की अवधारणा साकार होगी। ग्राम सभा की बैठकों के लिए एक व्यवस्थित स्थान उपलब्ध होगा। इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत भवन में अभी तक जहां पर बड़े भवन की दरकार रहती थी अब इन मॉडल पंचायत भवन में बड़ी मात्रा में जगह बची रहेगी, जिससे ग्राम पंचायत की बड़ी से बड़ी बैठक का आयोजन पंचायत भवन के अंदर ही हो सकेगा।

इन 6 पंचायतों में बनेंगे मॉडल पंचायत

बिल्हौर	देवकली और सैबसू
ककवन	ग्राम पंचायत चन्द्रपुरा
भीतरगांव	मोहम्मदपुर नर्वल।
घाटमपुर	मढ़ा।
विधनू	इमलीपुर पंचायत

06 नई पंचायतों के लिए 1.04 करोड़ रुपये से अधिक की स्वीकृति, पहली किस्त जारी

> शासन ने अभी जनपद की 6 ग्राम पंचायत को मॉडल पंचायत भवन बनाने के लिए चुना है। आगे चलकर यह संख्या और भी बढ़ेगी शासन की मनसा के अनुसार ग्राम पंचायत में ही सभी प्रकार के कार्यालय की स्थापना कराई जाने के लिए ही इस प्रकार की योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।
>
> –मनोज कुमार (जिला पंचायत राज अधिकारी कानपुर)

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
यह सूचित किया जाता है कि M/s Matani Enterprises LLP (पंजीकृत कार्यालय: 111A/72A, अशोक नगर, कानपुर 208012) के भागीदारों ने इसे M/s Matani Enterprises Private Limited में परिवर्तित करने का प्रस्ताव पास किया है।

सूचना
मैं **रानी देवी पत्नी श्री राम औतार, निवासिनी– ग्राम व पोस्ट गुगौली जनपद फतेहपुर उ0प्र0,** यहकि मेरे नाम की स्पेंलिग पूर्व में (RANEE DEVI) थी। जो कि मैने अपने नाम की स्पेंलिग को बदलकर (RANI DEVI) रख लिया है अब मुझे मेरे नाम की स्पेलिंग RANI DEVI से ही जाना जाये ।

सूचना
त्रुटिवश मेरे पासपोर्ट मे मेरा नाम एकता अंकित हो गया है, जबकि मेरा वास्तविक नाम आधार कार्ड एवं अन्य अभिलेखों में एकता दुबे (EKTA DUBEY) है। मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना। **एकता दुबे पुत्री ब्रह्मानंद द्विवेदी बेलहर कलां, सन्त कबीर नगर उत्तर प्रदेश** 272199

सूचना
मैं विनय कृष्ण पाल पुत्र श्री छोटे लाल पाल निवासी गली नं.–2बी, आशाराम बाबू आश्रम, सिटी मार्डन आकेडमी स्कूल, लखनऊ, मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण–पत्र में शिरशा पाल नाम अंकित है। जबकि अन्य कागज जैसे आधार में वान्या पाल नाम अंकित है। मेरी पुत्री को अब वान्या पाल के नाम से जाना व पहचाना जाता है।

सूचना
मेरे पासपोर्ट मे मेरा नाम वीरेश धर लिख गया है जबकि मेरे आधार कार्ड,पेन कार्ड एवं अन्य अभिलेखों में मेरा नाम वीरेश धर दुबे (VIRESH DHAR DUBEY) है, मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **वीरेश धर दुबे पुत्र ब्रह्मानंद द्विवेदी बेलहर कलां सन्त कबीर नगर उत्तर प्रदेश** 272199

सूचना
मैने अपना नाम SHABNAM SULTANA से बदलकर SHABNAM ARA रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-KHALID FAISAL ADD-46, TAIGORE MARG,NADWA CAMPUS,DALIGANJ, NEW HYDERABAD,DIST-LUCKNOW-226007 (U.P.)

सूचना
मैने अपने (माइनर) पुत्र का नाम AZHAAN MOHAMMADMUSTAK PENDARI से बदलकर AZHAAN PENDARI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MOHAMMAD MUSTAK PENDARI ADD-529A/239, MATEEN PURWA, NEAR FATIMI MASJID,KHURRAM NAGAR,VIKAS NAGAR, DIST-LUCKNOW-226022 (U.P.)

सूचना
मैने अपना नाम TANIYA SINGH से बदलकर TANIYA PUNN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। C/0-ANADI PUNN ADD-802 SECTOR-24, KALYAN GARDEN VIEW APPARTMENT PO-INDIRA NAGAR DIST-LUCKNOW-226016 (U.P)

सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम बृजेश कुमार पुत्र अयोध्या प्रसाद ग्राम कुशल खेड़ा पोस्ट पहुरी तहसील लालगंज जिला रायबरेली का निवासी हूं। मेरी वास्तविक जन्म तिथि 18/04/1975 है। मेरा मूल पता उपरोक्त है।

NOTICE
It is informed that the Date of Birth of Alizah Azaz, D/O Azaz Ahmad Ansari, R/O Moh-Baddha, Sikanderpur, Ballia (U.P.), recorded in school as 10.03.2015, is incorrect. The correct Date of Birth is 10.03.2016 as per Government records. All concerned may note this for future reference.

www.amritvichar.com
अमृत विचार
कानपुर महानगर
कानपुर, शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

सुविचार

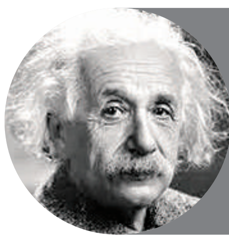

अपना जीवन जीने के केवल दो ही तरीके हैं। पहला यह मानना कि कोई चमत्कार नहीं होता है, दूसरा है कि हर वस्तु एक चमत्कार है।
- अल्बर्ट आइंस्टीन

कानपुर के प्रमुख समाचार
- उद्योग नगरी में बढ़ा नशे का कारोबार -II
- एफटीए के बाद निर्यात बढ़ाने की तैयारी तेज -III
- यूजीसी के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन -IV

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

आय कर सर्वे में 3500 करोड़ की गड़बड़ी मिली

जांच विंग ने जोन 1 के सब रजिस्ट्रार कार्यालय में पकड़ीं विसंगतियां

रजिस्ट्री आफिस में फर्जीवाड़ा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रजिस्ट्री आफिस में गड़बड़ी, घोटाले और फर्जीवाड़ा की जड़ें कितनी लंबी और गहरी हैं, आयकर विभाग के सर्वे में इसका पर्त दर पर्त खुलासा हो रहा है। गुरुवार को जोन तीन के सब रजिस्ट्रार कार्यालय में आयकर विभाग की जांच विंग ने पड़ताल की तो करीब 3500 करोड़ रुपये की विसंगतियां सामने आ गईं।

इससे पहले अचल संपत्तियों की खरीद-बिक्री की सही जानकारी नहीं भेजने पर 26 दिसंबर को रजिस्ट्री आफिस में आयकर विभाग ने सर्वे किया था। जांच के दौरान टीम को जोन एक के सब रजिस्ट्रार कार्यालय में 2500 करोड़ रुपये की संपत्तियों की खरीद और बिक्री में लगाए गए पैन में गड़बड़ियां मिली थीं, जबकि 30 दिसंबर को जोन दो के सब रजिस्ट्रार कार्यालय में एक हजार करोड़ की संपत्तियों में लगे पैन कार्ड गलत मिले थे। अब अकेले जोन-तीन में 3500 करोड़ की गड़बड़ी का पता चला है। इससे अरबों रुपये के राजस्व की क्षति होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

सब रजिस्ट्रार-तृतीय के कार्यालय में आयकर निदेशक (आसूचना एवं आपराधिक अन्वेषण) के मार्गदर्शन में सहायक निदेशक विमलेश राय और आयकर अधिकारी अविनाश सोनवानी की अगुवाई में अचल संपत्तियों की रजिस्ट्री की जांच करने के लिए सर्वे किया गया। टीम ने लगभग 3500 करोड़ रुपये की विसंगतियों के दस्तावेज रिकार्ड किए। सर्वे टीम में आयकर निरीक्षक कुलदीप गुप्ता, देव अनंत श्रीवास्तव, कय्यूम अहमद एवं रवि पासवान भी शामिल रहे, जबकि पड़ताल के दौरान कार्यालय के बाहर भारी पुलिस बल तैनात रहा। जानकारी के मुताबिक सर्वे टीम को एक हजार से ज्यादा पैन नंबरों में गड़बड़ी मिली है। आयकर विभाग जांच कर रहा है कि जानबूझकर ऐसा किया गया है या गलती हुई है।

- जोन एक में 2500 करोड़ की संपत्तियों और जोन दो में एक हजार करोड़ की संपत्तियों में पैन कार्ड मिले थे गलत

इससे पहले आयकर विभाग की जांच विंग ने रजिस्ट्री कार्यालय के दो जोनों में हुई 3,700 रजिस्ट्रियों में फर्जी या गलत पैन नंबर पाए थे। इनमें से करीब 2,900 रजिस्ट्रियों में पैन कार्ड से जुड़ी गलतियों को नोटिस के जरिए सुधार लिए जाने की जानकारी मिली थी। जोन-1 के रजिस्ट्री कार्यालय में 2500 करोड़ के फर्जीवाड़े और 500 करोड़ रुपये से अधिक के कर नुकसान का पता चला था। पड़ताल में वर्ष 2020-2025 के बीच संपत्तियों की रजिस्ट्री में गलत पैन, संदिग्ध प्रविष्टियां और कम स्टांप शुल्क जैसी विसंगतियां मिली थीं। पता चला था कि कई महंगी संपत्तियों की खरीद-बिक्री में गलत पैन या अधूरे दस्तावेज के उपयोग सामने आया था। यही नहीं, करोड़ों की संपत्तियों को कृषि भूमि बताकर टैक्स चोरी का खुलासा भी हुआ था। इस पर रजिस्ट्रार कार्यालय से सभी संपत्तियों के रिकॉर्ड और स्पष्टीकरण मांगे गए थे।

रजिस्ट्री कार्यालय के सॉफ्टवेयर में अब किया जा चुका बदलाव: अब ऐसी व्यवस्था की गई है जिसमें परमानेंट अकाउंट नंबर (पैन) का कोई भी अंक गलत हो या जानबूझकर गलती की गई तो जमीन, दुकान, मकान, फ्लैट की रजिस्ट्री के लिए ऑनलाइन आवेदन नहीं हो सकेंगे। रजिस्ट्री दफ्तर का नया सॉफ्टवेयर नाम और पते से इसका सत्यापन करता है। इससे संपत्तियों की रजिस्ट्री में पैन की गड़बड़ी नहीं हो सकेगी। रजिस्ट्री कार्यालय के अधिकारियों का दावा है कि सितंबर 2025 के बाद कराई जा रही रजिस्ट्रियों में इस तरह की विसंगति नहीं है।

केंद्रीय ट्रेड यूनियनों की 12 फरवरी को हड़ताल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- केंद्रीय और राज्य कर्मचारी भी हड़ताल में शामिल होंगे
- उप्र राज्य कर्मचारी महासंघ ने प्रमुख सचिव को लिखा पत्र

अमृत विचार। उप्र राज्य कर्मचारी महासंघ ने 12 फरवरी को होने वाली राष्ट्रीय आम हड़ताल का नोटिस सर्मथन किये जाने के संबंध में उप्र शासन के प्रमुख सचिव को पत्र लिखा। पत्र से अवगत कराया कि, केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और केंद्र व राज्य सरकार के अखिल भारतीय कर्मचारी संघों और फेडरेशनों ने 12 फरवरी को एक दिन की राष्ट्रीय आम हड़ताल करने का फैसला लिया है। यह हड़ताल मुख्य मांगों को लेकर हैं।

उप्र राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रांतीय अध्यक्ष कमल अग्रवाल ने कहा कि मांग है कि सभी कॉन्ट्रैक्ट वाले कर्मियों को रेगुलर करें, कॉन्ट्रैक्ट, आउटसोर्स व डेली वेज वाली नौकरी बंद की जाए। राज्य सरकार के विभाग और पीएसयू में सभी खाली पोस्ट रेगुलर बेसिस पर भरीं जाए। पीएफआरडीए एक्ट रद्द करें, एनपीएस, यूपीएस खत्म करें। फंड मैनेजर को राज्य सरकारों को जमा की गई रकम वापस करने का निर्देश दें। ईपीएस -95 के तहत सभी सब्सक्राइबर को डिफाइंड बेनिफिट पेंशन सिस्टम में लाएं। पेंशन वैलिडेशन एक्ट 2025 को रद्द करें और ओपीएस के तहत पेंशनर्स के अधिकार वापस करें। सभी चार लेबर कोड रद्द किए जाएं।

पीएसयू का प्राइवेटाइजेशन व कॉर्पोरिटाइजेशन और सरकारी विभागों को छोटा करना बंद करें। सरकार एक पूरी हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम लागू करें, जिससे सभी हॉस्पिटल्स में कर्मचारी, पेंशनर्स और कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले कर्मचारी भी शामिल हों, जिनको को कैशलेस इलाज मिले। एजुकेशन और पब्लिक हेल्थ विभाग को मजबूत करें। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी को खत्म करें और टीचर्स के लिए जरूरी टीईटी का ऑर्डर वापस लें। संविधान के आर्टिकल 310, 311(2) (ए) (बी) व (सी) को रद्द करें समेत आदि मांगें पूरी न होने संबंध में केंद्र, राज्य कर्मचारी और शिक्षक 12 फरवरी को बुलाई गई राष्ट्रीय आम हड़ताल में शामिल होंगे।

शहर में आज

- **दिवस :** सपा के नगर व ग्रामीण कार्यालय में महात्मा गांधी के शहीद दिवस पर गोष्ठी दोपहर 12 बजे।
- **कार्यक्रम :** महात्मा गांधी के शहीद दिवस पर फूलबाग गणेश उद्यान में कार्यक्रम शाम को 4:30 बजे।
- **सपतरंग :** सरस्वती विद्यालय इंटर कॉलेज पनकी में सपतरंग शाम को पांच बजे।

सिटी ब्रीफ

सेंट्रल और गोविंदपुरी में लगेंगे मोबाइल चार्जिंग कियोस्क

कानपुर। कानपुर सेंट्रल और गोविंदपुरी रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए मोबाइल चार्जिंग कियोस्क लगाकर उनका संचालन और देखरेख करने के लिए पांच साल का अनुबंध किया गया है। यह अनुबंध 13 मार्च से प्रभावी होगा। रेलवे के इस कदम से यात्रियों को मोबाइल, लैपटॉप चार्जिंग की सुविधा मिलेगी। प्रयागराज मंडल के 10 स्टेशनों पर कुल 124 मोबाइल चार्जिंग कियोस्क मशीनों की स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही डिजिटल/ बैकलिट विज्ञापनों के माध्यम से स्टेशन परिसरों में आधुनिक सुविधाओं का विस्तार एवं सौंदर्यीकरण किया जाएगा।

पति-सास पर मारपीट और वैश्यावृत्ति कराने का लगाया आरोप

कानपुर। जाजमऊ में महिला ने पति व सास दहेज की मांग कर मारपीट करने और जबरन वैश्यावृत्ति कराने का आरोप लगाया है। वह मायके में रहने लगी है। गंगाघाट निवासी महिला के अनुसार उसका विवाह 2024 में जाजमऊ निवासी युवक से हुआ। विवाह के कुछ माह बाद से पति व सास दहेज की मांग को लेकर उससे मारपीट करने लगे। वह गर्भवती हुई, लेकिन जबरन गर्भपात करा दिया। सास पति के साथ नहीं रहने देती। बाहरी लोगों को बुलाकर उससे वैश्यावृत्ति कराती थीं। विरोध पर प्रताड़ित करते। खाना नहीं देते थे। परेशान होकर 2025 में मायके आकर रहने लगी। ससुरालीजन नहीं माने तब थाने में शिकायत की। कार्रवाई न होने पर पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल से शिकायत की। थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

विवाद में फोड़ा बम डिलीवरी बॉय घायल

कल्याणपुर। आर्डर डिलीवरी को लेकर हुए विवाद में एक गुट ने बम फोड़ दिया, जिसमें डिलीवरी बॉय घायल हो गया। लोगों ने एक आरोपी को पकड़ कर पुलिस को सौंपा है। डिलीवरी बॉय को अस्पताल भेजा गया। रावतपुर के विनायकपुर इनकम टैक्स हाउसिंग सोसायटी निवासी सुशील कुमार आवास विकास एक केसा चौराहा के पास स्थित एक फूड प्लाजा में डिलीवरी का काम करता है।

सुशील के अनुसार बुधवार रात वह आर्डर लेकर जा रहा था। तभी, वहां पहुंचे डिलीवरी बॉय रोहित सोनकर ने उसे ऑर्डर को खुद ले जाने की बात कही। उन्होंने जब उससे कहा कि उसकी शिफ्ट सुबह और शाम की है, तो रोहित धमकी देकर वहां से चला गया। आरोप है कि कुछ देर बाद रोहित अपने तीन साथियों के आकर गाली-गलौज की। विरोध करने पर रोहित ने उसके पास सुतली बम फोड़ दिया।

घटना में उसका पैर जख्मी हो गया। धमाका सुनकर लोगों ने एक को पकड़ लिया। पुलिस ने घायल सुशील को अस्पताल भेजा। कल्याणपुर थाना प्रभारी ने बताया कि जांच में सुतली बम से हमले की बात सामने आई है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

बर्थडे पार्टी मना रहे युवकों ने दवा व्यापारी को पीटा

कार्यालय संवाददाता, कानुपर

- दुकान के बाहर हुड़दंग का विरोध करने पर दुकान में की तोड़फोड़

अमृत विचार। फीलखाना में दुकान के बाहर बर्थडे पार्टी मना रहे युवकों को टोकना दवा व्यापारी को भारी पड़ा। हुड़दंग कर रहे युवकों ने दुकान में तोड़फोड़ की और व्यापारी को पीटकर घायल कर दिया। बीच-बचाव करने में व्यापारी के भाई को भी पीटा और भाग निकले। व्यापारी की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

घुमनी बाजार के रहने वाले दवा व्यापारी रितिक जायसवाल की केनाल रोड दवा मार्केट में होलसेल की दुकान है। उन्होंने बताया कि बुधवार रात वह अपने भाई तनय के साथ दुकान पर थे। तभी इलाके का अर्पित जायसवाल, रोहन गुप्ता, अजय सहित करीब 20-25 युवकों ने दुकान की छत पर बर्थडे पार्टी मनाई और शराब पी। देर रात नशे की हालत में दुकान के बाहर एक दूसरे पर केक फेंक कर हुड़दंग करने लगे। उन्होंने दुकान के अंदर केक आने पर विरोध किया तो आरोपियों ने उन्हें पीटना शुरू कर दिया।

उनका भाई बचाने आया तो उसे भी पीटा। इस बीच उनके सिर पर राड मारकर घायल कर दिया। दुकान के अंदर घुसकर तोड़फोड़ की। शोर-शराबा सुनकर लोग पहुंचे, यह देखकर आरोपी धमकी देकर भाग निकले। पीड़ित ने मामले की शिकायत फीलखाना पुलिस से की। पुलिस ने व्यापारी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित व्यापारी की तहरीर पर मुकदमा दर्जकर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

तमंचा व कारतूस समेत दो धरे गए

कानपुर। रेलबाजार पुलिस ने दो तमंचा व कारतूस के साथ दो शातिरों को गिरफ्तार किया है। दोनों को पुलिस ने जेल भेजा है।

रेलबाजार थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि कई दिनों से सूचना मिल रही थी कि सीओडी पुल के नीचे तमंचा लेकर शातिर घूमते रहते हैं। जो किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में रहते हैं। उनकी तलाश के लिए रात में गश्त बढ़ाई गई। जिसके चलते बुधवार देर रात को सूचना के आधार पर सीओडी पुल के नीचे से दो आरोपियों को पकड़ा गया। पूछताछ में दोनों ने अपना नाम रेलबाजार के लालकुआं निवासी मोहम्मद आफान और गोविंदनगर का अंकित सिंह चौहान बताया। पुलिस ने आरोपियों के पास दो तमंचा व कारतूस बरामद किया। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी योजना बनाकर लूट करते हैं।

कार्रवाई

बिठूर थाने के पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे केडीए जोन-1 के अधिकारी

अवैध प्लाटिंग और निर्माण पर चला बुलडोजर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बिठूर थाना क्षेत्र में कई जगहों पर अवैध निर्माण कार्य किए जा रहे हैं, जिसकी जानकारी होने पर कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने उन जगहों को चिह्नित करना शुरू कर दिया है। गुरुवार को बिठूर थाना क्षेत्र में केडीए की प्रवर्तन जोन-1बी ने करीब 12 बीघा क्षेत्रफल में की गयी अवैध प्लाटिंग को बुलडोजर से ध्वस्त किया। वहीं, समृद्धि विहार में एक परिसर पर सीलिंग की कार्रवाई की।

केडीए उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल व सचिव अभय कुमार पाण्डेय के निर्देश पर गुरुवार को प्रवर्तन जोन-1बी के विशेष कार्याधिकारी व उपजिलाधिकारी डॉ.रवि प्रताप सिंह टीम के साथ कटरी ख्यौरा पहुंचे। डॉ.रवि प्रताप सिंह के मुताबिक यहां पर प्रिया गुप्ता व अन्य द्वारा लगभग 5.5 बीघा क्षेत्रफल में अवैध व अनाधिकृत रूप से प्लाटिंग की जा रही थी। केडीए से तलपट मानचित्र भी स्वीकृत नहीं था। इसलिए अवैध प्लांटिंग पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गयी।

केडीए ने गुरुवार को अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाया। अमृत विचार

इसी तरह हिंदूपुर में विजय व अन्य लोगों की ओर से लगभग 4.0 बीघा क्षेत्रफल में अनाधिकृत प्लाटिंग की जा रही थी। इसका भी मानचित्र स्वीकृत नहीं था, इसलिए इस प्लाटिंग को भी बुलडोजर से ध्वस्त किया गया। इन अवैध प्लांटिंग के साथ ही रोड, नाला, बाउण्ड्रीवाल, बिजली के करीब 35 खम्भे, पिलर, इन्ट्रीगेट, सभी निशानदेही के साथ सीवर लाइन, इंटरलॉकिंग ईट लगभग दो ट्राली और सामान्य ईट लगभग दो ट्राली को तीन जेसीबी के माध्यम से ध्वस्त किया गया, ताकि इनका उपयोग दोबारा न हो सके।

इसके अलावा समृद्धि विहार फेस-2, प्रतापपुरहरी में राहुल सिंह, राजेश कुशवाहा व अन्य का लगभग 2.5 बीघा क्षेत्रफल में बिना केडीए से तलपट मानचित्र स्वीकृत कराये व बिना अनुज्ञा के किये गये निर्माण के खिलाफ केडीए की टीम ने सील करने की कार्रवाई की। इस दौरान क्षेत्रीय अवर अभियंता श्रवण कुमार, हिमांशु बर्नवाल, सुपरवाइजर रामऔतार, मनोज, राजकुमार, लाल सिंह व बिठूर थाने का पर्याप्त पुलिस बल मुस्तैद रहा।

नवाबगंज में भी अवैध प्लाटिंग, होगी कार्रवाई: बिठूर थाना क्षेत्र के साथ ही नवाबगंज थाना क्षेत्र में भी कुछ जगहों पर अवैध रूप से प्लाटिंग और बिना मानचित्र के इमारत का निर्माण किया जा रहा है। केडीए की टीम ने इन दोनों थाना क्षेत्रों में अवैध और बिना मानचित्र के निर्माण किए जाने पर 4.5 बीघा क्षेत्रफल की जगह को चिह्नित कर लिया है। डॉ. रवि प्रताप सिंह के मुताबिक नवाबगंज व बिठूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत स्थित ग्रामों की लगभग 4.5 बीघा क्षेत्रफल की अवैध, अनाधिकृत निर्माण व प्लाटिंग को चिह्नित किया जा चुका है। जल्द ही उन पर सीलिंग व ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

सिटी ब्रीफ

जेल में बंदियों की सेहत का चेकअप

कानपुर। जिला कारागार में गुरुवार को बंदियों की सेहत जांची गई। जेल अधीक्षक डॉ. बीडी पांडेय के अनुसार अपराध निरोधक समिति के सहयोग से पारस हॉस्पिटल की टीम ने विशेष मेडिकल कैंप लगाया। टीम में फिजीशियन, ऑर्थोपेडिक सर्जन और दंत रोग विशेषज्ञ रहे। कारागार चिकित्साधिकारी डॉ. प्रभाकर त्रिपाठी व फार्मासिस्ट इन्द्रजीत सिंह राना की मौजूदगी में बंदियों को दवाइयां दी गईं।

रिसेप्शनिस्ट से दुष्कर्म का प्रयास, रिपोर्ट दर्ज

कानपुर। गोविंदनगर में एक कंपनी के सर्विस सेंटर में कार्यरत युवती ने मैनेजर पर अश्लील हरकत करने, दुष्कर्म का प्रयास और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की है। बाबूपुरवा के बगाही निवासी युवती सर्विस सेंटर में रिसेप्शनिस्ट थी। आरोप है कि कंपनी का मैनेजर राजू उसके साथ अशोभनीय व्यवहार करता था। गलत काम का दबाव बनाता था। विरोध पर वेतन रोकने की धमकी देता था। 23 जनवरी की शाम मैनेजर ने उसका हाथ पकड़कर खींचा और दुष्कर्म का प्रयास किया। थाना प्रभारी रिकेश सिंह ने बताया कि तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर फरार आरोपी की तलाश जारी है।

गैर वित्तीय अधिकारी से कार्य लेने का आरोप

कानपुर। सीएमओ डॉ.हरिदत्त नेमी के खिलाफ एक पत्र वायरल हुआ है, जिसमें मिशन निदेशक पिंकी जोवल का भी जिक्र है। पत्र के साथ सीएमओ पर गैर वित्तीय अधिकारी से कार्य लेने, शासनादेशों के विपरीत कार्य करने का आरोप है। सीएमओ डॉ.हरिदत्त नेमी का कहना है वित्तीय अधिकारी का पद खाली है, जिसकी तैनाती के संबंध में डीएम को अवगत कराया जा चुका है।

सयुस ने जारी किया जनसेवा हेल्पलाइन

कानपुर। समाजवादी युवजन सभा महानगर अध्यक्ष अर्पित त्रिवेदी ने जिले की पांच विधानसभाओं से सम्बंधित समस्याओं के लिए एक गूगल लिंक जारी किया, जिसमे पीड़ित अपने नाम, फोन नंबर, पता और समस्या के बारे में जानकारी देकर एक ऑनलाइन फार्म भर सकता है, जो सीधे युवजन सभा के मीडिया सेंटर पर जाएगा। इसके बाद युवजन सभा के पदाधिकारी सम्बंधित अधिकारी से स्वयं बातकर समस्या का निवारण कराएंगे।

अब डंपर-लोडर में हो रही मादक पदार्थों की सप्लाई, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, सोनभद्र व छत्तीसगढ़ से होती गांजा की तस्करी

उद्योग नगरी में बढ़ा नशे का कारोबार

गंभीर चुनौती

शिवप्रकाश मिश्र, कानपुर

अमृत विचार। प्रदेश की औद्योगिक राजधानी में शुमार कानपुर की उद्योग नगरी अब नशे के कारोबार का गढ़ बनती जा रही है। नशे के सौदागरों का नेटवर्क देश के कई राज्यों तक जुड़ गया है। अब तो हालात ऐसे हैं कि लोडर और डंपरों में भारी मात्रा में गांजा की खेप पहुंचाई जा रही है। इधर, कुछ सालों में नशीले पदार्थों की सप्लाई और बिक्री तेजी से बढ़ी है। हाल के दो महीनों में पुलिस ने जिस तरह गांजे की बड़ी खेप और स्टाक पकड़ा, वह चौंकाने वाला है।

नवंबर 2024 में जाजमऊ में पुलिस ने डंपर में 18 क्विंटल गांजा बरामद किया था, जबकि दिसंबर 2025 में नौबस्ता में 74 किलो गांजा पकड़ा गया था। जनवरी 2026 में सजेती क्षेत्र में दो क्विंटल गांजा पकड़ा गया, जो लोडर में लादकर लाया गया था। इसी बीच किदवई नगर में भी 22 किलो गांजा के साथ एक महिला हत्थे चढ़ी थी। यह बरामदगी बताती है कि उद्योग नगरी में नशे का कारोबार कितनी तेजी से विस्तार ले रहा है। तस्कर झोला-बैग में नहीं, अब डंपर व लोडर से गांजा तस्करी कर रहे हैं।

पुलिस के खुलासों में ही यह बात साफ हुई कि पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, सोनभद्र, छत्तीसगढ़, बिहार, मध्य प्रदेश से इधर नशीले पदार्थों की तस्करी बढ़ी है। तस्करों के फेरे व माल की खपत लगातार आगे निकल रही है। बीते माह सचेंडी से कन्नौज जाते समय पकड़े गए तस्कर ने कबूला था कि यहां आसानी से माल लाकर आसपास के जिलों में पहुंचाने में कोई दिक्कत नहीं होती है। शहर के आउटर से लोडर और ट्रक से जा सकते हैं। यही कारण है कि तस्करों के लिए कानपुर मुफीद अड्डा बन गया है। तीन साल के आंकड़े भी यहीं इशारा करते हैं कि हर साल नशीले पदार्थों की बरामदगी बढ़ रही है। इसके साथ ही नशे का नेटवर्क भी दायरा बढ़ रहा है।

ऑपरेशन सुदर्शन से तस्करी पर नजर

- जिले में ऑपरेशन सुदर्शन से पुलिस तस्करों पर सख्त नजर रखी रही है। इस कारण है कि बीते दो माह में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली। कई स्थानों से भारी मात्रा में मादक पदार्थ पकड़ा गया। तस्करों पर गैंगस्टर के साथ इनाम की घोषणा हुई। गिरफ्तारी कर जेल भेजे गए और भागे तस्करों की तलाश में पुलिस टीमें लगी हैं। एसटीएफ और कमिश्नरेट पुलिस की संयुक्त कार्रवाई से तस्कर जेल में हैं। इसके बाद भी लगातार भारी मात्रा में गांजा, चरस पकड़ा जाना इस बात के प्रमाण हैं कि कानपुर नशे का अड्डा बन रहा है।

तीन साल में बरामदगी पर एक नजर

साल	चरस	स्मैक	गांजा	शराब
2023	73 .5	3032	29	343
2024	89 .6	4031	44	543
2025	96 .5	4029	67	832
टोटल	259 .6	11092	140	1718

(चरस किग्रा में, स्मैक ग्राम में और गांजा क्विंटल में शराब लीटर में।)

'भारत सरकार' वाली कार से नशे का कारोबार

- नशीले पदार्थों के तस्करों पर कानपुर कमिश्नरेट पुलिस की निगरानी बढ़ी तो शातिरों ने तरीका बदल लिया। नौबस्ता बाईपास रोड स्थित विराटनगर कट के पास भारत सरकार लिखी सफेद स्कार्पियो से पति-पत्नी व साथी को पुलिस ने गिरफ्तार किया तो हैरान रह गए। भारत सरकार लिखी कार से 1420 ग्राम गांजा, 115 ग्राम चरस, 20 ग्राम भूरा पाउडर, दो डिजिटल तराजू व एक लाख रुपये बरामद हुए। पकड़े गए हनुमंत विहार के तेज बहादुर सोनकर उसकी पत्नी आशा ने बताया। तीसरा आरोपी गुजैनी का भीम सिंह है। भीम को ऑटो दे रखी है। जिससे वह आसपास के इलाकों में घूमकर मादक पदार्थ बेचता है। वाहन में बैठे-बैठे फोन पर सौदा तय होता है। डिजिटल तराजू से माल तौलकर दे दिया जाता है। उसे छोड़ भी देते हैं। इससे सवारी वाहन के कारण पुलिस से बचना आसाना रहता है। इसी तरह बदले तस्करी के तरीकों में बस, ट्रेन और ट्रक-लोडर भी शामिल हैं। जिसमें छिपाकर गांजा, चरस व स्मैक की सप्लाई होती है।

तीन साल में हुए गुडवर्क

साल	एसटीएफ	कमिश्नरेट पुलिस
2023	53	28
2024	59	33
2025	67	31

तस्कर गिरोह के कई एजेंट की अभी तलाश

- नवंबर 2024 में जाजमऊ पुलिस ने अंतरराज्यीय गांजा तस्कर गिरोह को पकड़ा था। मछली और मुर्गी दाना की बोरियों में भरकर 18 क्विंटल गांजा जे जाया जा रहा था। पुलिस ने आरोपियों पर गैंगस्टर लगा इनाम घोषित किया था। गांजे की कीमत दो करोड़ बताई गई थी। छत्तीसगढ़, महाराजगंज, आजमगढ़ के आरोपी हत्थे चढ़े थे। इस गैंग के तस्करों की तलाश जारी है।

कोचिंग मंडी और युवा बन रहे नशे के लती

- कानपुर की पहचान कोचिंग मंडी के रूप में भी है, जहां प्रदेश के जिलों व अन्य प्रदेशों के होनहार अपनी किस्मत संवारने के लिए आते हैं। यह छात्र व युवा नशे के नेटवर्क का शिकार बन रहे हैं। कोचिंग मंडियों में तस्करों के एजेंट सक्रिए हैं, जो युवाओं से दोस्ती करते हैं और नशे की लत लगवा रहे हैं। इसके बाद उन्हें पढ़ाई के लिए मिलने वाली रकम को अपने ढंग से खर्च करवाते हैं।

शहर के इन इलाके में तस्करों की सक्रियता

- काकादेव, शास्त्रीनगर, रावतपुर, कल्याणपुर, कंजड़नपुरवा, नौबस्ता और बर्रा के कुछ इलाके हैं। इसके अलावा बिल्हौर, महाराजपुर, सचेंडी के बाहरी इलाके थोक और फुटकर बिक्री के लिए जाने जाते हैं। पकड़े गए तस्करों ने ही कहा कि उनके भी एजेंट होते हैं, जो इन इलाकों में उनके दिए काम पूरा करते हैं। इसी का नतीजा है कि नशीले पदार्थों की मांग बढ़ रही है।

शहर के बाहरी इलाकों में माल का भंडारण

- पुलिस ने दिसंबर माह में नौबस्ता में डांजा का स्टॉक पकड़ा था। फतेहपुर का तस्कर किराए पर कमरा लेकर माल स्टॉक किया था। पुलिस के अनुसार उड़ीसा, सोनभद्र, छत्तीसगढ़ आदि प्रदेशों से गांजा व अन्य नशीले पदार्थ लाए जाते हैं। उससे पहले शहर में स्टॉक के लिए सुरक्षित इलाका देखा जाता है। सेपरेट पोर्सन किराए पर लेकर मॉल डंप किया जाता है। इसके बाद रात में झोला-बैग में भरकर थोक और फुटकर में अलग-अलग इलाकों में सप्लाई किया जाता है।

घर में अकेली 6वीं की छात्रा ने फंदा लगा दी जान

कानपुर। बिधनू में घर में अकेली 12 वर्षीय किशोरी ने कुंडे से मां की साड़ी बांधकर फंदे से लटक गई। परिजन घर पहुंचे तो शव लटका देखकर सन्न रह गए। ऐसी क्या बात हुई कि बेटी ने फांसी लगा ली। स्टूल व मेज लगाकर भी कुंडे तक नहीं पहुंच सकती थी, इसलिए दीवार के सहारे लगी गिट्टी-मौरंग की बोरियां पर चढ़कर उसने साड़ी बांधी। सूचना पर पुलिस ने जांच-पड़ताल की। वजह स्पष्ट नहीं है।

बिधनू थाना क्षेत्र के अरखइया गांव निवासी छविराम अपना ई-रिक्शा चलाते हैं। परिवार में पत्नी वंदना, बेटे अंकुश, लवकुश व 12 वर्षीय बेटी मुस्कान थी। पिता के अनुसार पैसों के कारण मुस्कान का इस साल स्कूल में दाखिला नहीं हो पाया था। उसके भाई-बहन भी स्कूल नहीं जा रहे थे। छोटे बेटे लवकुश के नाक की हड्डी में दिक्कत थी, जिससे खून आता था। उसके ऑपरेशन में काफी पैसा लगा और कर्ज भी लेना पड़ा। नए सत्र में बच्चों को स्कूल भेजने की तैयारी थी। बुधवार वह रिक्शा लेकर गए थे। छोटा बेटा साढ़ स्थित मामा संदीप के घर पर था और घर पर मौजूद मां-बेटे खेत पर चारा लेने गए थे। इसी बीच बेटी घर पर अकेली होने पर यह कदम उठाया है। खेत से लौटने पर मां ने कमरे में शव लटकता देखा तो चींख पड़ी। सूचना पर पुलिस ने जांच कर शव पोस्टमार्टम भेजा।

विवाहिता ने संदिग्ध हालात में फांसी लगाकर दी जान

संवाददाता, कल्याणपुर

अमृत विचार। विवाहिता ने संदिग्ध हालात में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय पति व बेटा घर पर नहीं थे। पुलिस फोर्स के साथ एसीपी कल्याणपुर ने जांच कर शव पोस्टमार्टम भिजवाया।

कल्याणपुर निवासी विशाल कनौजिया का आरओ प्लांट है। आठ साल पहले विशाल की शादी नर्वल की शिवानी उत्तम (32) से हुई थीं। विशाल के अनुसार वह सुबह प्लांट चले गए थे। उनका सात वर्षीय बेटा ईसाल स्कूल गया था। इसी बीच शिवानी ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जब वह घर लौटे तो कमरे का दरवाजा बंद होने पर उन्होंने खिड़की से झांककर देखा। शिवानी को फंदे पर लटका देखकर पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी ने बताया कि मायके वालों को सूचना दी है।

शिवानी।

महिला से नकदी-जेवर ले गए टप्पेबाज

- बेटे का नाम लेकर विश्वास में लिया और फिर जेवरात उतरवाए
- सर्वोदय नगर की घटना, सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही पुलिस

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। काकादेव में वृद्धा के नकदी-जेवर उतरवाकर टप्पेबाज फरार हो गया। वृद्धा को उसके बेटे का नाम बताकर विश्वास में लिया। बैंक से पैसे निकालने की बात कहकर बैंक ले गया। इसके बाद खुद भाग निकला। शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्जकर टप्पेबाज की तलाश शुरू की है।

रावतपुर गांव के केशवनगर निवासी दुर्गावती देवी ने बताया कि बुधवार दोपहर वह पैदल घर लौट रही थीं। वह रीजेंसी अस्पताल के पास थीं, तभी पीछे से आए एक युवक ने उन्हें रोका और कहा कि उनके बेटे के कहने पर वह आया है। युवक ने झांसा दिया कि उनके बेटे ने बताया है कि कैनरा बैंक के खाते में 2.80 लाख रुपये आए हैं। आपको बैंक चलकर पैसे निकालने होंगे। युवक की बातों में आकर दुर्गावती उसके साथ चल पड़ीं।

रास्ते में युवक ने कहा कि गहने पहनकर बैंक न चलें। पैसे और गहने उसके पास रख दें। युवक की बातों पर भरोसा कर उन्होंने तीन अंगूठियां, एक नाक की कील, पायल और करीब 15 हजार रुपये उसे दे दिया। इसके बाद युवक के साथ कैनरा बैंक पहुंचीं। युवक ने फार्म लाने के बहाने उन्हें सीट पर बैठा दिया और खुद जेवर-रुपये लेकर फरार हो गया।

जब युवक वापस नहीं लौटा तो दुर्गावती देवी को ठगी का अहसास हुआ। उन्होंने परिजनों को जानकारी दी। इसके बाद परिजनों के साथ थाने पहुंचकर तहरीर दी। काकादेव थाना प्रभारी राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। युवक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

घर में भूत देख युवक ने फंदा लगा खुदकुशी की

- परिजन बोले, युवक एक सप्ताह से कह रहा था, घर में भूत है यहां से कहीं और चलो
- परिजनों के सो जाने के बाद युवक ने लगाई फांसी, पनकी पुलिस ने मौके पर की जांच-पड़ताल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पनकी में युवक को कई दिनों से अपने घर में अजीब दृश्य दिखने लगा। घरवालों से कहा कि कमरे में भूत है। इस घर को छोड़ दो, कहीं और चलो। बुधवार रात दिमागी उलझन से गुजर रहे युवक ने परिजनों के सो जाने पर फंदे पर लटक गया। सुबह परिजनों ने देखा तो चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पुलिस ने जांच-पड़ताल की और शव पोस्टमार्टम भेजा।

रोहित।

रतनपुर निवासी रोहित सिंह (23) पंचर और परचून की दुकान किए था। पिता करन सिंह की छह साल पहले मौत हो चुकी है। परिवार में मां उमादेवी व बड़ा भाई मोहित है। मोहित ने बताया कि रोहित करीब एक सप्ताह से अजीब हरकत कर रहा था। तीन-चार दिन से उसकी मानसिक हालत ठीक नहीं थी। गुमशुम सा था। पूछने पर बताया कि वो देखो भूत जा रहा है। कमरे में भूत है। इस घर को छोड़कर कहीं और चलो। इस पर डॉक्टर को दिखाया। दूसरे जगह ले जाने का विचार था, उससे पहले ही उसने यह कदम उठा लिया। मोहित के अनुसार बुधवार दोपहर वह दुकान में थे औ रोहित घर पर। जब वह दुकान से लौटे तो हालचाल के लिए दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। मां ने भी प्रयास किया। उन्होंने रोशनदान के पास स्टूल लगाकर अंदर झांका तो रोहित का शव फंदे से लटका दिखा। पनकी पुलिस ने जांच की।

नौबस्ता में युवक ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

- **कानपुर।** नौबस्ता में युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बढ़पुर मछरिया निवासी संतोष कुमार का 24 वर्षीय बेटा ऋतिक होटल में काम करता था। वह तंदूर लगाता था। करीब डेढ़ साल पहले उसकी शादी लक्ष्मी से हुई थी। परिवार में मां सुशीला व बड़ा भाई अंश व समर हैं। पिता के अनुसार बुधवार शाम करीब पांच बजे बेटा होलट से घर आया। इसके बाद कमरे में आराम करने चला गया। करीब छह बजे जब उनकी बहू लक्ष्मी कोचिंग से लौटी तो शव कमरे में फंदे से लटका पाया। उन्होंने बताया घटना के समय ऋतिक व उसकी मां ही घर पर थे। दोनों बेटे और वह काम पर गए थे। बहू शिक्षक बनने के लिए कोचिंग कर रही है। परिजनों के अनुसार घरेलू कलह या अन्य कोई परेशानी नहीं थी। उसने यह कदम क्यों उठाया इसकी वजह स्पष्ट नहीं है।

सेंट्रल पर भीड़ नियंत्रण के लिए होंगे खास प्रबंध

- प्रयागराज मंडल रेल प्रबंधक ने सेंट्रल स्टेशन का किया निरीक्षण
- आगामी परीक्षाओं और माघ मेला स्नान पर्वों पर होंगे इंतजाम
- वीआईपी लॉज में अफसरों के साथ बैठक कर मंथन किया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। प्रयागराज मंडल के रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल ने गुरुवार को कानपुर सेंट्रल स्टेशन का व्यापक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्लेटफॉर्म संख्या-1 से लेकर स्टेशन सिटी साइड तक का जायजा लिया और स्टेशन री-डेवलपमेंट के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों की प्रगति का अवलोकन किया।

मण्डल रेल प्रबंधक ने कानपुर में आगामी दिनों में विभिन्न परीक्षाओं के आयोजन के दौरान बड़ी संख्या में परीक्षार्थियों के आवागमन को ध्यान में रखते हुए निर्देश दिए कि परीक्षार्थियों को ट्रेनों के आगमन-प्रस्थान के समय प्लेटफॉर्म तक सुचारु एवं सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित की जाए। साथ ही भीड़ प्रबंधन के लिए होल्डिंग एरिया के प्रभावी संचालन के निर्देश भी दिए गए।

सेंट्रल स्टेशन का निरीक्षण करते मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल। अमृत विचार

निरीक्षण के दौरान आगामी माघ मेला के शेष दो प्रमुख स्नान पर्वों को लेकर भी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए यात्री सुविधा, सुरक्षा एवं भीड़ नियंत्रण से जुड़े आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक ने रेलवे ट्रैक की गुणवत्ता एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया।

इसके बाद वीआईपी लॉज में अधिकारियों के साथ बैठक कर यात्रियों की सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने तथा सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध और समन्वित रूप से पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उप मुख्य यातायात प्रबंधक कानपुर आशुतोष सिंह, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त प्रयागराज विजय प्रकाश पंडित सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बिस्तर में लगी आग महिला जिंदा जली

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बिधनू में ओरियारा चौराहे के पास हाईवे किनारे स्थित एक ईंट भट्ठे में गुरुवार देरशाम बिस्तर में आग लगने से चारपाई में सो रही 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत हो गयी।

मूलरूप से बिहार के रहने वाले पति बलराम चौहान (72) बीते दो वर्ष से ईंट भट्ठे में मुनीम का काम कर रहे है।चार महीने पहले वह चलने फिरने से लाचार पत्नी कलावती को बिहार से अपने साथ ले आये थे।गुरुवार शाम पत्नी चारपाई में लेटी हुई थी।नजदीक ही आग जल रही थी। पति बलराम माधवबाग बाजार से सामान लेने गए थे।इसीबीच चारपाई के बिस्तर में अचानक आग लग गयी।कमरे से धुआं निकलता देख भट्ठा कर्मियों ने मौके पर पहुचकर आग बुझाने का प्रयास करते हुए पति को घटना की सूचना दी।पति के पहुचने से पहले ही महिला ने दमतोड़ दिया।सूचना पर पहुची पुलिस ने मौके पर जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।बिधनू थाना प्रभारी तेज बहादुर सिंह ने बताया कि महिला की चारपाई के नजदीक आग जल रही थी।जिससे बिस्तर में आग लग गयी।पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तहरीर के आधार पर आगे की कार्यवाई की जायेगी।

असलहे के साथ फोटो वायरल, गिरफ्तार

कानपुर। जाजमऊ में युवक की अवैध असलहा लिए फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई। जिसका संज्ञान लेकर पुलिस ने जांच की और आरोपी को गिरफ्तार किया। शांतिभंग की कार्रवाई की है। गुरुवार को एक युवक की सोशल मीडिया पर फोटो वायरल हुई। जिसमें वह अवैध असलहा लिए दिखा। पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की और आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम तिवारीपुर निवासी मोनू यादव उर्फ बल्ले बताया। उसने पुलिस को बताया कि करीब छह साल पहले वह बांगरमऊ उन्नाव में लोडर बनवाने गया था। जहां एक पीआरवी भी खड़ी थी। वहीं पर फोटो खींची गई थी। जिसे अब सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है। आरोप है कि वह अपने इलाके में चल रहे जुए का विरोध करता है। जिसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया था। इसी खुन्नस में उसकी पुरानी फोटो वायरल की गई है। थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि मामला करीब पांच से छह साल पुराना है। आरोपी पर शांतिभंग की कार्रवाई की गई है। असलहा किसका था, यह भी जांच की जा रही है।

शराब के पैसे न देने पर सर्जिकल ब्लेड से हमला

कानपुर। गोविंदनगर में क्लीनिक में घुसकर वृद्ध महिला पर सर्जिकल ब्लेड से हमला करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार बुजुर्ग डेंटिस्ट अपनी पत्नी को क्लीनिक में बैठाकर घर गए थे। तभी आरोपी ने आकर शराब के लिए पैसे मांगे थे। बर्रा-दो न्यू एमआईजी निवासी सुमन त्रिवेदी के अनुसार बुधवार शाम वह महादेवनगर स्थित अपने पति के क्लीनिक सुमन मेडिकल एंड डेंटल सेंटर पर बैठी थीं। तभी कच्ची बस्ती निवासी देवराज का बेटा कल्लू क्लीनिक में घुस आया और शराब पीने के लिए पैसे मांगने लगा। मना करने पर उसने जेब से सर्जिकल ब्लेड निकालकर उनके गले पर वार कर दिया। खुद को बचाने के प्रयास में वह पीछे हटीं तो चेहरे व गर्दन पर आरोपी ने कई वार किए। भागने पर पीछा कर ईंट से सिर पर हमले का प्रयास किया। रोकने में हाथ पर गंभीर चोट आई। जाते समय आरोपी ने धमकी दी कि हफ्ता नहीं दिया तो जान से मार दूंगा। क्लीनिक में तोड़फोड़ का भी आरोप लगाया है। थाना प्रभारी रिकेश सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है।

इलाके के लोग भयभीत | नगर निगम की टीम ने किया सर्वे, भूमिगत केबल और वॉटर लाइन से नाला धंसने की वजह सामने आई

धंसे डॉट नाला के पास खाली होंगे मकान और दुकान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। ब्रम्हनगर ईदगाह चौराहा के पास डॉट नाला धंसने की वजह से आसपास क्षेत्र के लोगों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। नाले के पास में रहने वाले सैकड़ों लोग वर्तमान में डर के साये में रात गुजार रहे हैं। ऐसे में नगर निगम के अभियंताओं ने इसकी वजह जानने के लिए सर्वे किया है। मुख्य अभियंता ने भूमिगत केबिलिंग व वॉटर लाइन से निरंतर पानी का रिसाव होने की संभावित वजह का जिक्र करते हुए रिपोर्ट नगर आयुक्त को दी है।

ईदगाह चौराहा के पास डॉट नाला धंसने की वजह से नगर निगम ने स्थिति को भांपते हुए मकान व दुकान मालिकों को नोटिस जारी कर उन्हें खाली करने के निर्देश दिए। वहीं, नगर निगम ने अपनी ओर से मरम्मत कार्य के संबंध में कार्रवाई शुरू कर दी है। नाला धंसने की वजह जानने के लिए नगर निगम की टीम ने सर्वे किया। सर्वे में पता चला है कि करीब 100 वर्ष पुराने इस डॉट नाले के पास केस्को ने एचडीडी विधि से भूमिगत लाइन डाली है। सम्भवतः भूमिगत लाइन डालने के कारण डॉट नाला क्षतिग्रस्त हुआ है और इसके अलावा वॉटर लाइन से निरंतर पानी का रिसाव होने के कारण मिट्टी का कटाव होता रहा, जिसकी वजह से सड़क क्षतिग्रस्त होकर धंस गई है।

ऊपर सड़क और नीचे बहता नाला, जिसमें गिरने से कोई भी हो सकता लापता।

धंसे डॉट नाले का निरीक्षण करतीं महापौर प्रमिला पांडेय। अमृत विचार

जानकारी होने पर नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने मुख्य अभियन्ता को निर्देश दिए हैं कि जो कर्मचारी डॉट नाले पर उतरकर कार्य कर रहे है, उन्हें सेफ्टीगाड के साथ उतरा जाए। नगर आयुक्त के मुताबिक क्षतिग्रस्त डॉट नाले के आसपास के सात मकानों में रहने वाले लोगों को जान-माल के नुकसान से बचाने के लिए भवन खाली करने का नोटिस दिया जा चुका है। उन्हें आसपास के छह रैन बसेरों में ठहराने के लिए कहा गया है। घर खाली कराने के लिए लाउडस्पीकर से मुनादी भी शुरू हो गई है। मुख्य अभियंता को क्षतिग्रस्त डॉट नाले की मरम्मत का कार्य युद्ध स्तर पर व पूर्ण सुरक्षा के साथ करने के निर्देश दिए हैं।

आखिर रैनबसेरा में कब तक गुजरेंगे दिन

- ईदगाह चौराहा के पास धंसे डॉट नाले का महापौर प्रमिला पांडेय का गुरुवार को निरीक्षण किया। नाला ध्वस्त होने से असुविधा को ध्यान में रखते हुए उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों को जल्द मरम्मत कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए हैं। क्षेत्र के लोगों ने महापौर को बताया कि नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी धीमी गति से कार्य रहे हैं। मकान खाली करने के लिए कह रहे हैं, लेकिन रैन बसेरा में कब तक रहना पड़ेगा, इसकी कोई अवधि नहीं है। पहले भी यहां एक नाला धंसा था, अब दूसरा भी धंस गया है। इससे लोग दहशत में है। महापौर ने अधिकारियों को तेज गति और गुणवत्तापूर्वक कार्य करने के निर्देश दिए। इस दौरान महापौर के साथ पार्षद दल के नेता नवीन पंडित भी मौजूद थे।

सिटी ब्रीफ

यूनिवर्सिटी में लेखन कार्यशाला प्रारंभ

कानपुर। सीएसजेएमयू के इंस्टीट्यूट ऑफ़ फाइन आर्ट्स में दो दिवसीय 'रचनात्मक लेखन कार्यशाला' का आयोजन हुआ। इस दौरान मुख्य अतिथि लेखनी विशेषज्ञा एवं प्रसिद्ध कवयित्री प्रो. कमला पांडेय रहीं। विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने कहा कि संगीत, साहित्य और कला– ये तीनों मानव जीवन के अभिन्न अंग हैं, जो जीवन को सुख-दु:ख, हर्ष-उल्लास और उत्सव के साथ आनंदित करते हैं।

किडनी रोग की समय से पहले पहचान संभव

कानपुर। सीएसजेएमयू के स्कूल ऑफ लाइफ साइंस एंड बायोटेक्नोलॉजी की शोधार्थी शताक्षी चतुर्वेदी ने डायबिटिक किडनी इंजरी की प्रारंभिक पहचान एवं उपचार को लेकर महत्वपूर्ण शोध किया है। यह शोध विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. सुधीर के. अवस्थी एवं डॉ. अनुराधा कलानी के निर्देशन में हुआ। शोध के अंतर्गत डब्लूटी-1 को मूत्र आधारित बायोमार्कर के रूप में चिन्हित कर ईएलआईएसए आधारित डायग्नोस्टिक किट विकसित की गई, जिससे डायबिटिक नेफ्रोपैथी की शीघ्र एवं सरल जांच हो सकेगी। शोध में दूध से प्राप्त एक्सोसोम्स में करक्यूमिन का एन्कैप्सुलेशन कर उसकी स्थिरता और जैव-उपलब्धता को बढ़ाया गया। इसके माध्यम से डायबिटिक किडनी इंजरी में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस, सूजन तथा रोगजनक प्रक्रियाओं में कमी पाई गई। अध्ययन में एक्सोसोम्स को एक सुरक्षित एवं जैव-संगत नैनो-डिलीवरी सिस्टम के रूप में स्थापित किया गया है।

आंगनबाड़ी भर्ती की अफवाहों से रहें दूर

कानपुर। जिले में आंगनबाड़ी कार्यकत्री व सहायिका की भर्ती प्रक्रिया प्रचलित है, जिसमे जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रीति सिन्हा को जानकारी हुई कि कुछ गैर-शासकीय व शरारती तत्वों द्वारा आंगनबाड़ी भर्ती के नाम पर अभ्यर्थियों से अवैध धनराशि की मांग कर दबाव बनाया जा रहा है, जो पूर्णत: अनुचित व दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। उन्होंने कहा कि यदि आंगनबाड़ी भर्ती के संबंध में कोई भी व्यक्ति संपर्क कर किसी भी प्रकार की धनराशि या अवैध लाभ की मांग करता है तो इसकी सूचना तत्काल कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी को कक्ष संख्या-15, प्रथम तल, विकास भवन में उपलब्ध कराएं।

समानांतर हाईवे के लिए मुआवजा बांटने में लगेंगे महीनों

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- रमईपुर से कबरई तक फोर लेन एलिवेटेड रोड बनेगी
- प्रशासन अभी तक नहीं कर सका धारा थ्री डी का प्रकाशन

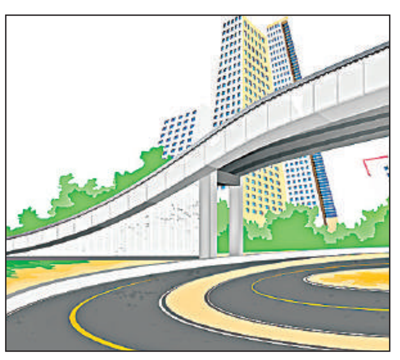

अमृत विचार। रमईपुर में रिंग रोड से शुरू होकर हमीरपुर होते हुए कबरई तक प्रस्तावित फोरलेन एलिवेटेड समानांतर हाईवे के लिए जिन किसानों की भूमि का अधिग्रहण हो रहा है उन्हें अभी मुआवजा के लिए महीनों ने इंतजार करना पड़ेगा। क्योंकि कानपुर नगर जिला प्रशासन ने अभी भूमि अधिग्रहण की धारा थ्री डी का प्रकाशन नहीं किया है।

थ्री ए के प्रकाशन के बाद अभी किसानों से आपत्तियां ही ली जा रही हैं। थ्री डी का प्रकाशन करने में ही एक से दो माह लगेगा। इसके बाद किसानों के साथ बातचीत की जाएगी और फिर मुआवजा वितरण किया जाएगा। हालांकि किसान भूमि देने को तैयार हैं ऐसे में प्रोजेक्ट की राह में कोई बाधा नहीं आएगी।

भोपाल से छतरपुर कबरई तक फोर लेन हाईवे बनाने का काम चल रहा है। हालांकि ये हाईवे भूमिगत है लेकिन कानपुर से कबरई तक प्रस्तावित हाईवे एलिवेटेड होगा। इसे सिंगल पिलर पर बनाया जाएगा। इसके बन जाने से भोपाल होते हुए मुंबई जाना आसान हो जाएगा। साथ ही कारोबारी और उद्यमी अपने उत्पाद भी आसानी से भोपाल, पुणे आदि शहरों तक भेज सकेंगे। यह हाईवे 112 किलोमीटर लंबा होगा। इसके अलाइनमेंट को मंजूरी मिल चुकी है। कानपुर, हमीरपुर व महोबा जनपद की भूमि का अधिग्रहण होगा। पहले यह हाईवे फतेहपुर जिले के कुछ गांवों से होकर गुजरना था लेकिन बाद में इसके अलाइनमेंट में बदलाव कर दिया गया। इससे भूमि अधिग्रहण कम करना होगा। इस हाईवे के बन जाने से जाम से निजात मिलेगी। इसमें रमईपुर के बाद घाटमपुर में रैंप बनेगी। हमीपुर, कबरई से बड़े पैमाने पर गिट्टी, मौरंग कानपुर, लखनऊ, सीतापुर, गोंडा, बहराइच, अयोध्या, लखीमपुर आदि जिलों को भेजी जाती है।

पास-पास औद्योगिक क्षेत्र बसाए जाएंगे

- हाईवे के आसपास औद्योगिक क्षेत्र बसाए जाएंगे। इसके लिए उप्र राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण, उप्र एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण भूमि की तलाश करेगा। औद्योगिक क्षेत्र इसलिए बसाए जाएंगे ताकि उद्यमी आसानी से अपने माल की ढुलाई कर सकें।

निर्माण के लिए टेंडर मांगे गए

- इस एक्सप्रेस वे के निर्माण के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने टेंडर मांग लिए हैं। कंपनी चयन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अनुबंध तब किया जाएगा जब 80 फीसद भूमि का अधिग्रहण हो जाएगा।

1139 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा

- प्रशासन को 1139 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण करना है। इसमें हमीरपुर के 35 गांवों की 500 हेक्टेयर, कानपुर नगर व देहात के 49 गांवों की 387 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा। महोबा के नौ गांवों की 252 हेक्टेयर भूमि ली जाएगी। किसानों से सुलह समझौते के आधार पर भूमि अधिग्रहण किया जाएगा। ऐसा इसलिए ताकि समय से भूमि का अधिग्रहण हो जाए और प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो सके।

यूरोप के बाजार में बढ़ेगी शहर के लेदर, टेक्सटाइल और हैंडीक्राफ्ट उत्पादों की धमक

एफटीए के बाद निर्यात बढ़ाने की तैयारी तेज

वृद्धि का अनुमान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। यूरोपीय संघ से मुक्त व्यापार समझौते के बाद अब शहर के निर्यातक इससे होने वाले फायदे का गुणा-गणित लगाने के साथ खुद को तैयार कर रहे हैं। शहर के चमड़ा उद्योग को यूरोपीय बाजार में शून्य शुल्क पहुंच मिलने से निर्यात में 20 फीसदी की वृद्धि होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

इसके अलावा, टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग और हैंडीक्राफ्ट कारोबार में भी वृद्धि होने की संभावना है, जबकि एमएसएमई (माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइजेज) को बढ़ावा मिलने से रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। लगभग एक साल बाद प्रभावित होने वाले समझौते को छोटे निर्यातकों के लिए सबसे अधिक चुनौती माना जा रहा है। निर्यात विशेषज्ञों का कहना है कि कुल मिलाकर यह समझौता भविष्य में निर्यातकों के लिए बड़ा बाजार विकसित करेगा। शहर से वर्तमान में लगभग 45 सौ करोड़ रुपये का निर्यात यूरोपीय देशों को होता है। अब मुक्त व्यापार समझौते का लाभ उठाने की राह में यूरोपीय लाइसेंस व पंजीयन प्रणाली को कड़ी चुनौती माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यूरोपीय बाजार में पारंपरिक निर्यातकों के लिए बड़े ऑर्डर की राह आसान हो गई है। लेकिन छोटे व नए निर्यातकों को शुरुआत में थोड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। इसकी वजह वहां पर्यावरण के सख्त नियम होना है। अनेक उत्पादों में खरीदार पर्यावरण सुरक्षा संबंधी प्रमाण पत्र मांगते हैं। नए निर्यातकों के सामने यूरोपीय बाजार की मांग समझना और अलग-अलग 27 देशों के नियामकों का ध्यान रखते हुए उत्पाद तैयार करने की चुनौती है।

नए निर्यातक यदि यूरोपीय संघ के एफटीए का अधिक लाभ उठाना चाहते हैं तो उन्हें सबसे पहले वहां के बाजार और उसमें प्रवेश के नियमों की जानकारी करनी चाहिए। खासतौर पर पर्यावरण संबंधी प्रमाण पत्रों को हासिल करना चाहिए।

-आलोक श्रीवास्तव, सहायक निदेशक, फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन।

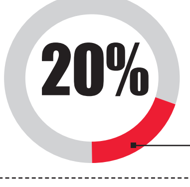

निर्यात में उछाल की संभावना

45 सौ करोड़ का शहर से होता है निर्यात

11 तरह के उत्पादों का होता है निर्यात

22 सौ निर्यातक यूरोपीय बाजार से जुड़े

एक दर्जन प्रमाण पत्रों की होती जरूरत

- ईयू में निर्यात के लिए लगभग एक दर्जन प्रमाण पत्रों की जरूरत होती है। यह उत्पादों की प्रकृति पर निर्भर होते हैं। इनमंत सीई प्रमाणन, अनुरूपता प्रमाणपत्र, रीच अनुपालन प्रमाणपत्र, रोहस अनुपालन प्रमाणपत्र, खाद्य व कृषि उत्पादों का प्रमाण पत्र, स्वास्थ्य प्रमाणपत्र, फाइटोसैनिटरी प्रमाणपत्र, एफएसएसएआई निर्यात लाइसेंस, जैविक प्रमाणपत्र, गुणवत्ता प्रमाणपत्र, परीक्षण रिपोर्ट, एमएसडीएस / सुरक्षा डेटा शीट आदि शामिल हैं।

अभी एक साल तक कड़ी प्रतिस्पर्धा

- यूरोपीय संघ ने समझौते से पहले निर्यातकों को दी जाने वाली टैरिफ में छूट को खत्म कर दिया था। यह छूट तब तक खत्म रहेगी जब तक एफटीए लागू नहीं होगा। ऐसे में एक साल तक निर्यातकों को सामान्य टैक्स के साथ अपने उत्पाद भेजने में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत गिरने से कच्चे माल का आयात महंगा हो जाएगा।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

बैंक गारंटी के प्रावधान से छूट मिले तो पूंजी उपयोग का मिलेगा फायदा

उद्यमियों की राय

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बजट से इस बार उद्यमियों को काफी उममीद है। उनका कहना है कि कारोबार के लिए हाल ही में सरकार की ओर से उठाए गए कदम उद्योग को सकारात्मक बढोतरी की ओर ले जाने वाले कदम है। इसके बावजूद उद्यमियों ने बजट में इस बार कई ऐसे प्रावधान की मांग की है, जिससे उद्योग को बढ़ावा मिल सके।

बजट पर उद्यमियों ने कहा कि डिफेंस सहित अन्य सरकार ऑर्डर में बैंक गारंटी के रूप में उन लोगों का काफी रुपया ब्लॉक हो जाता है। उस रकम की वापसी काफी समय बाद ही हो पाती है। ऐसी स्थिति में उद्यमियों की काफी रकम ब्लॉक हो जाती है। यदि इस प्रावधान में उद्यमियों को छूट प्रदान की जाए तो वही रहम किसी अन्य ऑर्डर को पूरा करने के लिए लगाई जा सकती है। बाजार में ऑर्डर और पूंजी का फ्लो बना रह सकता है। बजट में इसके अलावा उद्यमियों ने कई तरह की सब्सिडी को भी जल्द दिए जाने जाने नियमों को बनाए जाने की जरूरत बताई। उनका कहना है कि बजट में सहूलियतें देकर उद्यमियों को प्रोत्साहित किया जा सकता है।

- उद्यमियों ने नए बजट में खत्म होने की जताई उम्मीद
- बोले, बैंक की गारंटी खत्म होने से बढ़ेगा कारोबार

उद्यम में पूंजी का काफी महत्व होता है। यदि पंजी चलायमान नहीं है तो वह उद्यमी के लिए व्यर्थ है। ऐसे में जहां कही भी पूंजी को लंबे समय तक गारंटी के रूप में ब्लॉक किए जाने के नियम है उनमें छूट मिलनी चाहिए। इससे उद्योग जगत को काफी लाभ होगा। उम्मींद है कि इस बार के बजट में उद्यमियों को इस तरह की राहत मिलेगी।

-वैभव सारस्वत, उद्यमी

बजट से हम लोगों को इस बार बारंटी के लिए जमा की गई हर तरह की रकम में छूट मिलने की उम्मीद कर रहे हैं। इसके अलावा सरकार से ऐसे नियम लागू किए जाने की उम्मीद है जिससे सरकारी ऑर्डर मिलने में उद्यमियों को आसानी मिल सके। सरकार को बॉन्ड जैसे नियम लागू करने चाहिए जिसमें कम से कम ब्याज तो होना चाहिए।

-अनिल सारंग गर्ग, उद्यमी

सरकारी ऑर्डर में उद्यमियों की सबसे अधिक पंजी ब्लॉक होती है। गारंटी के रूप में रकम के बजाए कुछ और प्रमाण पत्र जैसे इंश्योरेंस के कागज वगैरह को गारंटी के रूप में जमा कराया जाना चाहिए। ाकम जमा कराए जाने से उद्यमी को अन्य ऑर्डर के लिए लोन के फेर में फंसना पड़ जाता है।

सुशील शर्मा, उद्यमी

उद्यमियों का गारंटी के रूप में कई जगहों पर पैसा ब्लॉक हो जाता है। यह रकम वापस आने में भी काफी समय लगता है। उद्यमियों को इस परेशानी से निकालने के लिए सरकार को बजट में प्रावधान करना चाहिए। इससे उद्यमियों को राहत मिल सकेगी।

-अनुज जाखोडिया उद्यमी

अशोक सिंह अध्यक्ष और आर. श्रीनिवासन महामंत्री चुने गए

कानपुर। आईएनडीडब्लूएफ मुख्यालय में राष्ट्रीय सुरक्षा कर्मचारी महासंघ के त्रैवार्षिक अधिवेशन में रक्षा कारखानों के निगमीकरण, मृतक आश्रितों को 100 प्रतिशत नौकरी, एक करोड़ का दुघर्टना मुआवजा और पुरानी पेंशन बहाली आदि मुद्दों को लेकर होली के बाद नई दिल्ली में संसद भवन तक मार्च करने को लेकर हुंकार भरी गई। इस दौरान पूरे देश से आए सभी डेलीगेट्स और सदस्यों ने नए पदाधिकारियों और कार्यकारणी सदस्यों को चुना। सर्वसम्मति से अशोक सिंह को महासंघ का अध्यक्ष और आर. श्रीनिवासन को महामंत्री चुना गया। कानपुर से एचएन तिवारी उपाध्यक्ष, विनोद तिवारी कोषाध्यक्ष, राकेश सिंह, जीडी शर्मा संयुक्त महासचिव, सिद्धनाथ तिवारी, आशुतोष तिवारी सचिव चुने गए। वहीं ओईएफ फूलबाग कानपुर से किला मजदूर यूनियन के नीरज सिंह, सियाराम को राष्ट्रीय कार्यकारणी का सदस्य चुना गया।

संबोधित करते अशोक सिंह।

शहर से वियतनाम जाएंगे पैराशूट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। वियतनाम के जहाजों में शहर के बने पैराशूट लगाए जाएंगे। इसके लिए जीआईएल को करोड़ो रुपये के ऑर्डर हासिल हुए हैं। आर्डर के तहत जीआईएल की ओर से एसयू-30 ब्रेक पैराशूट व पायलट पैराशूट की आपूर्ति की जाएगी। यह पैराशूट लड़ाकू विमान के लिए बेहद उपयोगी माने जाते हैं।

रक्षा मंत्रालय के रक्षा उत्पादन विभाग के तहत एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड (जीआईएल) ने वियतनाम से एक बड़ा निर्यात ऑर्डर हासिल किया है। इस ऑर्डर के तहत एसयू-30 ब्रेक पैराशूट (बीपी) और पायलट पैराशूट (पीपी) की आपूर्ति की जाएगी। यह निर्यात ऑर्डर भारतीय रक्षा उत्पादों की बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता और कड़े अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों के अनुरूप मिशन-क्रिटिकल एयरोस्पेस सिस्टम के डिजाइन, निर्माण और आपूर्ति में जीआईएल की प्रमाणित क्षमता को दर्शाता है।

यह उपलब्धि जीआईएल को बढ़ती वैश्विक पहुंच वाली एक विशेष एयरोस्पेस विनिर्माण इकाई के रूप में स्थापित करती है। इस उपलब्धि पर जीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एमसी बालासुब्रमण्यम ने कहा कि संगठन राष्ट्र की सेवा के लिए पूरी तरह से समर्पित है।

- जीआईएल एसयू-30 ब्रेक पैराशूट और पायलट पैराशूट की आपूर्ति होगी

फरार आरोपी पर 82 की कार्रवाई

कल्याणपुर। पुलिस ने धोखाधड़ी के मामले में फरार चल रहे आरोपी के खिलाफ न्यायालय के आदेश पर 82 की कार्रवाई करते हुए उसके घर के बाहर नोटिस चस्पा किया है।

कल्याणपुर के देवी सहाय नगर निवासी सतनाम सिंह धोखाधड़ी की एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहा है। आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस गुरुवार को न्यायालय के आदेश पर आरोपी सतनाम के घर पहुंची। जहां डुगडुगी पिटवाने के साथ ही पुलिस ने लाउड हेलर से 82 की कार्रवाई करते हुए शीघ्र हाजिर होने का नोटिस घर के बाहर चस्पा कराया। थाना प्रभारी ने बताया कि कोर्ट में उपस्थित नहीं होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नवीन सभागार में बैठक करते जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह। अमृत विचार

पहली बार होगी ऑनलाइन जनगणना, मिलेगी सुविधा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जिलेवासियों को पहली बार जनगणना 2027 में स्वगणना की सुविधा मिलेगी। जिला प्रशासन ने तैयारी कर जनगणना की तारिख घोषित कर दी है। प्रथम चरण में 22 मई 2026 से 20 जून 2026 तक संचालित होगा। द्वितीय चरण फरवरी 2027 में आयोजित किया जाएगा। जिले में जनगणना के लिए 13,089 कार्मिकों की तैनाती जिला प्रशासन करेगा।

नवीन सभागार में गुरुवार को डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने जिला स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की बैठक में जनगणना की समयसीमा, कार्ययोजना और डिजिटल प्रक्रिया पर चर्चा की। जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना 2027 देश की 16वीं और स्वतंत्रता के बाद की आठवीं जनगणना होगी, जो गांव, शहर और वार्ड स्तर पर प्राथमिक आंकड़ों का सबसे बड़ा व सबसे विश्वसनीय स्रोत होती है। इसके माध्यम से आवास की स्थिति, मूलभूत सुविधाएं, परिसंपत्तियां, जनसांख्यिकीय विवरण, धर्म, भाषा, साक्षरता, शिक्षा, आर्थिक गतिविधियां, प्रवासन और उर्वरता जैसे विषयों पर सूक्ष्म स्तर का डेटा प्राप्त होता है। बताया कि जनगणना के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण, मकानों की गणना और द्वितीय चरण में जनसंख्या की गणना की जाएगी। इस बार की जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी और पहली बार नागरिकों को स्वगणना का विकल्प दिया गया है। जनगणना से पहले 15 दिनों की अवधि में नागरिक सेंसस सेल्फ एन्युमरेशन पोर्टल व एप के माध्यम से स्वयं अपनी गणना कर सकेंगे। कोई भी सामान्य निवासी ऑनलाइन प्रश्नावली भरकर स्वगणना कर सकता है। घर-सूचीकरण चरण के दौरान सर्वेक्षक भवन के उपयोग, निर्माण सामग्री, कमरों की संख्या, स्वामित्व की स्थिति, जल, विद्युत और शौचालय की उपलब्धता, खाना पकाने के ईंधन के प्रकार, फोन, वाहन और टेलीविजन जैसी परिसंपत्तियों से संबंधित कुल 33 प्रकार के विवरण दर्ज करेंगे।

15 मई से पहले प्रशिक्षण लेने के दिए गए निर्देश

- लखनऊ से आए सहायक निदेशक सेंसस दिनेश यादव ने जनगणना प्रक्रिया को लेकर प्रस्तुतिकरण दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि मास्टर ट्रेनरों का प्रशिक्षण 28 फरवरी तक, फील्ड ट्रेनरों का प्रशिक्षण 31 मार्च तक और प्रगणक व पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण हर हाल में 15 मई तक पूर्ण कर लिया जाए। बैठक में सीडीओ दीक्षा जैन, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व विवेक चतुर्वेदी, अपर नगर आयुक्त आवेश खान, जिला पंचायत राज अधिकारी मनोज कुमार, बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत सिंह, डीआईओ शांतनु श्रीवास्तव, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी ईशा शर्मा आदि मौजूद रहे।

अध्ययन — मोतियाबिंद के ऑपरेशन के बाद बिना चशमा लगाए दिखने की जागी उम्मीद

ऑपरेशन के बाद चशमा की जरूरत नहीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराने के बाद अब लोगों को चशमा लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। क्योंकि अब एक विशेष प्रकार के लेंस से न सिर्फ दूर का स्पष्ट दिखेगा, बल्कि पास का और मध्य क्षेत्र भी एकदम साफ दिख सकेगा। यह लेंस लगने के बाद ड्राइविंग में भी दिक्कत नहीं होगी। यह लेंस जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में निशुल्क उपलब्ध होंगे, जबकि अभी तक पास का और माध्य क्षेत्र का हिस्सा देखने के लिए मोतियाबिंद के ऑपरेशन के बाद भी बड़े नंबर का चश्मा लगाना पड़ता है।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के नेत्र रोग विभाग की वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ.शालिनी मोहन की अगुवाई में इडॉफ लेंस पर एक वर्ष तक एक स्टडी की गई है, जिसमे 45 वर्ष से लेकर 60 वर्ष के 200 मरीज शामिल किए गए थे। इनमे से 100 मरीज को सामान्य यानी मल्टीफोकल लेंस और 100 मरीजों को इडॉफ लेंस लगाया गया।

डॉ.शालिनी मोहन ने बताया कि मल्टी फोकल लेंस में बिच में एक रिंग टाइप नजर आती है, जिसकी वजह से व्यक्ति को पास का और मध्य का देखने में दिक्कत आती है। जबकि दूर का एकदम स्पष्ट दिखता है। लेकिन इडॉफ लेंस लगाने पर मरीजों ने बताया कि इसमे किसी भी प्रकार कोई रिंग नजर नहीं आईं। पास और मध्य का भी साफ दिख रहा है। इडॉफ लेंस लगाने पर कार और बाइक चलाने में भी कोई दिक्कत नहीं हुई।

इसके अलावा कंप्यूटर पर काम करने या मोबाइल देखने पर भी समस्या नहीं महसूस हुई। इडॉफ लेंस से नजदीक की चीज देखने में आसान हो गया। बारीक चीजें या शब्द पढ़ने के लिए छोटे नंबर के चश्मे से ही काम चल जाता है। इसके साथ रंगों को देखने और कंट्रास्ट में आसानी रहती है। लैंस से क्वालिटी ऑफ विजन अच्छा हुआ है। वहीं, ट्राइफोकल लेंस की तुलना में इडॉफ लेंस में प्रकाश की चकाचौंध काफी कम होती है।

डायबिटीज, ग्लूकोमा, रेटिनोपैथी आदि में भी सहायक : डॉ.शालिनी मोहन ने बताया कि मल्टी फोकल लेंस डायबिटीज, ग्लूकोमा, रेटिनोपैथी व आखों में सूजन आदि बीमारी में यह नहीं लगाया जाता है। जबकि इडॉफ लेंस आधुनिक इंट्राओकुलर लेंस हैं। इसे मोतियाबिंद के इन बीमारियों से ग्रस्त मरीजों में आसानी से प्रत्यारोपित किया जा सकता है। ये लेंस बेहतर कंट्रास्ट सेंसिटिविटी प्रदान करते हैं। कम रोशनी वाली स्थितियों में भी बेहतर और स्पष्ट दृश्य प्रदान करते है। इसके अलावा दैनिक गतिविधियों के लिए चश्मे की आवश्यकता काफी कम हो जाती है। वहीं, यह पारंपरिक लेंसों की तुलना में रात में ड्राइविंग और पढ़ने के लिए अधिक प्राकृतिक दृष्टि प्रदान करता है।

डॉ.शालिनी मोहन।

- लेंस लगाने से बिल्कुल स्पष्ट दिखेगा, ड्राइविंग में भी कोई समस्या नहीं

हिंदी पखवाड़ा समारोह में भाग लेतीं छात्राएं और कर्मचारी। अमृत विचार

ईपीएफओ में हिंदी पखवाड़ा का समापन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के क्षेत्रीय कार्यालय का हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह गुरुवार को सिंफोनिया मैनेजमेंट स्कूल ऑडिटोरियम में हुआ। मुख्य अतिथि उदय बक्शी, अपर केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त का स्वागत क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, शाहिद इकबाल ने किया।

समारोह में कार्मिकों एवं उनके बच्चों द्वारा गायन, कविता पाठ, नाट्य प्रस्तुति जैसी सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ अंत्याक्षरी प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक सहभागिता की गई। मुख्य अतिथि ने हिंदी पखवाड़ा में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया। उन्होंने कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग पर बल देते हुए हिंदी भाषा के सम्मान एवं संवर्धन की आवश्यकता पर जोर दिया। क्षेत्रीय आयुक्त ने कहा कि इस तरह के आयोजन हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार एवं सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में क्षेत्रीय आयुक्त-द्वितीय प्रतीश सिंह, कुमार अभिषेक भी उपस्थित रहे।

सिटी ब्रीफ

आज इन इलाकों में नहीं रहेगी बिजली

कानपुर। करही रोड, झंडा चौराहा, योगेंद्र विहार, जरौली-2, बंबा रोड, मीता सराय गांव, टीटी नगर, रविदासपुरम व श्याम नगर में शुक्रवार को सुबह 11 बजे से शाम साढ़े 4 बजे तक बिजली नहीं रहेगी। लवकुशपुरम, शिवली रोड व आसपास क्षेत्र, स्वर्ण जयंती विहार, सनिगवां व सिंहपुर में बिजली सुबह 10 बजे से शाम को पांच बजे तक बिजली नहीं रहेगी।

आईआईटी में शतरंज टूर्नामेंट 7 फरवरी को

कानपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के शतरंज क्लब में एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के सहयोग से 7 फरवरी को पहला फिडे-रेटेड ओपन रैपिड शतरंज टूर्नामेंट होगा। अंतरराष्ट्रीय रेटिंग वाले शतरंज टूर्नामेंट में देशभर के खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। यह टूर्नामेंट योगा हॉल न्यू स्टूडेंट्स एक्टिविटी सेंटर में होगा। प्रतियोगिता 9 राउंड स्विस सिस्टम प्रारूप में खेली जाएगी। जिसमें समय नियंत्रण 10 मिनट प्रति चाल 5 सेकंड की वृद्धि होगा, जो फिडे के नियमों के अनुरूप है। इस टूर्नामेंट में कुल 2 लाख रुपये की पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है, जो विभिन्न श्रेणियों के प्रतिभागियों को आकर्षक प्रोत्साहन प्रदान करती है। विजेता को 40 हजार रुपये, द्वितीय स्थान को 25 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान को 15 हजार की पुरस्कार राशि दी जाएगी।

यूजीसी के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन

आज सरसैया घाट से जिलाधिकारी कार्यालय तक मार्च निकालकर देंगे ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। यूजीसी के नए नियम पर गुरुवार को शहर में कई जगह विरोध प्रदर्शन हुए। छात्रों ने हवन कर नियम को लागू करने वालों की सद्बुद्धि की कामना की। इसी तरह एक अन्य संस्था ने बैठक कर इस नियम का विरोध तब तक जारी रखे जाने का ऐलान किया जब तक नियम पर रोक का आदेश डिग्री कॉलेज तक न पहुंच जाए।

सुप्रीम कोर्ट के यूजीसी के गाइड लाइन रोकने के बाद एचबीटीयू मुख्य द्वार पर छात्रों ने यूजीसी की बुद्धि को शुद्ध करने के लिए बुद्धि शुद्धि यज्ञ किया। इस दौरान छात्र नेता अभिजीत राय ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का ये आदेश यूजीसी के मुंह पर तमाचा है। वहीं छात्रनेता अनस व आर्यन ने कहा कि यूजीसी को अब अपनी गलती मान लेनी चाहिए और कोर्ट में माफीनामा लगाना चाहिए। छात्र जितेंद्र मिश्रा कृषि विश्वविद्यालय ने बोला कि हम छात्र एक हैं जाति में बांटने की कोशिश कामयाब नहीं होने देंगे आगे भी ऐसा कोई कानून आया तो पुरजोर विरोध होगा। इस दौरान रुद्राक्ष सिंह रेहटी , अखिल भूमिहार , अंशुमान त्रिपाठी, पूर्व पार्षद प्रत्याशी आशीष द्विवेदी,रिद्धि शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे। इसी तरह अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा, कानपुर की ओर से गाँधी नगर में केन्द्रीय अध्यक्ष शिव सहाय मिश्र की अध्यक्षता में बैठक हुई।

बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री महेश कुमार मिश्र ने कहा कि यूजीसी के इस काले कानून के लिए सवर्ण समाज को संगठित करके इस लड़ाई को लड़ा जाऐगा क्योंकि यह बहुत गम्भीर एक्ट है। जो भविष्य में आपसी मतभेद, भेदभाव तथा असमानता उत्पन्न करने वाला है। बताया गया कि क्षत्रिय समाज, वैश्य समाज तथा कायस्थ समाज के पदाधिकारियों से वार्ता की गई। निर्णय लिया कि 30 जनवरी को सरसैया घाट से जिलाधिकारी कार्यालय तक मार्च निकालकर ज्ञापन दिया जाएगा। यह भी एलान किया गया कि जब तक यूजीसी के संशोधित नियम डिग्री कॉलेज तक नहीं पहुंचेंगे तब तक संघर्ष जारी रहेगा। बैठक में केके पाण्डेय, आशीष मिश्रा, जयवर्धन मिश्र, ओम मिश्रा, जितेन्द्र मिश्रा, शारदा प्रसाद शुक्ल, अभय शंकर दुबे, मृत्युंजय द्विवेदी, शिशिर मिश्रा मौजूद रहे।

एचबीटीयू के मुख्य द्वार पर छात्रों ने यूजीसी की बुद्धि शुद्धि के लिए किया हवन। अमृत विचार

नए नियम से बढ़ेगा जातिवाद, विरोध में मुड़वाए सिर के बाल

कानपुर। नारामऊ कछार में यूजीसी के नए नियमों को तानाशाही और जातिवाद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लागू किए जाने के विरोध में सवर्ण समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ता अतुल त्रिवेदी, किसान भरत व सुशील शुक्ला ने सार्वजनिक रूप से अपना सिर मुंडवा लिया। सिर मुंडवाने के बाद प्रदर्शनकारियों ने न केवल सरकार के खिलाफ आवाज उठाई, बल्कि सवर्ण समाज के उन रसूखदार लोगों पर भी निशाना साधा, जो इस कानून पर चुप्पी साधे हैं। किसान भरत शुक्ला ने कहा कि यह कानून समाज को बांटने और जातिवाद की खाई को गहरा करने वाला है। ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर जिम्मेदार लोगों का मौन रहना बेहद चिंताजनक और दुखद है। अधिवक्ता अतुल त्रिवेदी ने चेतावनी देते हुए कहा कि आज हमने यूजीसी कानून के विरोध में सांकेतिक रूप से नौबर किया है। अगर इस तानाशाही कानून में सुधार नहीं किया गया तो हम इसकी तेहरवीं करने से भी पीछे नहीं हटेंगे। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा, जब तक कानून की वापसी या उसमे संशोधन नहीं होगा।

युवा संसद संवाद पहुंचे वेलिंगबरो के मेयर राजकुमार मिश्रा। अमृत विचार

जागरूक, विचारशील युवा ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- राज्य स्तरीय युवा संसद संवाद में सामयिक विषयों पर रखे विचार

अमृत विचार। वीएसएसडी कॉलेज के रक्षा एवं सामरिक अध्ययन विभाग ने विभागाध्यक्ष डॉ.राम तिवारी के नेतृत्व में राज्य स्तरीय युवा संसद सम्वादपीठ के द्वितीय दिवस का आयोजन किया, जिसमे युवा संसद सत्र व शून्यकाल में प्रतिभागियों ने संसद सदस्यों की भूमिका निभाते हुए समसामयिक राष्ट्रीय विषयों पर तार्किक व तथ्यपरक विचार प्रस्तुत किए।

विजयी प्रतिभागियों का चयन जूरी मंडल ने किया। सर्वश्रेष्ठ वाद-विवाद का पुरस्कार गिरिराज सिंह (विदुषी शुक्ला) को, सर्वश्रेष्ठ सांसद का सम्मान ममता बनर्जी (शिवानी शर्मा) को, मौखिक प्रशंसा का पुरस्कार नितिन गडकरी (आयुष तिवारी) को और सर्वश्रेष्ठ पत्रकार का सम्मान हर्षित सिंह को प्रदान किया गया। इंग्लैंड के वेलिंगबरो के मेयर राजकुमार मिश्रा ने युवा संसद की सराहना की। नागरिकता संशोधन अधिनियम व राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर के संदर्भ में अपने विचार रखते हुए इनके समर्थन में अपनी बात रखी। कहा कि जागरूक व विचारशील युवा ही किसी भी लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव राकेश मिश्रा, महाविद्यालय के संयुक्त सचिव प्रो. केके गुप्ता, प्राचार्या प्रो. नीरू टंडन, प्रो. बीडी पांडेय, अधिवक्ता मोहित पांडेय, डॉ.अलका दीक्षित, डॉ. प्रदीप दीक्षित, डॉ.राम तिवारी आदि रहे।

पुरस्कार ग्रहण करतीं एनएसएस की छात्राएं। अमृत विचार

झांकी में मिला पीपीएन कॉलेज को प्रथम स्थान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- विश्वविद्यालय में ऑपरेशन सिंदूर झांकी प्रतियोगिता का आयोजन

अमृत विचार। पंडित पृथी नाथ महाविद्यालय ने हाल ही में आयोजित दो प्रमुख प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन किया है। 26 जनवरी को महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई ने छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में आयोजित ऑपरेशन सिंदूर झांकी प्रतियोगिता में सहभागिता की। विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न महाविद्यालयों की कुल 21 झांकियों के मध्य एन.एस.एस. इकाई द्वारा प्रस्तुत ऑपरेशन सिंदूर विषयक झांकी ने अपने संदेश, प्रस्तुति और भावनात्मक प्रभाव के माध्यम से दर्शकों एवं निर्णायकों का ध्यान आकर्षित किया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय की झांकी को चतुर्थ स्थान प्राप्त हुआ। इसी तरह 28 जनवरी को पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय में 'सड़क सुरक्षा – जीवन रक्षा' अभियान के तहत उच्च शिक्षण संस्थानों में सड़क सुरक्षा जागरूकता विषय पर जनपद स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में पंडित पृथी नाथ महाविद्यालय के रोड सेफ्टी क्लब द्वारा निर्मित रील ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया।

बच्चों को ट्रैफिक रूल के प्रति किया जागरुक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- स्काउट भवन के सभागार में आयोजित हुई संगोष्ठी
- आरटीओ ने बच्चों से यातायात नियम अपनाने पर दिया जोर

अमृत विचार। आज है तो कल है। के सूत्र वाक्य के साथ गुरुवार को यह संदेश दिया गया कि सभी को यातायात नियमों का पालन करते हुए अपने बहुमूल्य जीवन की सुरक्षा करनी चाहिए।

स्काउट भवन के सभागार में आयोजित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) राकेंद्र कुमार सिंह शामिल हुए। इस दौरान आरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव ने स्काउट गाइड बच्चों को सलाह दी कि वे अपने घरों में और साथियों को सुरक्षित चलने को लेकर दो पहिया वाहनों में दोनों सवारी को हेलमेट पहनने,सीट बेल्ट लगाने और यातायात नियमों का पालन करने के लिए बताएं। संचालन जिला सचिव सर्वेश तिवारी ने किया । उन्होंने बताया कि एसएन सेन गर्ल्स इण्टर कालेज, हर सहाय जगदंबा सहाय इंटर कालेज, आरके मिशन हायर सेकेंडरी स्कूल, बीएनएसडी शिक्षा निकेतन सहित अन्य स्कूल के बच्चे शामिल हुए। इस दौरान ,मयंक शर्मा, जिला आयुक्त गाइड डॉ स्मित तिवारी, पीटीओ दीपक सिंह सहित अन्य शामिल रहे।

ब्रह्मोत्सव पर निकली शोभायात्रा

कानपुर। भगवान श्रीवारी श्री वेंकटेश (तिरुपति बालाजी) के वार्षिक ब्रह्मोत्सव के तीसर दिन शोभा यात्रा निकाली। भगवान वेंकटेश की बारात मंदिर परिसर से उठकर नयागंज नागेश्वर मंदिर होते हुए तेलियाना चौराहा से बर्तन बाज़ार, हूलागंज, तीन मंदिर चौराहा से सीताराम मोहाल होते हुए वापस मंदिर पहुंची। रास्ते में कई जगह यात्रा का स्वागत हुआ। बालाजी का विवाह (कल्याणोत्सव) मंदिर के महंत रिशू दुबे व आंध्रप्रदेश से पधारे आचार्य धीरज वेदी व अर्पित आचार्युलू द्वारा संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में दक्षिण रीति से भगवान वेंकटेश का माता भूदेवी व माता श्रीदेवी के साथ विवाह कराया गया व यजमानो को अंगवस्त्र व लड्डू महाप्रसादम प्राप्त हुआ। भक्तों को भगवान का खजाना वितरित किया गया। इसके बाद रात में महारती, प्रसाद वितरण व गोष्ठी के साथ कार्यक्रम विराम हुआ। कार्यक्रम में राकेश तिवारी, राजीव तिवारी, बबलू तिवारी व रिशू दुबे सहित अन्य मौजूद रहे। • अमृत विचार

गुरुवार को यूजीसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते लोग। अमृत विचार

हस्ताक्षर अभियान चला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। एचबीटीयू गेट पर सरकार और यूजीसी बिल का विरोध किया गया। इस दौरान छात्रों ने हस्ताक्षार अभियान भी चलाया। इस दौरान छात्र नेता आशीष द्विवेदी ने कहा कि अगर आगे भी कोई संघर्ष की जरूरत पड़ेगी तो हम सब विरोध जारी रखेंगे। इस दौरान धीरू त्रिपाठी, छोटू त्रिपाठी, प्रमोद पाण्डेय, वागीश अवस्थी, जितेन्द्र बाजपेई, महेंद्र तोमर, आशीष द्विवेदी, राम सरन भदौरिया अजय श्रीवास्तव सहित अन्य मौजूद रहे।

मरीज को पैड वितरण करतीं एनजीओ की सदस्य व डॉक्टर्स। अमृत विचार

रिद्धि सिद्धि विश्वास क्लब ने वितरण किए सेनेटरी पैड

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। महिला स्वास्थ्य एवं अंतरंग स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रिद्धि सिद्धि विश्वास क्लब ने गुरुवार को जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में विभागाध्यक्ष डॉ.रेनू गुप्ता, डॉ. सीमा द्विवेदी व मीडिया प्रभारी डॉ.शैली अग्रवाल से मुलाकात की।

जच्चा-बच्चा अस्पताल में इलाज के लिए आने वाली मरीजों को निशुल्क सेनेटरी पैड वितरण किया। विभागाध्यक्ष डॉ. रेनू गुप्ता ने एनजीओ के इस प्रकार के छोटे, लेकिन सार्थक कदम महिला स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एनजीओ की सक्रिय सदस्य सीमा बाकरे, रेखा श्रीवास्तव व निशा श्रीवास्तव ने महिला मरीजों तक इस आवश्यक सुविधा को संवेदनशीलता व समर्पण के साथ पहुंचाया।

जरूरी काम

जनपद में अब तक 35 हजार मामलों का जिला प्रशासन कर चुका निस्तारण

कल बूथ पर पहुंचकर मतदाता सूची में दुरुस्त कराएं नाम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- 31 जनवरी को जनपद के 3770 बूथों पर होगा बूथ डे
- अपना और अपने परिवार के लोगों का नाम जरूर देखें

अमृत विचार। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य जिले की सभी 10 विधानसभा क्षेत्रों में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किए जारी है, जिसमे चिन्हित 35 हजार मामलों का निस्तारण किया गया है, जो मतदाता पहली सुनवाई में उपस्थित नहीं हो पाए हैं, उनके लिए एक अतिरिक्त अवसर दिया जा रहा है। यदि कोई व्यक्ति स्वयं उपस्थित होने में असमर्थ है तो वह परिवार के किसी सदस्य को प्रतिनिधि के रूप में 31 जनवरी को अपने बूथ पर भेज सकता है। प्रशासन का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र मतदाता किसी भी कारण से मतदाता सूची से बाहर न रह जाए।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि एसआईआर के दौरान लगभग 2 लाख 7 हजार मतदाता नो-मैपिंग की श्रेणी में चिन्हित किए गए थे, इनमें से एक लाख 70 हजार तीन सौ 25 मतदाताओं को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। अब तक करीब 35 हजार मामलों की सुनवाई 175 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों और 10 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा की जा चुकी है।

पोर्टल में भी देख सकते हैं अपना व रिश्तेदार का नाम

भारत निर्वाचन आयोग ने एसआईआर के अंतर्गत सुनवाई के लिए आवश्यक दस्तावेजों को लेकर भी स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आयोग के अनुसार आवेदक https://voters.eci.gov.in/ पोर्टल पर विगत विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण निर्वाचक नामावली में अपना और संबंधित रिश्तेदारों का नाम देखा जा सकता है। नोटिस मिलने पर आवेदकों को जन्म तिथि के आधार पर निर्धारित अभिलेख प्रस्तुत करने होंगे। बता दें कि एक जुलाई 1987 से पहले भारत में जन्मे आवेदकों को स्वयं से संबंधित अभिलेख देने होंगे। एक जुलाई 1987 से दो दिसंबर 2004 के बीच जन्मे आवेदकों को स्वयं के साथ पिता या माता में से किसी एक के अभिलेख प्रस्तुत करने होंगे। दो दिसंबर 2004 के बाद जन्मे आवेदकों को स्वयं के साथ पिता और माता दोनों के अभिलेख देने होंगे। यदि माता या पिता में से कोई भारतीय नागरिक नहीं है, तो जन्म के समय के उनके वैध पासपोर्ट और वीजा की प्रति भी अनिवार्य होगी। विदेश में जन्म के मामलों में भारतीय मिशन द्वारा जारी जन्म पंजीकरण प्रमाण पत्र तथा नागरिकता पंजीकरण के मामलों में संबंधित प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

सुनवाई के दौरान संबंधित मतदाता भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित 13 वैध अभिलेखों में से आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर रहे हैं और अपने बयान दर्ज करा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में लगभग 26 लाख मौजूदा मतदाताओं की सूची को सम्मिलित करते हुए 6 मार्च 2026 को अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इस प्रक्रिया के दौरान जिले में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से भी निरंतर संवाद और सहयोग प्राप्त हो रहा है। जिलाधिकारी की अपील है कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार छह जनवरी 2026 को प्रकाशित प्रारूप मतदाता सूची में सभी मतदाता अपना नाम अवश्य जांच लें। यदि नाम सूची में है लेकिन उसमें कोई त्रुटि है, तो उसके सुधार के लिए संबंधित फॉर्म भरा जा सकता है, जिन पात्र नागरिकों का नाम सूची में शामिल नहीं है, वे फॉर्म-6 भरकर नाम दर्ज करा सकते हैं, जिससे 6 मार्च 2026 को प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची में उनका नाम शामिल हो सके। बताया कि 31 जनवरी को जिले के सभी 3770 बूथों पर दोबारा बूथ-डे का आयोजन किया जाएगा।

फॉर्म भराने घर-घर पहुंचेंगे भाजपाई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर अभियान के दूसरे चरण में मतदाता बनने से वंचित रह गए लोगों के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए भाजपा ने गुरुवार को विशेष संपर्क अभियान चलाया, जो शुक्रवार तक संचालित रहेगा।

भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने छावनी व विधायक महेश त्रिवेदी ने किदवई नगर विधानसभा में घर-घर पहुंचकर मतदाता बनने से वंचित रह गए लोगों के फार्म छह भरवा कर बीएलओ के पास जमा कराए। विधान परिषद सदस्य अरुण पाठक, रघुनंदन भदौरिया, राज्य महिला आयोग सदस्य पूनम द्विवेदी व अनीता गुप्ता के अलावा प्रदेश, क्षेत्रीय व जिला पदाधिकारियों ने अपने प्रभार वाले बूथों पर घर- घर संपर्क कर मतदाता बनने से वंचित रह गए लोगों के फार्म छह भरवाकर बीएलओ के पास जमा कराए।

फॉर्म भराते भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह। अमृत विचार

सभी 1145 बूथों पर पार्टी कार्यकर्ता घर-घर पहुंचे। पार्टी ने तय किया है कि शनिवार और रविवार को सभी 1145 बूथों पर बीएलए मौजूद रहेंगे। एसआईआर अभियान की निगरानी करने के लिए सांसद, विधायक, विधान परिषद सदस्य, आयोग के सदस्य के अलावा प्रदेश, क्षेत्रीय, जिला पदाधिकारियों व वरिष्ठ नेताओं को दो-दो बूथों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भाजपा दक्षिण जिला मीडिया प्रभारी मनीष त्रिपाठी ने बताया कि प्रतिदिन की रिपोर्टिंग प्रदेश मुख्यालय भेजी जाएगी। इस दौरान जसविंदर सिंह, गणेश शुक्ला, संजीव बेरी, राजन चौहान, अर्जुन बेरिया,आलोक वर्मा, बीएल पांडेय व केपी सिंह चौहान समेत आदि मौजूद रहे।

डॉ. महक सिंह सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग के प्रोफेसर एवं वैज्ञानिक डॉ महक सिंह को उत्तर प्रदेश दिवस के मौके पर13 राई एवं दो अलसी की प्रजातियों को विकसित करने में योगदान के लिए राष्ट्र प्रेरणा स्थल लखनऊ में सम्मानित किया गया। निदेशक शोध डॉ आरके यादव ने कहा कि डॉ सिंह के प्रयास से सरसों आधारित प्रणालियों में उत्पादकता बढ़ी तथा जलवायु सहनशीलता को बढ़ावा मिला, जिससे कृषि विकास को नई दिशा मिली है। विश्वविद्यालय के कुलपति के. विजयेंद्र पांडियन ने खुशी जाहिर करते हुए डॉ सिंह को उनके उत्कृष्ट सम्मान के लिए बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

सम्मान पत्र के साथ डॉ.महक सिंह।

न्यूज ब्रीफ

परिवार रजिस्टर की नकल तुरंत उपलब्ध कराई जाए: एडीएम

उन्नाव, अमृत विचार : एडीएम वित्त एवं राजस्व/उपजिला निर्वाचन अधिकारी सुशील कुमार गोंड ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण–2026 के तहत जारी नोटिसों की सुनवाई हेतु नागरिकों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले अभिलेखों में परिवार रजिस्टर की नकल जरूरी है। जो आवेदक परिवार रजिस्टर की नकल हेतु आवेदन करे उसे नकल तत्काल जारी की जाए। ताकि वे तय समय पर सुनवाई में उपस्थित होकर जरूरी अभिलेख प्रस्तुत कर सकें। उन्होंने संबंधित खंड विकास अधिकारी, पंचायत सचिव व ग्राम विकास अधिकारियों से कहा कि कार्य में प्राथमिकता व तत्परता सुनिश्चित करें।

बेसिक बाल कीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन आज से

उन्नाव, अमृत विचार : जनपदीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता व सांस्कृतिक समारोह राजकीय इंटर कॉलेज उन्नाव प्रांगण में 30 व 31 जनवरी को आयोजित होगा। जानकारी देते हुए खंड शिक्षाधिकारी मुख्यालय संजय यादव ने कहा कि प्रतियोगिता का शुभारंभ जिलाधिकारी गौरांग राठी 30 जनवरी को दोपहर 12 बजे करेंगे। जबकि समापन 31 जनवरी को अपरान्ह दो बजे सांसद साक्षी महाराज करेंगे। बीएसए शैलेश पाण्डेय ने जिले के विकास खंडो की टीमों से समय से पहले आने का आग्रह किया है।

अलग-अलग क्षेत्रों में फंदे से लटके मिले तीन युवकों के शव

सदर क्षेत्र के मामले में परिजनों ने प्रेमिका के परिवारवालों पर लगाए प्रताड़ना के आरोप, पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर शुरू की मामले की जांच

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला अकरमपुर, मौरावां थाना व कस्बा के मोहल्ला शिवपुरा व बांगरमऊ कोतवाली अंतर्गत नगर क्षेत्र के स्टेशन रोड पर तीन युवकों के शव फंदे से लटके मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची संबंधित थानों की पुलिस ने जांच के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिये भेजा।

पोस्टमार्टम हाउस में बिलखते परिजन व इनसेट में ललित कश्यप की फाइल फोटो।

सदर क्षेत्र के मामले में युवक के पिता का आरोप था कि बेटा एक युवती से बात करता था। उसके परिजनों ने जेल भिजवाने की धमकी देकर रुपए मांगे थे। इसी डर से उसने आत्महत्या की है। पिता की तहरीर पर पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने की रिपोर्ट दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम कराया। इसमें पहले जहरीला पदार्थ निगलने की संभावना दिखने पर बिसरा सुरक्षित किया गया।

प्रेमिका के परिजनों के धमकाने से आहत युवक ने फांसी लगाकर दी जान

उन्नाव : अकरमपुर मोहल्ला निवासी ललित कश्यप (23) पुत्र विनोद कुमार घर के पास एक फैक्ट्री में काम करता था। पिता ने बताया कि घर से करीब एक किमी आगे रहने वाली युवती से बेटे की वर्ष 2023 से अक्सर बात होती थी। बताते हैं कि बीते दिन युवती कहीं चली गई। इसी शक में उसके परिजन ललित के घर पहुंचे और अभद्रता कर ललित को अपने साथ ले गए। बाद में युवती लौट आई तो उसके परिजनों ने बेटे को चौकी में बैठा दिया। पिता का आरोप है कि युवती के परिजन उसे नाबालिग बता कर 12 लाख रुपये मांग रहे थे। जिसे ने देने पर जेल भिजवाने की धमकी दी थी। बुधवार रात चौकी से लौटने के बाद ललित ने खाना नहीं खाया। वह काफी डरा हुआ था। इसके बाद भोरपहर 4 बजे उसका शव कमरे में फंदे से लटका देख परिजनों के होश उड़ गए। जीवित होने की आशंका पर उसे जिला अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इकलौते बेटे की मौत से मां शिवपति व बहनें जूही व ज्योति बेहाल रहीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। जिसमें उसके जहर निगलने की भी बात सामने आई। लेकिन उसकी मौत हैंगिंग से होने की पुष्टि हुई।

जयपुर से लौट कर आए युवक ने लगाई फांसी

उन्नाव : मौरावां थाना व कस्बा के मोहल्ला शिवपुरा निवासी विशाल (25) पुत्र स्व. राजा सिंह जयपुर में मजदूरी करता था। 15 दिन पहले वह घर लौटा था। बुधवार रात उसे अपने कमरे में फंदे से लटका देख मां के होश उड़ गए। शोर सुन परिजन व पड़ोसी पहुंचे और उसे फंदे से उतारकर 100 बेड अस्पताल लाए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। बेटे की मौत से मां जनक दुलारी, बड़ा भाई सदन व बहन साधना बेहाल हो गई। अस्पताल के मेमो पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द किया। एसओ ने बताया कि परिजनों का कोई आरोप नहीं है।

जाल में फंदे से लटका मिला युवक का शव

बांगरमऊ : बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र के नौशहरा अरगुपुर गांव के मूल निवासी सुरेश त्रिवेदी बांगरमऊ कोतवाली अंतर्गत नगर के स्टेशन रोड पर मकान बनवा कर परिवार के साथ रहते हैं। गुरुवार को उनका 22 वर्षीय बेटा अभिषेक घर पर अकेला था। तभी उसने आंगन में पड़े जाल में फंदे से लटककर खुदकुशी कर की। जानकारी पर परिजनों में कोहराम मच गया। उसकी मौत से मां पूनम, भाई विवेक, बहन प्रियंका बेहाल हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

हत्या के तीन दोषियों को उम्रकैद

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: घर में सोते समय मासूम भाई-बहन की गला रेतकर हत्या करने के 3 आरोपियों को कोर्ट ने सुनवाई के बाद दोषी ठहराते हुए उन्हें आजीवन करावास के आदेश दिए। इसके साथ उन पर 36-36 हजार का जुर्माना भी लगाया है।

- भाई-बहन की गला रेतकर हत्या करने का मामला
- न्यायालय ने दोषियों पर 36-36 हजार रुपये का लगाया जुर्माना

बता दें कि गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के ऋषि नगर मोहल्ला निवासी मोनू मिश्रा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि 1 अप्रैल-2019 को वह बेटी बिट्टू (13) व बेटे राघव (9) को मकान की ऊपरी मंजिल में बने कमरे में छोड़कर अस्पताल गई थी। पति पवन भी ड्यूटी गए थे। घर में दोनों बच्चे अकेले थे। दोपहर 3 बजे लौटने पर घर का मुख्य दरवाजा बाहर से बंद था। जबकि जाते समय वह बच्चों से दरवाजा अंदर से बंद कराकर गई थी। अंदर पहुंचने पर बच्चों के शव रक्तरंजित हालत में बेड पर पड़े मिले थे। मोनू ने तहरीर में किसी परिचित पर घर का दरवाजा खुलवाकर लूट के बाद बच्चों की हत्या करने का अंदेशा जताया गया था। पुलिस ने घटना की तफ्शीश की तो पता चला कि बच्चों के मौसेरे भाई गोलू उर्फ शुभांकित शुक्ला ने साथी राहुल यादव व शनि कुमार के साथ मिलकर दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया था। पुलिस ने 2 व 7 अप्रैल को तीनों को पकड़कर जेल भेजा था। तत्कालीन कोतवाल हर प्रसाद अहिरवार ने जांच के बाद आरोपियों के विरुद्ध साक्ष्य एकत्र कर 4 जून-2019 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। गुरुवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई एडीजे-1 की कोर्ट में हुई। इसमें शासकीय अधिवक्ता अजय कुमार की दलील व साक्ष्य के आधार पर न्यायाधीश कविता मिश्रा ने शुभांकित, राहुल व शनि को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास के आदेश दिए।

87 विद्यालयों में गुरुवार को हुईं यूपी बोर्ड की प्रयोगात्मक परीक्षाएं

उन्नाव, अमृत विचार : माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज की इंटर की प्रयोगात्मक परीक्षाएं गुरुवार को जिले के 87 इंटर कॉलेजों में हुईं। जबकि 48 विद्यालय ऐसे थे जिनकी संपूर्ण विषय भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गृह विज्ञान, भूगोल आदि विषयों की प्रयोगात्मक परीक्षाएं संपन्न हो गईं। जिले के 208 विद्यालयों के छात्र–छात्राओं की भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गृह विज्ञान, भूगोल, व्यावसायिक ट्रेड, सिलाई आदि विषयों की प्रयोगात्मक परीक्षाएं होनी हैं। कंट्रोल प्रभारी रामचंद्र सिंह ने बताया कि गुरुवार को 87 केंद्र में प्रयोगात्मक परीक्षा हुईं। इससे 48 ऐसे विद्यालय हैं जहां संपूर्ण विषय की परीक्षाएं संपन्न हो गई हैं। जबकि अन्य केंद्रों में कुछ विषयों की परीक्षाएं संपन्न हुई है।

वैज्ञानिक खोजों की आधारशिला है एआई

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: देश की पहली एआई ऑगमेंटेड मल्टीडिसिप्लिनरी प्राइवेट यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी उप्र में यंग रिसर्चर्स सिम्पोज़ियम ऑन डेटा साइंस फॉर साइंस का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम भारत सरकार के इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का आधिकारिक प्री-समिट इवेंट रहा।

सिम्पोज़ियम का उद्देश्य युवा शोधकर्ताओं को डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च के नए आयामों से जोड़ना रहा। जीनोमिक्स, क्लाइमेट मॉडलिंग, फॉरेंसिक इंटेलिजेंस और मटीरियल साइंस जैसे क्षेत्रों में डेटा-आधारित खोजों पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में अशोका यूनिवर्सिटी के डॉ. प्रत्युष प्रणव और टीसीएस एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के अभिषेक सक्सेना ने वैज्ञानिक शोध में एआई की भूमिका पर मार्गदर्शन दिया। डेटा साइंस एज द इंजन ऑफ साइंटिफिक डिस्कवरी विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी, आईआईटी, यूके रिसर्च एंड इनोवेशन और उद्योग जगत के विशेषज्ञ शामिल हुए। हाइब्रिड मोड में आयोजित इस कार्यक्रम में देशभर के स्नातक, परास्नातक और शोधार्थी छात्रों ने अपने शोध प्रस्तुत किए। प्रो-वाइस चांसलर डॉ. थिपेंद्र पी. सिंह ने कहा कि एआई और डेटा साइंस भविष्य की वैज्ञानिक खोजों की आधारशिला हैं। ऐसे मंच भारत के एआई रिसर्च इकोसिस्टम को मजबूत करने में भूमिका निभाते हैं।

रिसर्च पर मंथन करते विशेषज्ञ। • अमृत विचार

- सीयू में जीनोमिक्स से क्लाइमेट मॉडलिंग तक डेटा-ड्रिवन रिसर्च पर हुआ मंथन

गैस रिसाव से बचाव को 30 को होगी मॉकड्रिल

उन्नाव, अमृत विचार: औद्योगिक क्षेत्रों में किसी प्रकार की आपातकालीन स्थिति व केमिकल आपदा से निपटने की तैयारियां परखने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। 30 जनवरी को अकरमपुर स्थित इंडो प्रोसोया फूड्स प्रालि में एनडीआरएफ द्वारा एक मॉकड्रिल होगी। कलक्ट्रेट के पन्नालाल सभागार में एडीएम वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड की अध्यक्षता में आयोजित ऑनलाइन बैठक में इस अभ्यास की रूपरेखा तय की गई। गृह मंत्रालय भारत सरकार के निर्देश पर 11वीं बटालियन एनडीआरएफ वाराणसी यह अभ्यास कराएगी। एडीएम ने संबंधित विभागों को एनडीआरएफ के मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम के अनुसार अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। 30 जनवरी को सुबह 11 बजे अकरमपुर स्थित कंपनी परिसर में अभ्यास शुरू होगा। कारखाने के अंदर व बाहरी रिहायशी इलाकों में केमिकल या गैस रिसाव की स्थिति में जनमानस को सुरक्षित बचाना व राहत कार्यों का सफल संचालन होगा। इस मॉकड्रिल से स्थानीय लोगों व कर्मचारियों को यह सिखाया जाएगा कि रिसाव की स्थिति में पैनिक न होकर क्या कदम उठाने चाहिए।

- एनडीआरएफ संभालेगी प्रशिक्षण की कमान

मार्ट के सुपरवाइजर से डिलेवरी बॉय ने की मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में एक मार्ट के सुपरवाइजर से मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी डिलेवरी बॉय पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। नगर के सीताराम कॉलोनी निवासी आदित्य वर्धन ने कोतवाली पुलिस को बताया कि वह नगर स्थित एक मार्ट में सुपरवाइजर है। वहीं शक्ति नगर निवासी सत्यम गौड़ डिलेवरी बॉय था। आरोप है कि अनुशासनहीनता के चलते उसे नौकरी से हटाया गया था। इसी रंजिश को लेकर गुरुवार दोपहर वह मार्ट के बाहर उससे गालीगलौज करने लगा। जब उसने विरोध किया तो आरोपी ने लाठी–डंडों से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिससे उसे चोटें आई।

कालिया के फन पर नाचे कन्हैया

शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार: पोनी रोड स्थित श्रीनगर रामलीला मैदान में आयोजित 17वें श्री शतचंडी महायज्ञ व श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन श्रद्धालु भक्तिरस में डूब गए। कथा व्यास श्रीहित आकाश जी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन किया।

शतचंडी महायज्ञ के दौरान पूजा करते यज्ञ यजमान। • अमृत विचार

- श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन भक्तिरस में डूबे श्रद्धालु

कथा के दौरान पूतना वध, बकासुर, अघासुर और कालिया मर्दन की लीलाओं का वर्णन किया गया। महाराज ने बताया कि कपट वेश में आई राक्षसी पूतना का वध कर भगवान ने उसे भी मातृत्व का सम्मान दिया। इसके बाद बकासुर व अघासुर के उद्धार की कथा सुनाई। कालिया मर्दन प्रसंग में बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने यमुना को विषैले प्रभाव से मुक्त कराने के लिए कालिया नाग के फन पर नृत्य किया और अंततः उसे क्षमादान देकर विदा किया। कथा के साथ प्रस्तुत झांकियों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इस दौरान यज्ञ यजमान राजेश बाजपेई, सुरेश दीक्षित, राजकुमार अग्रवाल, निर्भय मिश्रा, उमेश त्रिपाठी, सुरेश शुक्ला, हरीशंकर शुक्ला, अनूप शुक्ला, उमेश तिवारी, अशोक दुबे, भरत भुवनेश तिवारी एवं अनिल अवस्थी सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।

कोर्ट के आदेश पर दुष्कर्म व गर्भपात की रिपोर्ट दर्ज

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र की एक युवती की शिकायत पर कोर्ट के आदेश से रायबरेली निवासी युवक पर दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग व जबरन गर्भपात कराने की रिपोर्ट हुई है। क्षेत्र के एक गांव निवासी 21 वर्षीय युवती ने आरोप लगाया कि थाना लालगंज कस्बा बेहटा चौराहा रायबरेली निवासी फरीद ने उसे शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। युवती के अनुसार फरवरी 2022 में संपर्क के बाद आरोपी उसे घुमाने के बहाने कानपुर के एक होटल ले गया। जहां नशीला पदार्थ देकर अश्लील वीडियो बना लिया। आरोप है कि वीडियो वायरल करने की धमकी देकर वह लगातार दुष्कर्म करता रहा। पीड़िता का कहना है कि वह गर्भवती हो गई थी लेकिन आरोपी ने शादी से इनकार कर दबाव बनाकर गर्भपात करा दिया। युवती ने बताया कि 26 जुलाई 2025 को एसपी से भी शिकायत की। लेकिन, कार्रवाई न होने पर उसने कोर्ट की शरण ली।

हनुमंत धाम में सवामनी हवनोत्सव के साथ होगा विशाल भंडारा

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : पोनी रोड श्रीनगर स्थित उच्च प्राथमिक जूनियर स्कूल रामलीला मैदान के पास बने हनुमंत धाम श्री संकट मोचन बालाजी मंदिर में सवामनी हवनोत्सव एवं विशाल भंडारे का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ जारी है। कार्यक्रम की शुरुआत 25 जनवरी को कलश यात्रा के साथ हुई थी। गुरुवार को मंदिर परिसर में बाबा बालाजी का भव्य श्रृंगार किया गया, जिसके बाद भजन–कीर्तन का आयोजन हुआ। भक्तों ने पूरे उत्साह के साथ बाबा के जयकारे लगाए। सेवक विनोद महाराज ने बताया कि 30 जनवरी को विधिवत रुद्राभिषेक कराया जाएगा। इसके पश्चात एक फरवरी को सुबह आठ बजे श्री बालाजी एवं प्रभु श्रीराम का भव्य श्रृंगार एवं छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा। सुबह 11 बजे से हवन एवं सुंदरकांड का आयोजन होगा, जबकि शाम को विशाल भंडारे में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा। आयोजन में पुरुषोत्तम अवस्थी, राजकुमार अवस्थी, राजकुमार निषाद, शिवम सिंह, अनुराग बाजपेई, पप्पू सोनकर, संजय पांडेय, मोनू पांडेय सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे।

जर्जर पोल बदलने व गार्डिंग कार्य से 6 घंटे बंद रही दो फीडरों की बिजली आपूर्ति

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत विद्युत विभाग ने गुरुवार को राजमार्ग पर जर्जर विद्युत पोल बदलने व गार्डिंग का कार्य कराया। इस दौरान 33/11 विद्युत उपकेंद्र शुक्लागंज से पोषित 11 केवी फीडर नंबर 3 व 4 की आपूर्ति करीब साढ़े 6 घंटे बंद रही। सुबह 11 बजे से शुरू हुई कटौती शाम तक जारी रही। जिससे हजारों उपभोक्ताओं को परेशानी हुई। फीडर बंद होने से आनंद नगर, गोपीनाथ पुरम, ऋषि नगर, मदनी नगर, सुभाष नगर, नेहरू नगर, साकेतपुरी, विष्णुपुरी, शारदा नगर, रश्मिलोक सहित पोनी रोड के बिंदा नगर, ब्रह्म नगर, अवस्थी फार्म, डाकतार कॉलोनी व श्रीनगर समेत 20 मोहल्लों की आपूर्ति प्रभावित रही। दोपहर तक इनवर्टर जवाब दे गए जिससे घरों में अंधेरा छा गया। साथ ही पानी की आपूर्ति बाधित होने से लोगों को अधिक परेशानी उठानी पड़ी। राजधानी मार्ग पर एचटी लाइन के पोल बदलने का कार्य शाम तक चलता रहा। उपखंड अधिकारी राजेंद्र प्रसाद ने मौके पर पहुंचकर कार्य का निरीक्षण किया। कार्य पूर्ण होने के बाद देर शाम आपूर्ति बहाल की गई।

कोल्ट्स ने अगस्त क्लब को 64 रन से धोया

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित अंडर-16 डॉ. सुखदेव प्रसाद गुप्ता जनपदीय क्रिकेट लीग के चौथे मैच में कोल्ट्स क्लब का दबदबा रहा। शानदार बल्लेबाजी व धारदार गेंदबाजी के दम पर कोल्ट्स क्लब ने अगस्त क्लब को एकतरफा मुकाबले में शिकस्त दी।

क्रिकेट मैच में शॉट लगाता बल्लेबाज। • अमृत विचार

- अंडर-16 डॉ. सुखदेव प्रसाद गुप्ता जनपदीय क्रिकेट लीग

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कोल्ट्स क्लब की टीम ने 30 ओवरों में 6 विकेट पर 193 रन बनाए। टीम की ओर से हर्षित ने सर्वाधिक 49 रन बनाए। जबकि कप्तान अल्तमश ने 44 व साहिल वर्मा ने 22 रन बनाए। 194 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अगस्त क्लब की टीम शुरुआत से ही दबाव में दिखी और पूरी टीम 129 रनों पर ढेर हो गई। मैच के शुभारंभ पर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष डॉ. शैलेंद्र प्रताप सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें खेल भावना के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान ओम मिश्रा व परवेज अहमद जानी आदि रहे। एसोसिएशन के महामंत्री पीके मिश्रा ने बताया कि प्रतियोगिता का पांचवा मैच शुक्रवार को कल्याणी क्रिकेटर्स व शास्त्री क्लब के बीच सुबह 9 बजे से रामकली स्टेडियम शुक्लागंज में होगा।

डीसीएम की टक्कर से घायल युवक ने तोड़ा दम, मुकदमा दर्ज

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र स्थित हाईवे पर 27 जनवरी की रात हुए सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने डीसीएम के नंबर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। कानपुर के परमपुरवा जूही निवासी मो. जियाउल हक ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका भाई शाहिद रजा (25) 27 जनवरी की रात साढ़े 9 बजे बाइक से जाजमऊ से अपनी दुकान जा रहा था। तभी पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार डीसीएम चालक ने लापरवाही से बाइक में टक्कर मार दी। इसमें शाहिद गंभीर घायल हो गया। हैलट अस्पताल में इलाज के दौरान 28 जनवरी की सुबह शाहिद की मौत हो गई। पुलिस ने डीसीएम नंबर के आधार पर अज्ञात चालक पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।

बेसिक शिक्षक पोर्टल पर अंकित नहीं करेंगे संपत्ति का विवरण

उन्नाव, अमृत विचार: उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अनुपम मिश्र व महामंत्री रामजन्म सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने बीएसए व वित्त एवं लेखाधिकारी से मिलकर कहा कि चल-अचल संपत्ति के ब्यौरा संबंधी शासनादेश में कहीं भी परिषदीय शिक्षक का नाम नहीं है। केवल राज्य कर्मचारियों व अधिकारियों के लिए है। जब तक परिषदीय शिक्षकों के लिए अलग से शासनादेश जारी नहीं होता उन पर आदेश नहीं लागू होता है और तब तक चल-अचल संपत्ति का विवरण देने में बेसिक शिक्षक असमर्थ हैं। कहा कि मुख्य सचिव द्वारा 6 जनवरी 2026 को जारी शासनादेश में कहीं भी परिषदीय शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का जिक्र नहीं है। यह शासनादेश राज्य कर्मचारी व अधिकारियों के संबंध में हैं। शिक्षक नेताओं ने कहा कि कोई भी बेसिक शिक्षक चल-अचल संपत्ति का विवरण मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज नहीं करेगा। परिस्थितियों के लिए उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ उप्र आंदोलन हेतु बाध्य होगा। प्रतिनिधि मंडल में अनिल शुक्ल, रामबाबू सिंह, उमेश चंद्र मिश्र, अनूप शुक्ला, विवेक सिंह, अनिल दिवाकर, तौसीफ अली खान, सुरेश कुमार, राज किशोर वाजपेई आदि उपस्थित रहे।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अंकित कुमार गुप्ता पुत्र रामनरेश गुप्ता निवासी मोहल्ला नौंनिहालगंज (सण्डीला रोड) कस्बा व परगना व तहसील बाँगरमऊ जिला उन्नाव ने पालिका कार्यालय मे दिनांक 20–01–2026 को अपने आवेदन पत्र के साथ रजिस्टर्ड बैनामा, आधार कार्ड की छायाप्रति व शपथ पत्र प्रस्तुत कर यह उल्लेख किया है कि प्रार्थी ने मोहल्ला नौंनिहालगंज/कस्बाटोला बाँगरमऊ का एक किता भवन नम्बर 249/8 जिसकी माप पूरब से पश्चिम 55 फिट व उत्तर से दक्षिण 21 फिट कुल माप 1155 वर्गफीट या 107.35 वर्गमीटर उक्त विक्रेता श्रीमती आशा गुप्ता पत्नी स्व0 रामचन्द्र गुप्ता निवासी तिरिया भवानी पुर परगना मल्लावां व तहसील बिलग्राम जिला हरदोई से जरिये रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 13–01–2026 को क्रय कर लिया है। उक्त भवन की चौहदी निम्नलिखित है। पूरब– उन्नाव हरदोई रोड पश्चिम– मकान विपिन कटियार उत्तर– मकान रामप्रकाश गुप्ता दक्षिण– रास्ता चौड़ा 10 फिट प्रार्थी अपने उक्त भवन को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर नगर पालिका कर पंजिका अभिलेखों में कर की अदायगी के लिए 1– श्रीमती रानी गुप्ता पत्नी रामनरेश 1/5 भाग, 2– शिल्पी पत्नी अजीत कुमार 1/5 भाग, 3– सीता गुप्ता पत्नी अंकित कुमार गुप्ता 1/5 भाग, 4– अजीत कुमार पुत्र रामनरेश गुप्ता 1/5 भाग, 5– अंकित कुमार गुप्ता पुत्र रामनरेश गुप्ता 1/5 भाग के नाम दर्ज किये जाने की मांग की है। पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य आवेदन पत्र,रजिस्टर्ड बैनामा, शपथ पत्र,आधार कार्ड की छायाप्रति के आधार पर यदि उक्त नामान्तरण प्रकिया को पूर्ण किये जाने मे किसी को कोई भी आपत्ति है। तो वह विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिन के अन्दर उक्त भवन से सम्बंधित सर्वमान्य रजिस्टर्ड साक्ष्य सहित मेरे समक्ष उपस्थित हो कर वह अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है। बाद मियाद गुजर जाने पर किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा और उपरोक्त नामान्तरण प्रकिया को आवेदनकर्ता के पक्ष मे पूर्ण कर दिया जायेगा तत्पश्चात नगर पालिका परिषद बाँगरमऊ की कोई जिम्मेदारी न होगी।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
बाँगरमऊ, उन्नाव

फूटा गुस्सा

राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी हसनगंज प्रज्ञा पांडे को सौंपा

यूजीसी को लेकर सवर्ण समाज के लोगों ने जोरदार प्रदर्शन कर जताया विरोध

हसनगंज उन्नाव

अमृत विचार: पूर्व निर्धारित कार्यक्रम को लेकर कस्बे में गुरुवार को हजारों सवर्ण समाज के लोग एकत्र हुए और यूजीसी द्वारा लाए गए नए नियम/कानून के विरोध में प्रदर्शन किया। लोगों ने कस्बे में जय भवानी व भारत माता की जय के नारों के साथ राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम हसनगंज प्रज्ञा पांडे को सौंपा।

प्रदर्शन में शामिल लोगों का कहना था कि यूजीसी जो भारत सरकार की एक संवैधानिक संस्था है और देश में विश्वविद्यालयों व उच्च शिक्षा के मानक तय करती है उसके द्वारा बनाए गए इस प्रावधान ने सवर्ण समाज को दोहरे मापदंड में खड़ा कर दिया है। ब्रजेन्द्र सिंह जिलाध्यक्ष, डा. भानू सिंह प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा व सुनील सिंह एडवोकेट आदि ने कहा कि यूजीसी नियम में यदि सवर्ण समाज के किसी व्यक्ति पर कोई आरोप लगता है तो उसके लिए नो अपील, नो वकील, सीधे जुर्माना और सजा जैसे प्रावधान रखे गए हैं। जो अन्यायपूर्ण हैं। प्रदर्शन के अंत में लोगों ने सरकार से इस पूरे मामले पर पुनर्विचार करने की मांग की। प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा लेकिन बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी ने प्रशासन का ध्यान इस मुद्दे की गंभीरता की ओर खींचा है। इस मौके पर सत्येंद्र सिंह, अमन सिंह, राज सिंह, अरुण दीक्षित, मिलन पांडे, आनंद पंडित, कमल द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

यूजीसी के विरोध में प्रदर्शन करते लोग। • अमृत विचार

बजरंग दल ने भीम आर्मी के आरोपों को निराधार बता डीएम को दिया ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता उन्नाव, अमृत विचार : भीम आर्मी भारत एकता मिशन द्वारा बुधवार को दिए ज्ञापन को बजरंग दल ने भ्रामक व तथ्यों से परे बताया है। गुरुवार को बजरंग दल के प्रतिनिधिमंडल ने डीएम को एक ज्ञापन देकर भीम आर्मी के विरुद्ध निष्पक्ष जांच व सख्त कार्यवाही की मांग की है। बजरंग दल के पदाधिकारियों ने कहा कि भीम आर्मी द्वारा लगाए गए आरोप निराधार हैं। संगठन ने स्पष्ट किया कि बजरंग दल एक राष्ट्रवादी सामाजिक संगठन है जो संविधान के दायरे में रहकर सामाजिक समरसता के लिए कार्य करता है। ज्ञापन में कहा कि भीम आर्मी अपनी विफलता छिपाने के लिए अनर्गल आरोप लगा रही है। ज्ञापन में बजरंग दल ने मगरवारा प्रकरण का उल्लेख कर बताया कि किस प्रकार भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने उग्र प्रदर्शन व पथराव किया था। जिसमें कई पुलिस कर्मी घायल हुए थे। साथ ही जिले में सक्रिय ईसाई मिशनरियों के साथ भीम आर्मी की संलिप्तता व अवैध धर्म परिवर्तन के मामलों की उच्च स्तरीय जांच की मांग भी की। कहा कि भीम आर्मी के ज्ञापन की सच्चाई की जांच हो और शांति भंग करने वालों व पुलिस पर हमला करने वालों पर कार्रवाई कार्यवाही की जाए। धर्म परिवर्तन कर चुके व्यक्तियों का आरक्षण कोटा रद करने व भीम आर्मी व ईसाई मिशनरियों के बीच साठगांठ की जांच हो। बजरंग दल ने प्रशासन को आश्वासन दिया कि वे जिले में शांति व सौहार्द बनाए रखने में पूर्ण सहयोग करेंगे।

डीएम को ज्ञापन देने जाते बजरंग दल के कार्यकर्ता।

अगर तुम सूरज के चले जाने पर रोओगे, तो तुम्हारे आंसू तुम्हें तारे देखने से रोक देंगे।
–रवींद्रनाथ टैगोर, साहित्यकार

दुर्घटना और सवाल

महाराष्ट्र को उपमुख्यमंत्री के बतौर सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले अजित पवार का हवाई दुर्घटना में निधन अत्यंत दुखद है। उनके साथ स्टॉफ पायलट, को-पॉयलट समेत पांच लोगों की मृत्यु ने कई असहज प्रश्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे में सीबीआई और अन्य तकनीकी एजेंसियों द्वारा गहन जांच की मांग को 'राजनीति प्रेरित' करार देना उचित नहीं। किसी भी वीआईपी विमान हादसे में पारदर्शी, बहु-एजेंसी तथ्य-आधारित और समयबद्ध जांच विश्वास बहाली का आवश्यक साधन होती है। लीयरजेट अपेक्षाकृत सुरक्षित जेट विमान माने जाते हैं। संबंधित भारतीय निजी कंपनी को भी डीजीसीए के फरवरी 2025 के ऑडिट में बेदाग पाया गया था। मुख्य पायलट के 15 हजार घंटे और सह-पायलट के 1500 घंटे का अनुभव कम नहीं है। अंतिम क्षणों में विमान गिर पड़ा।

यह परिदृश्य तीन आशंकाओं की ओर इशारा करता है। पहला- अचानक तकनीकी खराबी जैसे कंट्रोल सरफेस या हाइड्रोलिक्स या इंजन का असंतुलन, दूसरा-माइक्रोबर्स्ट या विंड-शियर जैसी चुनौती, तीसरा- अंतिम क्षण में निर्णय या कॉन्फ़िगरेशन की त्रुटि। निष्कर्ष के लिए एफडीआर-सीवीआर विश्लेषण ही निर्णायक होगा, लेकिन एयर इंडिया की त्रासदी के महज सात महीने बाद यह हादसा उड्डयन सुरक्षा पर सवाल तो खड़े ही करता है। देश में रोज़ाना पांच लाख से अधिक यात्री उड़ान भरते हैं। हवाई यात्रा अब भी सबसे सुरक्षित परिवहन है, पर जुलाई 2012 से नवंबर 2025 के बीच 112 एक्सीडेंट और 128 गंभीर घटनाएं दर्ज हुईं; छोटे विमानों में जानलेवा हादसों की दर वाणिज्यिक विमानों से 10 से 50 गुना अधिक बताई जाती हैं। इसका अर्थ है कि जनरल एविएशन के मानक शायद छोटे विमानों के लिए कमर्शियल एविएशन के समकक्ष कठोर नहीं हैं। लीयरजेट-45 के 1998 से अब तक आठ बड़े हादसों और 29 मौतों का रिकॉर्ड, तथा सितंबर 2023 में मुंबई में रनवे से फिसलने की घटना, जिसकी जांच रिपोर्ट अब तक सार्वजनिक नहीं हुई है, पारदर्शिता की कमी की ओर संकेत करती है। समय पर रिपोर्ट सार्वजनिक होती, तो सुधारात्मक कदम और सीख सामने आते। बारामती एयरपोर्ट की लोकेशन, सीमित संसाधन और बार-बार प्रशिक्षण विमानों की दुर्घटनाएं यह संकेत है कि बुनियादी ढांचे और जोखिम-आकलन में तत्काल सुधार जरूरी है। मैंगलोर, कोझिकोड, इंफाल, लेह जैसे चुनौतीपूर्ण हवाई अड्डों पर रनवे सेफ्टी एरिया, ईएमएएस, उन्नत आईएलएस और जीपीएस-आधारित एप्रोच, रियल-टाइम वेदर रडार और विंड-शियर अलर्ट अनिवार्य किए बिना नित नए एयरपोर्ट खोलना विवेकपूर्ण नहीं है।

डीजीसीए को जनरल एविएशन के लिए अनिवार्य सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम, डेटा-शेयरिंग, थर्ड-पार्टी ऑडिट, पुराने विमानों की चरणबद्ध समीक्षा, सिम्युलेटर-आधारित प्रशिक्षण की न्यूनतम घंटों की बाध्यता और 'नो-फॉल्ट' सेफ्टी रिपोर्टिंग संस्कृति को सख्ती से लागू करना चाहिए। सरकार को एएआई और राज्यों के साथ मिलकर इस दिशा में प्राथमिकता तय करके काम करना होगा, पहले सुधार, फिर विस्तार। यदि इससे सबक लेकर सुरक्षा ढांचा सुदृढ़ किया जाए, तो यही दुर्घटना के दिवंगतों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

प्रसंगवश

जन भवन: लोकतांत्रिक चेतना का नया अध्याय

उत्तर प्रदेश में 'राजभवन' का 'जन भवन' के रूप में पुनर्संस्कार, स्वतंत्र भारत की लोकतांत्रिक यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव है। यह प्रतीकात्मक परिवर्तन नागरिक गरिमा और सहभागिता को शासन के केंद्र में स्थापित करने का एक सार्थक प्रयास है। राजनीति के व्याकरण को 'अधिकार' से 'कर्तव्य' की ओर मोड़ने वाला यह निर्णय, दरअसल सत्ता के चरित्र को 'शासक' से 'सेवक' के रूप में ढालने का वह वैचारिक साहस है, जो लोकतंत्र को उसकी मूल आत्मा से जोड़ता है।

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 'राजभवन' को 'जन भवन' के रूप में नामित किया जाना मात्र एक प्रतीकात्मक प्रशासनिक परिवर्तन नहीं है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र की मूल आत्मा को पुनः स्मरण कराने वाला एक सशक्त वैचारिक संकेत है। यह निर्णय शासन और जनता के बीच संबंधों को नई, अधिक मानवीय परिभाषा देने की दिशा में उठाया गया साहसिक कदम है, जो सत्ता के चरित्र और उद्देश्य पर गहन पुनर्विचार की मांग करता है।

डॉ. कैलाश चंद सैनी
लेखक

भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती; वह समाज की चेतना और दृष्टि को भी आकार देती है। 'राजभवन' शब्द अपने भीतर सत्ता की भव्यता, कठोर प्रोटोकॉल और शासक-शासित के बीच खिंची एक अदृश्य किंतु सुदृढ़ दीवार का बोध कराता है। इसके विपरीत 'जन भवन' उस दीवार को भेदते हुए शासन के केंद्र में 'लोक' की प्रतिष्ठा का संकेत देता है। यह परिवर्तन सत्ता को उत्तरदायित्व, सहभागिता और सेवा से जोड़ता है तथा यह प्रश्न करता है कि स्वतंत्रता के अमृत काल में हमारी सत्ता अब भी 'राज' का विस्तार बनी हुई है या वह वास्तव में 'जन' की आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति बन पाई है।

आचार्य चाणक्य ने 'अर्थशास्त्र' में यह स्पष्ट किया है कि शासक का सुख जनता के सुख में और उसका हित जनता के हित में निहित है। यह सूत्र सत्ता को नैतिक अनुशासन और उत्तरदायित्व के कठोर मानकों से बांधता है। सम्राट अशोक इस दर्शन के सर्वाधिक प्रेरक उदाहरण हैं। कलिंग युद्ध के पश्चात उन्होंने विजय और दमन की नीति त्यागकर प्रशासन को जनकल्याण की दिशा में मोड़ा और यह घोषणा की कि जनता अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उनसे किसी भी समय संपर्क कर सकती है। 'जन भवन' की अवधारणा इसी संवेदनशील परंपरा का आधुनिक रूपांतरण प्रतीत होती है।

आधुनिक भारत में महात्मा ज्योतिबा फुले ने इसी विचार को सामाजिक न्याय के धरातल पर उतारा। उनके लिए राजनीति का उद्देश्य महलों की चमक बढ़ाना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति के दुख को कम करना था। उनका यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है कि किसी व्यवस्था की सफलता का मूल्यांकन महलों की रोशनी से नहीं, बल्कि गरीब की झोपड़ी में घटते अंधकार से होना चाहिए। इसी वैचारिक यात्रा की निरंतरता में सत्ता के सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति द्वारा स्वयं को 'प्रधान सेवक' के रूप में परिभाषित करना इस बात का संकेत है कि जब सत्ता स्वयं को स्वामी के स्थान पर सेवक मानने लगती है, तब नीतियां कागजों से निकलकर सीधे जनजीवन की पीड़ा और आवश्यकताओं से जुड़ने लगती हैं।

'जन भवन' की सार्थकता केवल नाम परिवर्तन से सिद्ध नहीं होगी। इसे वास्तविक अर्थों में जीवंत बनाने के लिए प्रशासनिक कार्यशैली में बुनियादी और जमीनी सुधार अनिवार्य हैं। वास्तविक परिवर्तन तब दिखाई देगा, जब अधिकारियों के आचरण में जनता के प्रति गहरी संवेदनशीलता झलके और नीति-निर्माण में केवल आंकड़ों के बजाय सक्रिय जन-भागीदारी को स्थान मिले।

आम बजट 2026 खुशहाली की आस में मध्यवर्ग

विवेक सक्सेना
अयोध्या

आम बजट 2026 में महज कुछ ही दिन शेष हैं। अगले वित्त वर्ष के लिए तैयार हो रहे बजट में आम आदमी की जेब पर क्या असर पड़ेगा, यह सबसे बड़ा सवाल है। हर साल बजट का दिन आम आदमी के लिए उम्मीदों की नई किरण लेकर आता है। कोई टैक्स में राहत चाहता है, कोई नौकरी के नए मौके, तो कोई महंगाई से छुटकारा। इस बार भी 2026 का बजट लोगों की उम्मीदों का बड़ा इम्तिहान बनने वाला है। पिछले बजट में कई मांगें अधूरी रह गई थीं, अब नजरें इस बात पर टिकी हैं कि सरकार आम जनता को क्या बड़ी राहत देती है।

आम आदमी को आयकर में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद कम है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले बजट में व्यक्तिगत आयकर में कटौती के बावजूद टैक्स ग्रोथ केवल 6.8% रही, जबकि उम्मीद 21.6% थी। इससे सरकार को खर्च के लिए नए स्रोत तलाशने पड़े। हमारा टैक्स-जीडीपी अनुपात लगभग 12 प्रतिशत है, जबकि अधिकांश विकसित देशों में यह 35 से 45 प्रतिशत के दायरे में होता है। भारत में आयकर चुकाने वाली आबादी दो से तीन प्रतिशत के बीच है, जो विकसित देशों में 45 से 55 प्रतिशत तक होती है। इसका एक महत्वपूर्ण कारण कृषि आय को कर से छूट दिया जाना है। कृषि से जुड़े हमारे लगभग 40 प्रतिशत अंशभागी कर देनदारी के दायरे से बाहर हैं। इसके लिए एक आधार बनाकर समृद्ध कृषकों को आयकर के दायरे में लाना होगा। इसके लिए या तो एक निश्चित स्तर से ऊपर की आय अथवा कृषि भूमि आकार को आधार बना सकते हैं।

वेतनभोगियों के लिए मानक कटौती बढ़ाना और आवासीय ऋण के ब्याज पर कटौती की सीमा में वृद्धि करना उपयुक्त होगा। ईमानदार करदाताओं को प्रोत्साहन हमारी नीतियों के केंद्र में होना चाहिए। सरकार की मंशा एक सीमित वर्ग से कर वसूली के बजाय करों के दायरे का विस्तार करने की होनी चाहिए। पिछले वर्ष प्रत्यक्ष करों के स्तर पर रियायत, वित्तीय वर्ष के मध्य में ही जीएसटी दरों में कटौती और विभिन्न व्यापार समझौतों के अस्तित्व में आने से सीमा शुल्क में संकुचन के बाद अब राजस्व बढ़ाने के लिए नई राह की ओर देखना होगा।

> आम बजट आम आदमी के लिए उम्मीदों की नई किरण लेकर आता है। कोई टैक्स में राहत चाहता है, कोई नौकरी के नए मौके, तो कोई महंगाई से छुटकारा। बजट लोगों की उम्मीदों का बड़ा इम्तिहान बनने वाला है।

टैक्स कलेक्शन उम्मीद से कम रहने पर सरकार के राजस्व पर दबाव पड़ा। ऐसे में इस बार टैक्स रिबेट या बड़े स्लैब बदलाव की संभावना कम है। सरकार छोटे-छोटे सुधार, लिमिटेड कटौती और रिबेट ट्यूनिंग के जरिए आम आदमी को थोड़ी राहत दे सकती है, लेकिन महंगाई पर नियंत्रण और राजस्व जुटाने की प्राथमिकता पहले रहेगी। दूसरी ओर, राजस्व बढ़ाने के लिए कुछ वैट या सेवा शुल्क में बदलाव की संभावना है, जिससे रोजमर्रा की चीजों की कीमत पर असर पड़ सकता है।

सरकारी सब्सिडी और टैरिफ में संभावित बदलाव के चलते पेट्रोल-डीजल, गैस और बिजली पर राहत कम दिख रही है। ऐसे संकेत हैं कि सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर पर निवेश बढ़ेगा, जिससे सड़क, रेल, पानी और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा। यह आम आदमी की रोजमर्रा की जिंदगी को बेहतर बनाने में मदद करेगा। सरकार स्किल डेवलपमेंट और डिजिटल स्किल्स पर जोर दे सकती है। छोटे-मध्यम व्यवसायों के लिए आसान क्रेडिट पॉलिसी और निवेश पैकेज ला सकती है। इसका सीधा असर नौकरी और व्यवसाय के नए अवसरों में दिखेगा।

लग्जरी और इम्पोर्टेड आइटम महंगे हो सकते हैं, ताकि कैपेक्स और सामाजिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च के लिए अतिरिक्त राजस्व जुटाया जा सके। एक संभावना यह है कि सरकार विनियमन यानी नियमों को और सरल-सुगम बनाने की राह पर ही आगे बढ़े। अच्छे परिदृश्य पर चर्चा करें तो भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ रही है। सरकार के पहले अग्रिम अनुमान के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। यह पिछले वर्ष की 6.5 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक होगी।

कुछ ही दिन पहले आए दूसरी तिमाही के आंकड़ों में 8.2 प्रतिशत की तेजी दिखी थी। यह वृद्धि सामान्य जनजीवन में भी नजर आती है। वाहनों की बिक्री बढ़ रही है। हवाई यात्रा में तेजी आई है। वित्त, परिवहन, आतिथ्य सत्कार और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों का निरंतर विस्तार हो रहा है। कुछ अपवाद को छोड़ दिया जाए तो महंगाई का रुख भी नरम है। इससे घरेलू बजट पर दबाव घटा है, लेकिन असल समस्या वृद्धि में नहीं, बल्कि आमदनी के स्तर पर है। सीधे शब्दों में कहा जाए तो अर्थव्यवस्था अधिक वस्तुएं और सेवाएं तो उत्पन्न कर रही है, लेकिन उनका कुल मूल्य उतनी तेजी से नहीं बढ़ रहा है।

कुछ क्षेत्रों में तो कीमतें गिर रही हैं। यह सुनने में अच्छा लग सकता है, लेकिन कुछ दूसरे मोर्चों पर कीमत चुकानी पड़ती है। चाहे जीएसटी हो, आयकर हो या कॉरपोरेट कर, उन पर राजस्व की प्राप्ति लेनदेन के आधार पर ही निर्भर करती है। जब लेनदेन में वृद्धि धीमी होती है तो कर संग्रह भी धीमा हो जाता है। ऐसे में सरकारी आमदनी भले ही घट जाए, लेकिन वेतन, पेंशन, ब्याज भुगतान और कल्याणकारी योजनाओं की देनदारी तो जस की तस बनी रहती है।

जाहिर है कि सरकार को या तो अधिक उधारी लेनी पड़ेगी या किसी अन्य मोर्चे पर कटौती का विकल्प अपनाना होगा। नई महत्वाकांक्षी घोषणाओं को लेकर भी संयम बरतना पड़ेगा। बाहरी मोर्चे पर स्थितियां नियंत्रण में अवश्य, लेकिन जोखिम से मुक्त नहीं हैं। वैश्विक अनिश्चितताएं कभी भी संकट खड़ा कर सकती हैं। तमाम उभरती हुई अर्थव्यवस्थाएं पूंजी प्रवाह को लेकर अस्थिरता का सामना कर रही हैं।

डालर के मुकाबले गिरता रुपया भी प्रभावित कर रहा है। अमेरिकी टैरिफ ने भी चिंताओं को और बढ़ाने का काम किया है। बजट में वित्त मंत्री को इन चिंताओं का संज्ञान लेना होगा। इसमें कर वृद्धि अनुमान को लेकर बहुत सावधानी बरतनी होगी। उधारी की योजनाओं को लेकर भी सतर्कता आवश्यक होगी, ताकि ब्याज अदायगी को लेकर अतिरिक्त बोझ न बढ़े।

आमने सामने

मुझे अजित पवार की विमान हादसे में मौत की खबर सुनकर गहरा सदमा लगा है। जब राजनीतिक नेता भी सुरक्षित नहीं हैं, तो आम लोगों की सुरक्षा की क्या बात की जाए। दो दिन पहले मुझे पता चला था कि अजित पवार बीजेपी छोड़ने वाले हैं और आज यह घटना हो गई।
–ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

ममता बनर्जी निराश और हताश लग रही हैं। उन्हें लगता है कि आने वाले पश्चिम बंगाल चुनावों में उनकी हार होने वाली है, इसीलिए वह इतने गुस्से में प्रतिक्रिया दे रही हैं। अपनी निराशा और हताशा में वह ऐसे कदम उठा रही हैं, जो लोकतंत्र के लिए हानिकारक हो सकते हैं।
–नरेश बंसल
भाजपा सांसद

विकास की वेदी पर 'निकोबार' के आदिवासी

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

हिंद महासागर के नीले पानी के बीच स्थित ग्रेट निकोबार द्वीप समूह आज एक ऐसी जंग का मैदान बना हुआ है, जहां एक तरफ आधुनिक भारत की विशाल रणनीतिक आकांक्षाएं हैं और दूसरी तरफ एक प्राचीन सभ्यता के अस्तित्व की पुकार। केंद्र सरकार की 72,000 करोड़ की 'ग्रेट निकोबार होलिस्टिक डेवलपमेंट प्रोजेक्ट' को लेकर स्थानीय 'निकोबारी जनजातीय परिषद' ने जो मोर्चा खोला है, वह केवल पर्यावरण बचाने की मुहिम नहीं, बल्कि अपनी पहचान, संस्कृति और कानूनी अधिकारों को बचाने की अंतिम लड़ाई है।

यह स्थान समृद्ध जैव विविधता और वन्यजीवों की एक असाधारण विविधता का घर है। सरकार के अनुसार, यह दुनिया में सबसे अच्छी तरह से संरक्षित उष्णकटिबंधीय वर्षा वनों में से एक है। यहां धरती की सबसे पुरने आदिवासी आबादी रहती है। क्या विकास का नया मॉडल इन सभी नैसर्गिक उपहारों का दुश्मन बन जाएगा? भूमि से दूर हिंद महासागर के बंगाल की खाड़ी के दक्षिण पूर्वी भाग में स्थित 572 द्वीपों का समूह अंडमान निकोबार इन दिनों ऐसे ही द्वंद से गुजर रहा है है। ये द्वीप इंडोनेशिया और थाईलैंड के निकट स्थित हैं। 2013 में इसे यूनेस्को के जैवमंडल कार्यक्रम (ह्यूमन एंड बायोस्पियर प्रोग्राम) में शामिल किया गया था। आज वहां कंक्रीट के साथ बाहरी लोगों को बसाने की योजना तैयार की जा रही है, वह भी पर्यावरणीय कानूनों की अनदेखी कर रहे हैं।

> ग्रेट निकोबार द्वीप समूह ऐसी जंग का मैदान बना हुआ है, जहां एक तरफ आधुनिक भारत की विशाल रणनीतिक आकांक्षाएं हैं, दूसरी तरफ एक प्राचीन सभ्यता के अस्तित्व की पुकार।

निकोबारी आदिवासियों के विरोध का सबसे बुनियादी और भावुक मुद्दा उनकी पैतृक भूमि है। 2004 की सुनामी ने निकोबार के भूगोल और समाज को पूरी तरह बदल दिया था। उस समय सुरक्षा कारणों से प्रशासन ने तटीय गांवों, विशेष रूप से चिनगेनह (Chingenh), पुलो बाहा (Pulo Baha), और कोकेओन (Kokeon) के निवासियों को अस्थायी शिविरों और पुनर्वास बस्तियों (जैसे कैंपबेल बे) में भेज दिया था।

ग्रेट निकोबार के जनजातीय परिषदाध्यक्षों का आरोप है कि उन्हें द्वीप के पश्चिमी तट पर अपनी पुश्तैनी ज़मीनें छोड़ देने के प्रमाण-पत्रों पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा गया, ताकि ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना के विकास को अनुमति दी जा सके। 22 जनवरी को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में द्वीप पर जनजातीय समितियों के प्रमुखों की तरफ से श्री बरनबास मंजु ने बताया कि जिला प्रशासन ने उन्हें सात जनवरी को एक बैठक के लिए बुलाया और फिर द्वीप के विकास के समर्थन के रूप में दिखाने के लिए उन्हें सरेंडर प्रमाण-पत्रों पर हस्ताक्षर करने को कहा गया, जिसका वे 2022 से विरोध कर रहे हैं।

उन्होंने बताया, "ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना में एक ट्रांसशिपमेंट कंटेनर पोर्ट, एक बड़ा टाउनशिप, एक ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट तथा गैस और सौर ऊर्जा संयंत्र का निर्माण शामिल है, जिसकी लागत 81,000 करोड़ (810 अरब) बताई गई है। यह भूमि 2004 के सुनामी तक 27 गांवों में निकोबारी लोगों द्वारा आबाद थी, जिसके बाद उन्हें फिर से बसाया गया और कैंपबेल बे के निकट ऊपरी पूर्वी तट पर राजीव नगर और न्यू चिंगेनह बस्तियों में स्थानांतरित किया गया। 'जब हमें पुनर्वासित किया गया था, तो हमें वादा किया गया था कि हम वापस आ सकेंगे।"

निकोबारी जनजातीय परिषद का तर्क है कि दो दशकों से वे अपनी इन पैतृक जमीनों पर वापस लौटने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उनके लिए ये जमीनें केवल मिट्टी का टुकड़ा नहीं, बल्कि उनके पूर्वजों की समाधियां, उनके पवित्र नारियल के बागान और उनकी सांस्कृतिक विरासत हैं। सरकार की नई योजना के तहत, इन्ही जमीनों पर अब 'कंटेनर टर्मिनल' और 'हवाई पट्टी' प्रस्तावित है। परिषद का आरोप है कि उन्हें अपनी ही जमीन से हमेशा के लिए बेदखल करने की साजिश रची जा रही है।

हाल ही में विरोध तब और उग्र हो गया जब यह बात सामने आई कि स्थानीय प्रशासन आदिवासियों से उनकी पैतृक भूमि के अधिकार छोड़ने के लिए 'सरेंडर सर्टिफिकेट' पर हस्ताक्षर करने का दबाव बना रहा है। जनजातीय परिषद ने स्पष्ट किया है कि सुनामी के बाद उन्हें केवल 'सुरक्षा' के लिए हटाया गया था, न कि उन्होंने अपनी जमीन का मालिकाना हक सरकार को सौंप दिया था। परिषद का कहना है कि प्रशासन यह भ्रम पैदा कर रहा है कि आदिवासी अपनी मर्जी से जमीन छोड़ रहे हैं, जबकि हकीकत में उन्हें डराया-धमकाया जा रहा है या विकास का झूठा लालच दिया जा रहा है।

निकोबारी परिषद के विरोध का सबसे मजबूत कानूनी आधार 'अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वनाधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006' है। कानून के अनुसार, किसी भी विकास कार्य के लिए ग्राम सभा की 'स्वतंत्र, पूर्व और सूचित सहमति' (Free, Prior and Informed Consent) अनिवार्य है। परिषद ने केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय को लिखे पत्रों में आरोप लगाया है कि प्रशासन ने फर्जी तरीके से यह रिपोर्ट दी कि आदिवासियों के अधिकारों का निपटारा कर दिया गया है।

सोशल फोरम

ऋत्विक की 'मेघे ढाका तारा'

ऋत्विक घटक की कालजयी फिल्म 'मेघे ढाका तारा' को उनकी जन्मशताब्दी के अवसर पर देखना एक सिनेमाई अनुभव भर नहीं है, वह एक गहरा, लगभग आध्यात्मिक पुनर्मिलन था— जैसे बरसों से बिछुड़ी किसी आत्मीय आवाज़ की प्रतिध्वनि अचानक भीतर के सबसे शांत कोने तक पहुंच जाए। यह फिल्म एक कथा भर नहीं कहती, यह उस सभ्यता की सामूहिक चीख है, जो अपने विकास की अंधी दौड़ में सबसे करुण, सबसे समर्पित आत्माओं को ही बलि वेदी पर चढ़ा देती है। यह उन दबे हुए रुदनों का कोलाज है, जिन्हें समाज ने अपनी सुविधाजनक चुप्पियों की दीवारों में चुन दिया है। नीता की अनसुनी सिसकियां, उसका निरंतर टलता हुआ जीवन, उसका त्याग जो किसी पुण्य की तरह नहीं, एक धीमी आत्म-क्षरण की तरह घटित होता है।

डॉ. उर्वशी
लेखिका

'मेघे ढाका तारा' देश-विभाजन की त्रासदी पर बनी घटक की त्रयी का पहला अध्याय है, पर यहां विभाजन भूगोल से अधिक मनुष्य के भीतर घटता है। नक्शों की रेखाएं यहां दिलों की दरारों में बदल जाती हैं। पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर कोलकाता के उपनगर में बसे एक शरणार्थी परिवार की कहानी में नीता एक साधारण पात्र नहीं, पूरे परिवार की रीढ़ है। पढ़ी-लिखी, स्वप्नशील, पर परिस्थितियों से जकड़ी हुई।

वह पिता की बीमारी का खर्च उठाती है, भाइयों की पढ़ाई चलाती है, घर की आर्थिक धुरी बनी रहती है। मां की कटुता सहती है और अपने प्रेम को बार-बार टाल देती है— जैसे अपने जीवन के हिस्सों को मोमबत्ती की तरह पिघलाकर दूसरों को उजाला देती जा रही हो। पर यह उजाला उसे नहीं बचाता; उसका शरीर, जो आत्मा का मंदिर होना चाहिए था, त्याग की नमी से गलने लगता है।

क्षय रोग उसकी देह में उसी तरह घर करता है जैसे अवहेलना उसके जीवन में। और प्रेम? वह भी उसके लिए कोई शरण नहीं बनता। उसकी ही बहन गीता चुपचाप उसके प्रिय को अपने हिस्से कर लेती है। यहां प्रेम नियति नहीं, अवसर है और अवसर हमेशा संवेदनशीलों के हिस्से नहीं आते।

घटक इस कथा को रचते नहीं, वे उसे जीते हैं। प्रकाश और अंधकार का उनका शिल्प किसी शास्त्रीय संगीत की रचना-प्रक्रिया जैसा है। कहीं संगीत अचानक फट पड़ता है, कहीं एक गहरी चुप्पी पूरे दृश्य का बोझ उठा लेती है। नीता की धीमी सिसकी, मां की खीझती सांसें, शंकर का स्वर— सब मिलकर एक ऐसा समवेत विलाप रचते हैं जो निजी होकर भी सामूहिक है, जैसे युगों से दबा कोई स्त्री-राग पहली बार खुलकर सुनाई दे रहा हो।

सामयिकी

समय को बांध लेने वाले अजित का असमय जाना

पिछले एक दशक में भाजपा के तूफान में देश के कई राजनीतिक जहाज क्रैश होते दिखे। महाराष्ट्र की राजनीति का पर्याय शिवसेना भी टूट-फूट कर बिखर गई। कांग्रेस का भी बुरा हाल हुआ। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भी बिखराव का शिकार हो गई। सूबे में दशकों से जमे-जमाए नेताओं का जनाधार बौना पड़ने लगा। ऐसे में अपने अपने क्रैश जहाज से जिंदा बचने का एक ही रास्ता था। बग़ावत कर भाजपा के साथ आ जाना। राष्ट्रवादी कांग्रेस के अजित पवार अपने चाचा और देश के सबसे वरिष्ठ सक्रिय नेता शरद पवार से बगावत कर भाजपा के कुनबे में शामिल हो गए। ऐसा ही कुछ शिवसेना के एकनाथ शिंदे ने किया। ये लोग विपक्ष के मरुस्थल से सत्ता की ताकत में बने रहे।

महाराष्ट्र सहित पूरे देश के सबसे वरिष्ठ और सक्रिय राजनीतिज्ञ शरद पवार की राजनीतिक दक्षता से भी चार कदम आगे थे उनके भतीजे अजित पवार। भाजपा की सुनामी ने जब महाराष्ट्र में शिवसेना तक को निगल लिया, ऐसे में सत्ता में खुद का राजनीतिक अस्तित्व टॉप टू में क़ायम रख पाना कोई मामूली बात नहीं थी। राजनीति में तोड़ना, जोड़ना, क्षमा, वफ़ा, दगा, छल-कपट सब जायज है। सियासत की यही खूबियां हैं। यहां कभी-कभी नकारात्मकता ही सकारात्मकता बन जाती है। अनैतिक फैसलों के बिना नेता न आगे बढ़ सकते हैं और न विरोधी से बच सकते हैं। सियासत के यही सिद्धांत हैं कि अपनी ताकत और नीतियों से सामने वाले को खत्म कर दो, दूसरा अधिक ताकतवर है और उसे पराजित करने में फिलहाल सक्षम नहीं हो, तो उससे हाथ मिला लो। उसके साथ आकर एक और एक ग्यारह बन जाओ।

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

दादा कहे जाने वाले अजित पवार जानते थे कि सियासत में जनता से कनेक्ट रहें, जन विश्वास बनाए रहे तो जनाधार बना रहेगा और जनाधार व जनसमर्थन हो तो विचारधारा, पार्टी और सिद्धांतों को भी बदल लें तो भी फर्क नहीं पड़ता। अजित पवार कम बोलते थे, लेकिन उनका काम ज्यादा बोलता था। उनके करीबी संबंध हर पार्टी के नेता से थे। जनता से जुड़े रहना और अपनी जमीन से रिश्ता कायम रखना दादा की खूबी थी।

जब महाराष्ट्र के बड़े-बड़े दिग्गजों की राजनीति खत्म हो गई, सबका राजनीतिक जहाज क्रैश हो गया, ऐसे में अजित पवार अपने चाचा शरद पवार की सियासत के क्रैश जहाज से जिंदा बच निकलकर उप मुख्यमंत्री पद पर काबिज थे। वाकई दिवंगत अजित दादा में अदभुत खूबियां थीं। जनता के बीच रहने वाले जमीनी जनाधार वाले नेता तो थे ही, सियासत के सबसे बड़े हुनर दांव-पेंच और उलटफेर में माहिर थे। उन्होंने साबित किया था कि पार्टी और पार्टी की विचारधारा से कहीं ज्यादा जनाधार की ताकत होती है।

जब कभी महाराष्ट्र की राजनीति का जिक्र होगा तो कांग्रेस तोड़ कर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी बनाने वाले शरद पवार और एनसीपी के दो फाड़ करने वाले उनके भतीजे अजित पवार ज़रूर याद किए जाएंगे। चाचा बड़े पवार से अजित ने सियासत के सारे दांव-पेच सीखे। यही वजह रही कि चाचा से अलग होने के बावजूद वह अपना वजूद बनाए रखने में कामयाब रहे। यह बात दीगर है कि समय की नब्ज को पहचानने वाले अजित असमय दुनिया से विदा हो गए।

हम भी दरिया हैं हमें अपना हुनर मालूम है
जिस तरफ़ भी चल पड़ेंगे रास्ता हो जाएगा

इस पुराने शेर को सत्य साबित कर अजित दादा राजनीति के विद्यार्थियों को संदेश दे गए कि खुद में दम हो तो सत्ता आपके कदमों की आहट का इंतजार करती है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

यूरेका

खोज

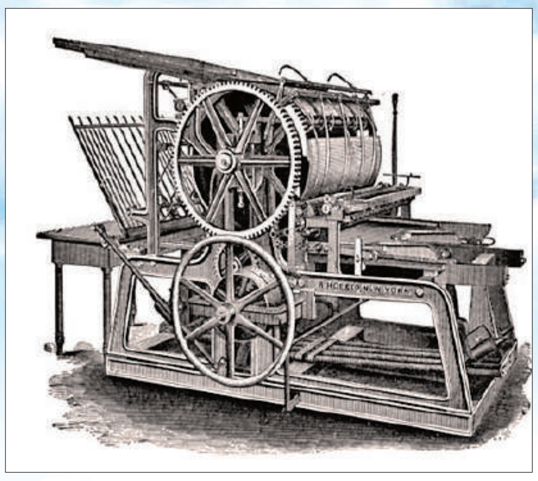

प्रिंटिंग मशीन

जर्मनी के मेंज (माइंस) शहर में वर्ष 1398 में जन्मे योहानेस गटेनबर्ग ने मानव इतिहास की सबसे क्रांतिकारी खोजों में से एक प्रिंटिंग मशीन का आविष्कार किया। पंद्रहवीं सदी तक पुस्तकों की दुनिया पूरी तरह हाथ से लिखी गई पांडुलिपियों और लकड़ी के गुटकों से होने वाली छपाई पर निर्भर थी। यह प्रक्रिया न केवल अत्यंत धीमी थी, बल्कि महंगी और सीमित भी थी। गटेनबर्ग ने इसी जटिल और श्रमसाध्य व्यवस्था को बदलने की नींव रखी। वर्ष 1439 में गटेनबर्ग ने मूवेबल टाइप प्रिंटिंग मशीन का आविष्कार किया। यह तकनीक अपने समय से कहीं आगे थी, क्योंकि इसमें लकड़ी के अक्षरों के स्थान पर धातु (मेटल) से बने अलग-अलग अक्षरों का उपयोग किया गया था। इन अक्षरों को जरूरत के अनुसार बदला और दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता था। यही विशेषता इस मशीन को पहले की सभी छपाई तकनीकों से अलग और अधिक प्रभावशाली बनाती थी।

गटेनबर्ग की प्रिंटिंग प्रेस की सबसे ऐतिहासिक उपलब्धि 1456 में सामने आई, जब जर्मनी के माइंस शहर में उनकी प्रेस से बाइबिल की पहली मुद्रित प्रति प्रकाशित हुई। इसे आज भी मुद्रण इतिहास की अमूल्य धरोहर माना जाता है। इस मशीन की एक बड़ी खासियत यह थी कि इससे किसी भी प्रकार के कागज पर साफ, स्पष्ट और तेज छपाई संभव हो सकी। जहां पहले की तकनीकों से दिनभर में केवल 40 से 50 पृष्ठ ही छप पाते थे, वहीं गटेनबर्ग की प्रिंटिंग मशीन से प्रतिदिन 1,000 से अधिक पृष्ठों की छपाई संभव हो गई। इस आविष्कार ने न केवल पुस्तकों को सस्ता और सुलभ बनाया, बल्कि ज्ञान, शिक्षा और विचारों के प्रसार को अभूतपूर्व गति दी। यह आविष्कार केवल तकनीकी परिवर्तन नहीं था, बल्कि सामाजिक और बौद्धिक क्रांति की शुरुआत भी था। मुद्रण के कारण ज्ञान सस्ता हुआ, शिक्षा का प्रसार हुआ और विचारों का आदान-प्रदान तेज हुआ।

वैज्ञानिक के बारे में

योहानेस गटेनबर्ग को यूरोप के इतिहास में उस व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं, जिन्होंने ज्ञान की दुनिया को आम लोगों तक पहुंचाने का रास्ता खोला। वे जर्मनी के मेंज (Mainz) शहर में जन्मे थे और पेशे से सुनार, आविष्कारक और मुद्रक थे। गटेनबर्ग का सबसे बड़ा योगदान था चल अक्षरों (Movable Type) वाली मुद्रण मशीन का विकास, जिसने पुस्तकों के निर्माण की प्रक्रिया को पूरी तरह बदल दिया। उनका आविष्कार मानव सभ्यता के उन दुर्लभ मोड़ों में से एक है, जिसने सोचने, सीखने और दुनिया को समझने के तरीके को हमेशा के लिए बदल दिया।

कल्पना कीजिए आप एक विशाल सभागार में बैठे हैं। रोशनी धीमी पड़ती है और अचानक ऐसा लगता है मानो छत गायब हो गई हो। आपके ऊपर अनंत ब्रह्मांड फैल जाता है- तारे, आकाशगंगाएं, घूमते ग्रह। आप सिर्फ देख नहीं रहे, बल्कि उस दृश्य के भीतर मौजूद हैं। चेहरे पर ठंडी हवा का अहसास होता है, कुर्सी के नीचे हल्का कंपन महसूस होता है और कानों में आती आवाज इतनी साफ कि लगता है कोई आपके बिल्कुल पास खड़ा होकर बोल रहा हो। यह न तो किसी विज्ञान-कथा फिल्म का दृश्य है और न ही भविष्य की कोरी कल्पना- यह यथार्थ है। अमेरिका के लास वेगास में बना स्फीयर (Sphere) मनोरंजन की दुनिया में इसी यथार्थ को संभव बनाता है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

स्फीयरः रोमांचकारी अनुभव और मनोरंजन का मंच

तकनीक जो लगती है जादू जैसी

स्फीयर का सबसे बड़ा आकर्षण इसका 16K रैपअराउंड एलईडी स्क्रीन है, जो दर्शकों को चारों ओर से घेर लेता है। लगभग 1,60,000 वर्ग फुट में फैला यह दृश्य-परिदृश्य यह सुनिश्चित करता है कि दर्शक जहां भी बैठा हो, अनुभव का केंद्र वही हो। इमारत की बाहरी सतह करीब 5,80,000 वर्ग फुट खुद एक विशाल डिजिटल कैनवस है, जो रात के समय पूरे लास वेगास के आकाश को एक चलती-फिरती दृश्य-कला में बदल देती है। दृश्य जितने भव्य हैं, ध्वनि तकनीक उससे भी आगे जाती है। जर्मन कंपनी HOLOPLOT द्वारा डिजाइन की गई प्रणाली में 1,64,000 से अधिक साउंड ड्राइवर्स लगे हैं, जो उन्नत तकनीक के जरिए हर सीट तक सटीक ध्वनि पहुंचाते हैं। इसका परिणाम यह है कि एक ही कार्यक्रम में बैठे दो दर्शकों को भी आवाज का अनुभव थोड़ा अलग लग सकता है। इसके साथ सीटों में कंपन, तापमान और अन्य सेंसरी प्रभाव दर्शक को सिर्फ देखने-सुनने तक सीमित नहीं रखते, बल्कि उसे अनुभव का सक्रिय हिस्सा बना देते हैं।

थिएटर नहीं, एक जीवंत अनुभव

स्फीयर कोई साधारण थिएटर या स्टेडियम नहीं है। यह ऐसा मंच है, जहां दर्शक कार्यक्रम को सिर्फ देखते नहीं, बल्कि उसके भीतर प्रवेश कर जाते हैं। वे उसे जीते हैं। मनोरंजन के इतिहास में इसे तकनीक और अनुभव के मेल की एक असाधारण छलांग कहा जा सकता है। जिस तरह कभी मूक फिल्मों से 'टॉकीज' और श्वेत-श्याम से रंगीन सिनेमा तक का सफर एक ऐतिहासिक मोड़ था, उसी तरह स्फीयर उस दौर का संकेत है, जहां मनोरंजन सिर्फ देखा नहीं जाता- महसूस किया जाता है, जिया जाता है।

एक महत्वाकांक्षी परियोजना और विशाल संरचना

करीब 2.3 अरब डॉलर की लागत से निर्मित यह संरचना दुनिया की सबसे बड़ी गोलाकार मनोरंजन इमारतों में गिनी जाती है। 2018 में मेडिसन स्क्वायर गार्डन समूह के प्रमुख जेम्स डॉलन की परिकल्पना के रूप में शुरू हुआ यह प्रोजेक्ट महामारी और वैश्विक सप्लाई-चेन संकट जैसी बाधाओं के बावजूद 2023 में पूरा हुआ। 366 फीट ऊंचाई और 516 फीट व्यास वाली यह इमारत केवल वास्तुकला की उपलब्धि नहीं, बल्कि 'अनुभव-आधारित तकनीक' का प्रतीक भी है।

विज्ञापन और शहर का नया चेहरा

स्फीयर की बाहरी सतह, जिसे 'एक्सोस्फीयर' कहा जाता है। तकनीकी रूप से और भी अधिक क्रांतिकारी है। लगभग 5,80,000 वर्ग फुट की यह पूर्ण-रंग एलईडी स्क्रीन दिन-रात सक्रिय रहती है। कभी यह पृथ्वी का रूप ले लेती है, कभी मंगल ग्रह का, तो कभी किसी उत्सव या कल्पनालोक का दृश्य बन जाती है। मार्केटिंग के लिहाज से यह दुनिया के सबसे दृश्यमान और प्रभावशाली विज्ञापन माध्यमों में शामिल हो चुकी है। लास वेगास आने वाला लगभग हर व्यक्ति इसे देखता है- चाहे वह पर्यटक हो, चालक हो या केवल आकाश की ओर देखने वाला राहगीर।

उद्घाटन से वैश्विक पहचान तक

सितंबर 2023 में आयरिश बैंड यू-2 के उद्घाटन कार्यक्रम ने दुनिया को पहली बार इस मंच की पूरी क्षमता से परिचित कराया। इसके बाद फिल्म निर्देशक डैरेन एरोनोफस्की की फिल्मपोस्टकार्ड फ्रॉम अर्थ ने यह स्पष्ट कर दिया कि स्फीयर सिर्फ संगीत या शो का मंच नहीं, बल्कि कहानी कहने और सिनेमा की भाषा को नए सिरे से गढ़ने का एक बिल्कुल नया माध्यम है। कुछ ही महीनों में बड़े आयोजनों और वैश्विक ब्रांड अभियानों ने इसे तकनीकी कौतूहल से आगे बढ़ाकर आर्थिक रूप से व्यवहार्य मंच बना दिया।

भव्यता के साथ आती चुनौतियां

इतनी विशाल और अत्याधुनिक संरचना अपने साथ चुनौतियां भी लाती है। अत्यधिक लागत और लगातार उच्च-स्तरीय कंटेंट की जरूरत इसे एक साहसिक और जोखिम भरा प्रयोग बनाती है। इतनी विशाल डिजिटल संरचना के संचालन के लिए भारी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता होती है। पर्यावरणीय स्थिरता और शहरी नियोजन के संदर्भ में इस तरह की परियोजनाएं गंभीर समीक्षा की मांग करती हैं। हालांकि सौर ऊर्जा और सीमित प्रकाश मोड जैसे उपायों के जरिए इन समस्याओं को कम करने की कोशिश की जा रही है।

भविष्य की दिशा

स्फीयर यह संकेत देता है कि भविष्य का मनोरंजन निष्क्रिय नहीं होगा। आने वाले समय में प्रतिस्पर्धा केवल स्टेडियमों, सिनेमाघरों या शो की नहीं होगी, बल्कि उन अनुभवों की होगी, जो मानव मन और शरीर दोनों को गहराई से छू सकें। तकनीक तैयार है, मंच सजा हुआ है। अब चुनौती रचनात्मकता की है कि इस विशाल कैनवास पर हम कौन-सी कहानियां रचते हैं। क्योंकि जब तकनीक संस्कृति से मिलती है, तब इतिहास लिखा नहीं जाता, जिया जाता है।

भारतीय परिप्रेक्ष्यः अवसर और प्रश्न

भारत के संदर्भ में यह अनुभव कई अहम सवाल खड़े करता है। हमारे पास तकनीकी दक्षता, युवा प्रतिभा और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत-तीनों मौजूद हैं। सवाल यह नहीं कि भारत स्फीयर जैसी संरचना बना सकता है या नहीं, असली प्रश्न यह है कि क्या हम इसे केवल पश्चिमी मॉडल की नकल के रूप में अपनाएंगे या अपनी कला, मिथक, इतिहास, विज्ञान और भविष्य-दृष्टि को वैश्विक मंच पर नए रूप में प्रस्तुत करेंगे। यदि ऐसे केंद्रों को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और शैक्षिक नवाचार के रूप में देखा जाए, तो वे पर्यटन, रोजगार और रचनात्मक उद्योगों में नई ऊर्जा भर सकते हैं।

जंगल की दुनिया

मंदारिन बत्तखः पंखों पर उतरती बसंत ऋतु

बसंत और ग्रीष्म ऋतु के आगमन के साथ ही प्रकृति मानो अपने सबसे चमकदार रंगों में सज उठती है और इसी रंगीन उत्सव का जीवंत प्रतीक है मंदारिन बत्तख। प्रजनन काल में नर मंदारिन बत्तख के पंख असाधारण रूप से आकर्षक हो जाते हैं। लाल, नारंगी, नीले, हरे और सफेद रंगों का अनूठा संयोजन इसे दूर से ही पहचानने योग्य बना देता है।

मंदारिन बत्तख सजीली कलगी, पंखों की विशिष्ट बनावट और चमकदार चोंच इसे दुनिया की सबसे सुंदर बत्तखों में स्थान दिलाती है। इसके विपरीत मादा मंदारिन अपेक्षाकृत साधारण होती है। उसके भूरे रंग के पंख और सादी चोंच उसे प्राकृतिक वातावरण में छिपने में मदद करते हैं, जो प्रजनन और सुरक्षा की दृष्टि से उपयोगी है। प्रजनन काल समाप्त होते ही नर मंदारिन के रंग भी फीके पड़ जाते हैं। उसके पंख भूरे और धूसर रंग के हो जाते हैं, जिससे वह मादा के समान दिखाई देने लगता है। यह परिवर्तन प्रकृति की उस व्यवस्था को दर्शाता है, जहां सौंदर्य केवल आकर्षण का माध्यम नहीं, बल्कि अस्तित्व और संतुलन का हिस्सा भी है। मंदारिन बत्तख का वैज्ञानिक नाम ऐक्स गैलेरिकुलता (Aix galericulata) है। इसकी पहचान सबसे पहले वर्ष 1758 में स्वीडिश वनस्पतिशास्त्री, चिकित्सक और प्राणी विज्ञानी कार्ल लिनिअस ने की थी।

अपने अद्वितीय रंगों और सीमित प्राकृतिक खतरों के कारण इसे अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) की रेड लिस्ट में 'संकट मुक्त' श्रेणी में रखा गया है। सामान्यत: मंदारिन बत्तखें रूस, कोरिया, जापान और चीन के उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में प्रजनन करती हैं। समय के साथ इनका विस्तार पश्चिमी यूरोप और अमेरिका तक भी देखा गया है। भारत में इसका पहला रिकॉर्ड वर्ष 1902 में असम के तिनसुकिया जिले के रोंगगोरा क्षेत्र में, डिब्रू नदी के तट पर दर्ज किया गया था। चीन और जापान की मूल निवासी मंदारिन बत्तख न केवल जैव विविधता का अद्भुत उदाहरण है, बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। नर मंदारिन के मनोहारी रंगों ने सदियों से कलाकारों को प्रेरित किया है।

आर्द्रभूमिः विज्ञान, जीवन और संस्कृति का संगम

भारतीय संस्कृति में प्रकृति को केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदायिनी और पूजनीय सत्ता के रूप में देखा गया है। जल, भूमि, वन और जीव-जंतु—सभी को धर्म, दर्शन और जीवन पद्धति से जोड़ा गया। इसी सांस्कृतिक दृष्टि का एक अत्यंत महत्वपूर्ण, लेकिन आज उपेक्षित पक्ष हैं आर्द्रभूमियां- तालाब, झीलें, सरोवर, नदी किनारे के दलदली क्षेत्र, बाढ़ के मैदान और तटवर्ती जलक्षेत्र। भारतीय सभ्यता के विकास, धार्मिक परंपराओं, सामाजिक जीवन और आजीविका में आर्द्रभूमियों की भूमिका केंद्रीय रही है। प्राचीन भारत में आर्द्रभूमियों को केवल जलस्रोत नहीं माना गया, बल्कि उन्हें सांस्कृतिक और आध्यात्मिक केंद्र का दर्जा प्राप्त था। वेदों में जल को जीवन का मूल तत्व कहा गया है- 'आप: प्राणा:'। ऋग्वेद, अथर्ववेद और उपनिषदों में जलाशयों, नदियों और सरोवरों की महिमा का विस्तार से वर्णन मिलता है। यह दृष्टि स्पष्ट करती है कि भारतीय संस्कृति में आर्द्रभूमियां जीवन के संरक्षण और संतुलन का प्रतीक रही हैं।

डॉ. जितेंद्र शुक्ला
वन्य जीव विशेषज्ञ

भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं में आर्द्रभूमियों का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। देश के लगभग हर प्रमुख तीर्थ का संबंध किसी न किसी नदी, सरोवर या जलाशय से जुड़ा हुआ है। काशी में गंगा, प्रयाग में संगम, पुष्कर का सरोवर और अमृतसर का अमृत सरोवर इस तथ्य के जीवंत उदाहरण हैं। ये आर्द्रभूमियां केवल जल स्रोत नहीं थीं, बल्कि पूजा, तप, संस्कार और आत्मशुद्धि का माध्यम भी थीं। मंदिरों के साथ निर्मित पुष्करणी, कुंड और बावड़ियां स्थापत्य की उत्कृष्ट कृतियां होने के साथ-साथ सामाजिक और धार्मिक जीवन का अभिन्न अंग थीं।

भारतीय ग्रामीण जीवन की धुरी भी आर्द्रभूमियां ही रही हैं। गांव का तालाब सिर्फ पानी भरने की जगह नहीं था, बल्कि सामूहिक चेतना का केंद्र था। वहीं से सिंचाई होती थी, पशुओं को पानी मिलता था, मछली पालन होता था और अनेक लोक परंपराएं जन्म लेती थीं। छठ पूजा, कार्तिक स्नान, गंगा दशहरा और मकर संक्रांति जैसे पर्व सीधे तौर पर जल और आर्द्रभूमियों से जुड़े हुए हैं। ये उत्सव दर्शाते हैं कि भारतीय संस्कृति में जल केवल भौतिक आवश्यकता नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान था।

भारतीय दर्शन के पंचमहाभूत सिद्धांत में जल और पृथ्वी के संतुलन को जीवन का आधार माना गया है। आर्द्रभूमियां इसी संतुलन की जीवंत अभिव्यक्ति हैं, जहां जल और भूमि का समन्वय होता है। इसी कारण तालाब या सरोवर को पाटना पाप और जलाशय निर्माण को पुण्य कार्य माना गया। इतिहास भी इस सोच की पुष्टि करता है। मौर्य, गुप्त, चोल और विजयनगर काल में तालाबों और जलाशयों का व्यापक निर्माण हुआ। दक्षिण भारत का एरी सिस्टम, राजस्थान की जोहड़ और उत्तर भारत की बावड़ियां भारतीय समाज की वैज्ञानिक और सामुदायिक जल-संरक्षण परंपरा का प्रमाण हैं।

लोक साहित्य और परंपराओं में भी आर्द्रभूमियों की गहरी छाप दिखाई देती है। लोकगीतों और कथाओं में तालाब, कमल, मछली और पक्षियों का बार-बार उल्लेख मिलता है। दलदली जल में खिलने वाला कमल भारतीय संस्कृति में पवित्रता और सौंदर्य का प्रतीक बना। लक्ष्मी और सरस्वती जैसी देवियों का कमल पर विराजमान होना आर्द्रभूमियों के सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करता है।

आधुनिक विज्ञान जिन गुणों को आज आर्द्रभूमियों की विशेषता मानता है। जल संरक्षण, जैव विविधता, बाढ़ नियंत्रण और भूजल पुनर्भरण, उनका अनुभव भारतीय समाज ने सदियों पहले अपने जीवन में उतार लिया था। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार आर्द्रभूमियां पृथ्वी की कुल भूमि का लगभग छह प्रतिशत क्षेत्र घेरती हैं, लेकिन इसके बावजूद विश्व की लगभग चालीस प्रतिशत जैव विविधता को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहारा देती हैं। ये प्राकृतिक स्पंज की तरह कार्य करती हैं, जो अत्यधिक वर्षा के समय बाढ़ को नियंत्रित करती हैं और सूखे में नमी बनाए रखती हैं।

भूजल पुनर्भरण में भी इनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब आर्द्रभूमियां नष्ट होती हैं, तो इसका सीधा असर भूजल स्तर पर पड़ता है। इसके अलावा ये प्राकृतिक जल शोधन संयंत्र की तरह काम करती हैं। पौधे और सूक्ष्म जीव प्रदूषकों को अवशोषित कर जल को स्वच्छ बनाते हैं। जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में भी आर्द्रभूमियां कार्बन सिंक के रूप में महत्वपूर्ण हैं, विशेषकर मैंग्रोव और पीटलैंड क्षेत्र। दुर्भाग्यवश आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में आर्द्रभूमियां अतिक्रमण, प्रदूषण और उपेक्षा का शिकार हो रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार पिछली एक सदी में विश्व की लगभग पैंतीस प्रतिशत आर्द्रभूमियां नष्ट हो चुकी हैं। जब तालाब सूखते हैं, तो केवल जल नहीं, बल्कि उससे जुड़ी संस्कृति, परंपरा और सामूहिक स्मृति भी समाप्त हो जाती है।

अंततः यह समझना होगा कि आर्द्रभूमियां प्रकृति का कोई अलग-थलग हिस्सा नहीं हैं, बल्कि वही कड़ी हैं, जो जल, भूमि, वायु और जीवन को एक सूत्र में बांधती हैं। यदि आर्द्रभूमियां सुरक्षित हैं, तो नदियां जीवित रहेंगी, भूजल स्थिर रहेगा, जैव विविधता फलती-फूलती रहेगी और जलवायु संतुलन बना रहेगा, लेकिन यदि इन्हें नजरअंदाज किया गया, तो विकास के सारे दावे खोखले साबित होंगे। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि आर्द्रभूमियों पर ही प्रकृति का संतुलन टिका है और उनका संरक्षण हमारे भविष्य की अनिवार्य शर्त है।

वैज्ञानिक फैक्ट

मानव मस्तिष्क जला सकता है 20 वॉट का बल्ब

मानव मस्तिष्क अपनी जटिलता और शक्ति के कारण प्रकृति का सबसे अद्भुत अंग माना जाता है। यह लगातार विद्युत और रासायनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से काम करता है। हमारे मस्तिष्क में लगभग 86 अरब न्यूरॉन्स हैं, जो निरंतर संदेशों का आदान-प्रदान करते रहते हैं। इस संचार प्रक्रिया में हर न्यूरॉन विद्युत आवेग (Electrical Impulse) उत्पन्न करता है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि मस्तिष्क द्वारा उत्पन्न कुल ऊर्जा लगभग 20 वॉट होती है, जो एक छोटे लैंप को जलाने के लिए पर्याप्त है। यह ऊर्जा केवल बिजली का उत्पादन नहीं करती, बल्कि हमारी सोचना, सीखना, याददाश्त और भावनाओं की गतिविधियों का आधार भी है।

न्यूरॉन्स में सूचनाओं का तेज आदान-प्रदान शरीर के हर अंग को नियंत्रित करता है। मस्तिष्क के इस नेटवर्क की जटिलता इतनी है कि एक ही समय में हम कई कार्य कर सकते हैं-सोच सकते हैं, निर्णय ले सकते हैं, समस्याओं का समाधान कर सकते हैं और शरीर की क्रियाओं को संतुलित रख सकते हैं। हालांकि यह विद्युत ऊर्जा हमारे प्रत्यक्ष उपयोग के लिए उपलब्ध नहीं है, फिर भी यह हमारे मस्तिष्क की अद्भुत कार्यप्रणाली और जैविक डिजाइन की शक्ति को प्रमाणित करती है। हर पल जब हम सोचते, याद करते या महसूस करते हैं, तब हमारे भीतर लगभग 20 वॉट की निरंतर ऊर्जा काम कर रही होती है। इस ऊर्जा का अध्ययन न केवल मानव मस्तिष्क की कार्यक्षमता को समझने में मदद करता है, बल्कि यह हमें जीवन की जटिल प्रक्रियाओं और हमारे शरीर के अद्भुत संतुलन का एहसास भी कराता है। मस्तिष्क का यह विद्युत नेटवर्क यह दर्शाता है कि सोचने और महसूस करने की क्षमता केवल जैविक मशीनरी का परिणाम नहीं, बल्कि प्रकृति की सटीक योजना और अद्भुत रचना का प्रतीक है।

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	82,566.37	25,418.90
बढ़त	221.69	76.15
प्रतिशत में	0.27	0.30

सोना 1,83,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 4,04,500 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

न्यूज ब्रीफ

एयर इंडिया ने बोइंग को 30 विमानों की खरीद का ऑर्डर दिया

हैदराबाद। एयर इंडिया ने 30 अतिरिक्त बोइंग विमानों की खरीद का ऑर्डर दिया है, जिसमें बीस 737-8 और दस 737-10 जेट शामिल हैं। एयर इंडिया ने बताया कि ये 30 विमान वर्ष 2023 में बोइंग को दिए गए 220 विमानों के ऑर्डर के अतिरिक्त हैं। इसके साथ ही बोइंग से एयर इंडिया द्वारा ऑर्डर किए गए विमानों की कुल संख्या 250 हो गई है। यह घोषणा विंग्स इंडिया 2026 कार्यक्रम के दौरान की गई, जहां केंद्रीय विमानन उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू भी मौजूद थे। नए ऑर्डर के बाद एयर इंडिया को बोइंग से कुल 198 नए विमान मिलने हैं।

आरबीआई ने 50,000 करोड़ की प्रतिभूति

मुंबई। रिजर्व बैंक ने बैंकिंग तंत्र में नकदी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जारी उपायों के तहत गुरुवार को खुले बाजार से 50 हजार करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति की खरीद की। यह पिछले दिनों की दो समान किस्तों में एक लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति की खरीद का पहला किस्त है। दूसरे किस्त की खरीद 05 फरवरी को की जाएगी। केंद्रीय बैंक ने बताया कि उसने तीन साल से 27 साल की अवधि वाली प्रतिभूतियों की खरीद की जिन पर ब्याज की दर 6.22 प्रतिशत से 7.95 प्रतिशत तक है। दिसंबर से अबतक रिजर्व बैंक खुले बाजार से 3.50 लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति खरीद चुका है।

एयरटेल 36 करोड़ ग्राहकों को देगा एडोब एक्सप्रेस की मुफ्त सेवा

नई दिल्ली। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने 36 करोड़ ग्राहकों को एडोब एक्सप्रेस प्रीमियम की मुफ्त पहुंच देने की जानकारी दी है। इससे ग्राहक उच्च गुणवत्ता की सोशल मीडिया सामग्री, विपणन सामग्री, लघु वीडियो और अन्य सामग्री डिजाइन कर सकेंगे। यह कदम तब उठाया गया है जब एआई संचालित डिजाइन उपकरण लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं। इससे भारतीय दूरसंचार संचालक अपने डिजिटल परिवेश में यूजर जुड़ाव को उच्च स्तर पर बनाए रखने के लिए वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ साझेदारी करने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

वैश्वीकरण का अंत करीब, स्वदेशी को टाल नहीं सकते

बजट सत्रः आर्थिक समीक्षा में समय की बर्बादी से बचने पर जोर, कहा- देश के लिए मैराथन को भी तेजी से दौड़ने जैसी स्थितियां

नई दिल्ली, एजेंसी

बढ़ते निर्यात नियंत्रण, विकसित देशों की ओर से प्रौद्योगिकी देने से इन्कार और कार्बन कर व्यवस्था वास्तव में वैश्वीकरण के अंत का संकेत दे रहे हैं। ऐसे में भारत में स्वदेशी नीतियों पर ध्यान देना अपरिहार्य और आवश्यक हो गया है। संसद में बृहस्पतिवार को पेश की गई आर्थिक समीक्षा में इस पर जोर दिया गया है।

वित्त वर्ष 2025-26 की आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि भारत को आयात प्रतिस्थापन, रणनीतिक मजबूती और रणनीतिक अनिवार्यता की अपनी निकट, मध्यम और दीर्घकालिक नीतिगत प्राथमिकताओं को एक साथ आगे बढ़ाना होगा। समय बर्बाद करने का कोई मौका नहीं है। यह एक ही समय में मैराथन और तेजी से दौड़ने जैसा है या मैराथन को तेजी से दौड़ना दौड़ना है। कहा गया कि वर्तमान में कोई भी देश ऐसे वातावरण में काम कर रहा है जहां कच्चा माल, प्रौद्योगिकी और बाजारों तक पहुंच को निर्बाध या स्थायी नहीं माना जा सकता है। निर्यात नियंत्रण, प्रौद्योगिकी प्रतिबंध, कार्बन सीमा तंत्र और पश्चिम एवं पूर्व दोनों देशों की औद्योगिक नीतियां सीधे तौर पर वैश्वीकरण के खात्मे का संकेत है।

समीक्षा में कहा गया है, ऐसी परिस्थितियों में स्वदेशी एक रक्षात्मक और आक्रामक नीतिगत साधन बन जाता है। यह बाहरी झटकों के बावजूद उत्पादन की निरंतरता सुनिश्चित करने का एक माध्यम है और आर्थिक संप्रभुता को सुदृढ़ करने वाली स्थायी राष्ट्रीय क्षमताओं के निर्माण का रास्ता साफ करता है। सवाल अब यह नहीं है कि राज्य को स्वदेशी को प्रोत्साहित करना चाहिए या नहीं, बल्कि यह है कि दक्षता, नवाचार या वैश्विक एकीकरण को कमजोर किए बिना ऐसा कैसे किया जाए।

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी की।

सोशल मीडिया के इस्तेमाल के लिए तय हो उम्र सीमा

नई दिल्ली। बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के वैश्विक संकेतों का हवाला देते हुए सरकार की आर्थिक समीक्षा में बृहस्पतिवार को कहा गया कि ऑनलाइन मंच का इस्तेमाल करने के लिए उम्र आधारित सीमा पर विचार किया जाना चाहिए। साथ ही, डिजिटल लत से बचने के लिए ऑनलाइन शिक्षण में भी कटौती की जानी चाहिए।

समीक्षा में कहा गया कि बच्चों को हानिकारक सामग्री से बचाने के लिए शैक्षिक सामग्री तक पहुंच को सरल उपकरणों जैसे साधारण फोन या टैबलेट को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इसके साथ उम्र आधारित पहुंच सीमा को लेकर नीतियों पर विचार किया जा सकता है, क्योंकि कम उम्र के उपयोगकर्ता अनिवार्य उपयोग और हानिकारक सामग्री के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। मंच को उम्र के सत्यापन और उम्र के अनुरूप डिफॉल्ट सेटिंग लागू करने के लिए जिम्मेदार बनाया जाना चाहिए। यह विशेष रूप से सोशल मीडिया, जुए वाले एप, 'ऑटो-प्ले' फीचर्स और लक्षित विज्ञापनों के लिए अनिवार्य होना चाहिए।

व्यय संतुलन : केंद्र की तारीफ, राज्यों की लोकलुभावन योजनाओं पर चिंता

नई दिल्ली। आर्थिक समीक्षा में चिंता जताई गई है कि राज्यों की ओर से लोकलुभावन घोषणाओं, नकद अंतरण के कारण पूंजीगत व्यय प्रभावित होने से उनका राजस्व घाटा बढ़ रहा है। कहा गया कि राज्य स्तर पर किसी भी प्रकार की राजकोषीय अनुशासनहीनता का सीधा असर देश की उधारी लागत पर पड़ता है। कहा गया, जहां केंद्र ने रिकॉर्ड सार्वजनिक निवेश के साथ अपने खर्च को संतुलित रखा है, वहीं कई राज्यों में बढ़ते राजस्व घाटे और बिना शर्त नकद अंतरण वृद्धि को बढ़ावा देने वाले खर्च को प्रभावित कर रहे हैं, जो नए जोखिम पैदा कर रहे हैं। कई राज्यों में बिना शर्त नकद अंतरण योजनाएं तेजी से बढ़ रही हैं और अब राज्य-स्तरीय कल्याणकारी खर्च का एक बड़ा हिस्सा बन गई हैं। विशेष रूप से महिलाओं के लिए चल रही इन योजनाओं पर वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 1.7 लाख करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

जंक फूड के विज्ञापन सुबह से देर रात तक रोकने की सिफारिश

नई दिल्ली। अधिक वसा एवं चीनी वाले अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों (यूपीएफ) की बढ़ती खपत पर गंभीर चिंता जताते हुए सुबह से देर रात तक इन उत्पादों के विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया है। कहा गया है कि शिशु और छोटे बच्चों के इस्तेमाल वाले दूध एवं पेय पदार्थों के विपणन पर भी सख्त पाबंदियों की जरूरत है। उच्च वसा, चीनी और नमक वाले खाद्य पदार्थों के लिए चेतावनी के साथ पैकेट के सामने वाले हिस्से पर पोषण संबंधी सूचना देने और बच्चों को लक्षित विपणन पर लगाम लगाने का सुझाव दिया गया है। यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि व्यापार समझौते किसी भी तरह से सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों को कमजोर न करें। समीक्षा के मुताबिक, नुकसानदेह खाद्य उत्पाद (जंक फूड) के रूप में चिह्नित बर्गर, नूडल्स, पिज्जा एवं शीतल पेय का बढ़ता सेवन दुनियाभर में दीर्घकालिक बीमारियों को बढ़ावा दे रहा है। 2009 से 2023 के बीच भारत में यूपीएफ की खुदरा बिक्री 2006 के 90 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2019 में लगभग 38 अरब डॉलर हो गई जो करीब 40 गुना अधिक है। इस दौरान पुरुषों और महिलाओं दोनों में मोटापा लगभग दोगुना हो गया।

यूरिया की कीमतों को बढ़ाने और किसानों को डीबीटी का सुझाव

नई दिल्ली। आर्थिक समीक्षा में यूरिया की खुदरा कीमत में मामूली बढ़ोतरी करने की बात कही गई है जो मार्च 2018 से 242 रुपये प्रति 45 किलो बैग है। इसके समान राशि किसानों को प्रति एकड़ आधार पर हस्तांतरित की जाएगी। कहा गया है कि लागत सब्सिडी से आय सहायता की ओर प्रस्तावित बदलाव का लक्ष्य उर्वरक के उपयोग में तीन दशक पुराने असंतुलन को ठीक करना है, जो मिट्टी की गुणवत्ता को खराब कर रहा है और फसल की पैदावार को कम कर रहा है। आर्थिक समीक्षा में बताया गया है कि भारतीय किसानों द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला नाइट्रोजन-फॉस्फोरस-पोटेशियम (एनपीके) अनुपात वर्ष 2009-10 में 4:3.2:1 से घटकर वर्ष 2023-24 में 10.9:4.1:1 हो गया है, जिसका मुख्य कारण सब्सिडी वाले यूरिया के माध्यम से अत्यधिक नाइट्रोजन का उपयोग है। कृषि संबंधी मानक अधिकांश फसलों और मिट्टी के प्रकारों के लिए 4:2:1 के करीब अनुपात का सुझाव देते हैं।

आशावादी आर्थिक समीक्षा से बाजार ने तेजी पकड़ी, सेंसेक्स 222 अंक मजबूत

मुंबई। टाटा स्टील एवं लार्सन एंड टुब्रो में जबर्दस्त खरीदारी और आर्थिक समीक्षा 2025-26 में अगले वित्त वर्ष के लिए 6.8 से 7.2 प्रतिशत का वृद्धि अनुमान जताए जाने से बृहस्पतिवार को स्थानीय शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स में 222 अंक की बढ़त रही जबकि निफ्टी 76 अंक बढ़ा।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स दोपहर के सत्र में बढ़ी लिवाली के दम पर 221.69 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,566.37 अंक पर बंद हुआ। हालांकि, सुबह के कारोबार में यह 636.74 अंक टूटकर 81,707.94 अंक तक गिर गया था। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 76.15 अंक यानी 0.30 प्रतिशत चढ़कर 25,418.90 अंक पर बंद हुआ। सुबह के कारोबार में निफ्टी 25,159.80 अंक तक फिसल गया था। विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में तेजी और विदेशी कोषों के निवेश में बढ़ोतरी ने प्रमुख सूचकांकों को निचले स्तर से उबारने में मदद की।

देश में इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले 95 करोड़ के पार

बेंगलुरु, एजेंसी

- ग्रामीण उपयोगकर्ताओं की संख्या 57 प्रतिशत, पिछले साल की तुलना में आठ प्रतिशत वृद्धि

ग्रामीण संपर्क में तेजी, शॉर्ट वीडियो के बढ़ते चलन और एआई के बढ़ते इस्तेमाल के कारण वर्ष 2025 में भारत में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले लोगों की संख्या 95 करोड़ के पार पहुंच गई है। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में यह आंकड़ा दिया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में से 57 प्रतिशत यानी लगभग 54.8 करोड़ ग्रामीण भारत से हैं। इन रुझानों पर आधारित 'इंटरनेट इन इंडिया रिपोर्ट 2025' को कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी/बीटी और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की सचिव मंजुला एन की उपस्थिति में 'इंडिया डिजिटल समिट' में जारी किया गया। रिपोर्ट को 'इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया' और कांतार ने संयुक्त रूप से तैयार किया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अब 95.8 करोड़ सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं। यह पिछले वर्ष की तुलना में आठ प्रतिशत वृद्धि है जो दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते डिजिटल बाजारों में भारत की स्थिति को और पुख्ता करती है। बताया गया है कि भारत में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ा है। करीब 44 प्रतिशत लोग वॉयस सर्च, इमेज-आधारित सर्च, चैटबॉट और एआई फिल्टर जैसे फीचर्स का इस्तेमाल कर रहे हैं।

युवा कर रहे हैं सबसे ज्यादा एआई का इस्तेमाल

रिपोर्ट में कहा गया है कि युवाओं (15-24 वर्ष) में एआई का सबसे अधिक 57 प्रतिशत उपयोग देखा गया है। इसके बाद 25 से 44 वर्ष के लोग हैं, जिसमें 52 प्रतिशत लोगों ने एक साल के दौरान एआई का इस्तेमाल किया है। इसी तरह, शॉर्ट वीडियो मंच भी विकास के मुख्य चालक बनकर उभरे हैं। वर्ष 2025 में 61 प्रतिशत यानी लगभग 58.8 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने शॉर्ट-वीडियो देखे, जिनमें ग्रामीणों की संख्या शहरी लोगों से थोड़ी अधिक रही। ईकॉमर्स और डिजिटल आदतें रिपोर्ट में बताया गया है कि पारंपरिक ऑनलाइन बाजारों के अलावा अब 'क्विक कॉमर्स' और 'सोशल कॉमर्स' का चलन भी बढ़ रहा है। शहरी क्षेत्रों के 23 करोड़ लोगों ने एक साल में ऑनलाइन खरीदारी की।

केरल सरकार ने पेश किया चुनावी बजट

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

- पेंशनभोगियों के लिए14,500 करोड़, आशा और आंगनबाड़ी वर्कर का मानदेय बढ़ाया

केरल के वित्त मंत्री केएन बालागोपाल ने विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए 2026-27 के लिए बृहस्पतिवार को जनकेंद्रित बजट पेश किया। इसमें सामाजिक सुरक्षा पेंशनभोगियों की मदद के लिए 14,500 करोड़ रुपये की भारी राशि और कई नए सामुदायिक कार्यक्रमों के वित्तपोषण का प्रस्ताव है।

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन नीत दूसरी सरकार का छठा बजट पेश करते हुए बालागोपाल ने विधानसभा में मान्यता प्राप्त आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में 1,000 रुपये माह जबकि आंगनबाड़ी सहायकों के मानदेय में 500 रुपये की वृद्धि की घोषणा की। उन्होंने बताया कि प्राथमिक विद्यालय के पूर्व शिक्षकों और साक्षरता अभियान के प्रेरकों के वेतन में 1,000 रुपये प्रति माह की वृद्धि जबकि विद्यालय के रसोइयों की दैनिक मजदूरी में 25 रुपये प्रति दिन की बढ़ोतरी का प्रस्ताव है।

बजट में मुख्यमंत्री की स्त्री सुरक्षा योजना के लिए 3,700 करोड़ रुपये की घोषणा भी की गई है। इसके अलावा बजट में ग्रामीण रोजगार योजना के लिए पिछले वर्ष की तुलना में 1,000 करोड़ रुपये के आवंटन में वृद्धि, स्कूली बच्चों सहित सभी श्रेणियों के लोगों के लिए जीवन एवं स्वास्थ्य बीमा योजनाओं और कला एवं विज्ञान कॉलेज के छात्रों के लिए मुफ्त डिग्री शिक्षा की भी घोषणा की गई है। बजट में तिरुवनंतपुरम से कासरगोड तक क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली से संबंधित प्रारंभिक कार्यों के लिए 100 करोड़ रुपये के आवंटन की भी घोषणा की गई।

देश में औद्योगिक विकास को रोकने के लिए ट्रेड यूनियन नेता जिम्मेदार

घरेलू सहायकों के लिए न्यूनतम मजदूरी की मांग करने वाली याचिका खारिज की

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने घरेलू सहायकों के लिए न्यूनतम मजदूरी के व्यापक कानूनी ढांचे और इसे लागू करने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करने से यह कहते हुए बृहस्पतिवार को इन्कार कर दिया कि वह केंद्र और राज्यों को मौजूदा कानूनों में संशोधन पर विचार करने के लिए कहने वाला कोई आदेश जारी नहीं कर सकता। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि देश में औद्योगिक विकास को रोकने के लिए ट्रेड यूनियनवाद काफी हद तक जिम्मेदार रहा है।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, देश में ट्रेड यूनियनों की वजह से कितनी औद्योगिक इकाइयां बंद हो चुकी हैं, जरा हकीकत बताइए।। देश के सभी पारंपरिक उद्योग, इन झंडा यूनियनों की वजह से पूरे देश में बंद हो गए हैं। वे काम नहीं करना चाहते। देश में औद्योगिक विकास को रोकने के लिए ये ट्रेड यूनियन नेता काफी हद तक जिम्मेदार हैं। सीजेआई ने कहा, निस्संदेह शोषण होता है, लेकिन शोषण से निपटने के उपाय भी हैं। लोगों को उनके व्यक्तिगत अधिकारों के बारे में अधिक जागरूक किया जाना चाहिए था, लोगों को अधिक कुशल बनाया जाना चाहिए था, और भी कई सुधार किए जाने चाहिए थे। देश भर में लाखों घरेलू सहायकों की दुर्दशा की बात को मानते हुए सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि न्यायपालिका कानूनों को लागू करने के लिए विधायिका के अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण नहीं कर सकती।

पीठ ने अपने आदेश में कहा, जब तक विधायिका से उपयुक्त कानून बनाने का अनुरोध नहीं किया जाता, तब तक कोई भी लागू करने योग्य आदेश पारित नहीं किया जा सकता। इस अदालत द्वारा ऐसा कोई निर्देश जारी नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि, अदालत ने घरेलू सहायकों के संघ 'पेन थोजिलालार्गल संगम' समेत अन्य याचिकाकर्ताओं से राज्यों और केंद्र सरकार के समक्ष घरेलू सहायकों की दुर्दशा को उजागर करने का आग्रह किया ताकि इस मामले में उचित निर्णय लिया जा सके। अदालत ने कहा कि पत्राचार से पता चलता है कि राज्यों द्वारा इस पर सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है और हमें उम्मीद है कि उनकी सहायता और शोषण को रोकने के लिए एक उपयुक्त तंत्र तैनात किया जाएगा। पीठ ने इसके साथ जनहित याचिका का निपटारा कर दिया।

सेवा प्रदाता एजेंसियां श्रमिकों की वास्तविक शोषक

कोर्ट ने सेवा प्रदाता एजेंसियों द्वारा श्रमिकों के शोषण पर अफसोस जताते हुए कहा कि ये एजेंसिया शहरी क्षेत्रों में वास्तविक शोषक के रूप में उभरी हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'मैंने इसे व्यक्तिगत रूप से देखा है। सुप्रीम कोर्ट ने कुशल कर्मचारियों के एक विशेष समूह को नियुक्त करने के लिए एक एजेंसी को 40,000 रुपये का भुगतान किया, जबकि वास्तव में उन गरीब लड़कियों को केवल 19,000 रुपये ही मिल रहे थे। सीजेआई ने कहा कि सभी प्रमुख शहरों में सेवा प्रदाता एजेंसियों ने पैर फैला लिए हैं। उन्होंने कहा, इनके लिए एक शब्द है, जिसका प्रयोग मैं खुले न्यायालय में नहीं कर सकता। सभी प्रमुख शहरों में ये बड़ी संस्थाएं मौजूद हैं, जो इन लोगों का शोषण कर रही हैं। असली शोषक यही हैं।

बिहार में एसआईआर के खिलाफ दायर याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर बृहस्पतिवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इन याचिकाओं में गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ओर से दायर याचिका भी शामिल है। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल, अभिषेक सिंघवी, प्रशांत भूषण और गोपाल शंकरनारायण सहित कई वकीलों की दलीलें सुनने के बाद सुनवाई पूरी की। इस मामले में निर्वाचन आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी और मनिंदर सिंह उपस्थित हुए। अदालत ने पिछले साल 12 अगस्त को इस मामले में अंतिम बहस शुरू की थी।

स्वाट कमांडो को पति ने मार डाला, भाई को फोन पर सुनाईं चीखें

नई दिल्ली। दिल्ली में 27 वर्षीय महिला स्वाट कमांडो की उसके पति द्वारा निर्मम हत्या से पहले के क्षण और भी भयावह थे, जब पीड़िता का भाई फोन पर अपनी बहन की चीखें सुनकर भी कुछ नहीं कर पाया।

मृतका काजल चौधरी के भाई निखिल ने 22 जनवरी की उस भयावह घटना के बारे में कांपती आवाज में बताया, जब काजल के पति अंकुर ने भारी डंबल से उसके सिर पर वार किया था। उन्होंने कहा, अंकुर ने मुझे फोन पर बातचीत को रिकॉर्ड करने को कहा और कहा कि इसे पुलिस के लिए सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। फिर उसने मुझे बताया कि वह काजल को मार रहा है। और फिर, मैंने उसकी चीखें सुनीं।

दिल्ली पुलिस की विशेष प्रकोष्ठ में तैनात काजल, हमले के समय मोहन गार्डन स्थित अपने आवास पर थीं और वह चार महीने की गर्भवती थी। रक्षा मंत्रालय में क्लर्क उसके पति अंकुर को हमले के कुछ घंटों बाद गिरफ्तार कर लिया गया। वह दिल्ली छावनी में तैनात था। काजल ने पांच दिनों तक जीवन के लिए संघर्ष करने के बाद, 27 जनवरी की सुबह गाजियाबाद के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया।

भाजपा के सौरभ जोशी बने चंडीगढ़ के महापौर

चंडीगढ़। भाजपा के पार्षद सौरभ जोशी बृहस्पतिवार को चंडीगढ़ नगर निगम के नये महापौर चुने गए। पार्टी ने वरिष्ठ उपमहापौर और उपमहापौर के पद भी जीत लिए।

त्रिकोणीय मुकाबले में जोशी को 18, आप के उम्मीदवार योगेश ढिंगरा को 11 वोट मिले, कांग्रेस के गुरप्रीत सिंह को सात वोट मिले। इस बार महापौर चुनाव के लिए कांग्रेस और आप ने गठबंधन नहीं किया। परिणाम के बाद, दोनों के बीच जुबानी जंग छिड़ गई, दोनों पार्टियों के नेताओं ने एक-दूसरे पर भाजपा की मदद का आरोप लगाया।

शंकराचार्य सदानंद सरस्वती सरकार पर भड़के, कहा-शासक नहीं, जनता के सेवक

भिंड। प्रयागराज माघ मेले से जुड़े प्रकरण को लेकर शंकराचार्य सदानंद सरस्वती महाराज ने भिंड में सरकार पर तीखा हमला बोला। भिंड जिले के खनेता धाम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सत्ताधारी शासक नहीं, बल्कि जनता के सेवक होते हैं। धार्मिक आस्था को दबाने या कुचलने का दुस्साहस किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है।

भिंड जिले के खनेता धाम स्थित श्री रघुनाथ मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में शंकराचार्य ने प्रयागराज धरना प्रकरण को लेकर सरकार और प्रशासन के रवैये पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हाल की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि सत्ता के कुछ हिस्सों में खुद को सेवक नहीं बल्कि शासक समझने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जो लोकतंत्र और सनातन परंपरा दोनों के लिए घातक है। शंकराचार्य ने कहा कि प्रयागराज में गंगा स्नान से रोका जाना और ब्राह्मण विद्यार्थियों व साधु-संतों के साथ बल प्रयोग चूक नहीं, बल्कि आस्था पर सीधा प्रहार है। शंकराचार्य ने प्रयागराज की घटना को हठधर्मिता और संवेदनहीनता का प्रतीक बताया। शिखा पकड़कर मारपीट किए जाने की घटना पर कड़ा आक्रोश जताते हुए उन्होंने कहा कि शिखा हिंदू समाज की धार्मिक पहचान और आस्था का प्रतीक है। इसे पकड़कर अपमानित करना केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे समाज का अपमान है।

एसआईआरः भारत के लिए खेल चुके फुटबॉलर को नोटिस, बोले- देश के लिए खेलना क्या व्यर्थ

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान पूर्व अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी मेहताब हुसैन को सुनवाई के लिए तलब किया गया है जो भारत के लिए कई मैच खेल चुके हैं। देश के लिए करीब 30 मैच खेल चुके मेहताब हुसैन ने इस नोटिस पर गहरी व्यथा जताई है।

कोलकाता की दिग्गज टीमों मोहन बागान और ईस्ट बंगाल दोनों की कप्तानी कर चुके हुसैन ने देश का प्रतिनिधित्व कर चुके खिलाड़ियों को नागरिकता साबित करने की बाध्यता पर सवाल उठाया है। हुसैन को दक्षिण 24 परगना जिले के मल्लिकपुर के एक स्कूल में एक फरवरी को सुनवाई के लिए पेश होने का नोटिस मिला है। उन्होंने कहा कि वह इस समन से दुखी हैं। वह अभी यहां के पास न्यू टाउन में रहते हैं और मल्लिकपुर उनका पैतृक स्थान है और वह वहां के पंजीकृत मतदाता हैं। बताया जा रहा है कि उनकी मां से संबंधित दस्तावेजों में विसंगति पाए जाने के बाद नोटिस जारी किया गया था।

नाराजगी जताते हुए हुसैन ने कहा, मैंने राष्ट्रीय जर्सी पहनकर इतने मैच खेले हैं और देश के लिए अपना पसीना बहाया है। इसके बाद भी क्या मुझे यह साबित करने के लिए कतार में खड़ा होना पड़ेगा कि मैं भारतीय नागरिक हूं, क्या हमारा योगदान व्यर्थ हो गया। उन्होंने इस प्रक्रिया पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, मेरे मामले को छोड़ दें तो ऐसे बुजुर्ग और गंभीर रूप से बीमार लोग भी हैं जिन्हें कतारों में खड़ा किया जा रहा है। कुछ लोग व्हीलचेयर पर आ रहे हैं। उन्हें अपनी नागरिकता साबित करने के लिए इतनी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हुसैन से पहले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और पूर्व क्रिकेटर और बंगाल रणजी टीम के कप्तान लक्ष्मी रतन शुक्ला को भी एसआईआर सुनवाई के लिए बुलाया गया था।

खरगे और राहुल से मिले थरूर, कहा-सब कुछ ठीक

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने नाराजगी की खबरों के बीच बृहस्पतिवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की और कहा कि सब कुछ ठीक है तथा सब एकसाथ हैं।

संसद भवन स्थित खरगे के कार्यालय में यह मुलाकात हुई। थरूर ने इस मुलाकात को बहुत अच्छी, सार्थक और सकारात्मक करार दिया। उन्होंने कहा, सब कुछ ठीक है और हम सब एकसाथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी से इनकार करते हुए कहा कि यह उनके लिए कभी मुद्दा नहीं रहा।

राजकीय सम्मान के साथ अजित पवार का अंतिम संस्कार

बारामती, एजेंसी

- शाह-नवीन समेत कई नेता हुए शामिल गूंजे अजित दादा अमर रहे के नारे

महाराष्ट्र के पुणे जिले के बारामती में शोकाकुल लोगों ने बृहस्पतिवार को अपने नेता उपमुख्यमंत्री अजित पवार को अंतिम विदाई दी। पवार का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। अंतिम विदाई के लिए आए लोगों से खचाखच भरे बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में पवार के बेटों पार्थ और जय ने चिता को मुखाग्नि दी। इस दौरान 'अजित दादा अमर रहे' के नारे गूंजते रहे।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, मुरलीधर मोहोल, पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन राकांपा प्रमुख के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी मैदान में उपस्थित थे। बारामती पवार परिवार का गृहनगर है, जो पुणे से 100 किलोमीटर दूर है। अजित पवार के अंतिम संस्कार के लिए हजारों लोग एकत्रित हुए और जब उनके पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज में लपेटकर उनके गांव काटेवाडी से विद्या प्रतिष्ठान के मैदान में लाया गया। पुणे से करीब 100 किलोमीटर दूर बारामती हवाई पट्टी के पास बुधवार सुबह एक 'लियरजेट' विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से अजित पवार की मृत्यु हो गई थी।

दुर्घटना में जान गंवाने वाले पायलट कैप्टन सुमित कपूर का दिल्ली के पंजाबी बाग श्मशान घाट और फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली का मध्य मुंबई के शिवाजी पार्क श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। पवार के निजी सुरक्षा अधिकारी विदिप जाधव का अंतिम संस्कार बुधवार देर रात सतारा जिले में उनके पैतृक स्थान पर किया गया।

विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद : मुंबई। नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि बुधवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए लियरजेट 45 विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है। मंत्रालय ने कहा कि एएआईबी इस दुर्घटना की जांच तेजी से कर रहा है।

बारामती में राजकीय सम्मान के साथ किया गया अजित पवार का अंतिम संस्कार।

कोलंबिया में यात्री विमान हादसे का शिकार, 15 लोगों की गई जान

- विमान में 13 यात्री और चालक दल के दो सदस्य थे सवार

बोगोटा, एजेंसी

उत्तर-पूर्वी कोलंबिया में बुधवार को एक यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से जिसमें सवार सभी 15 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में कोलंबियाई सांसद डियोजेनेस क्विंटरो अमाया और एक अन्य नेता कार्लोस साल्सेडो भी शामिल हैं यह दुर्घटना तब हुई जब कोलंबियाई एयरलाइन साटेना द्वारा संचालित विमान बीचक्राफ्ट 1900 वेनेजुएला की सीमा के पास स्थित कुकुटा से ओकांया जा रहा था।

साटेना ने एक्स पर जारी एक बयान में कहा, साटेना एयरलाइन को यह बताते हुए गहरा दुख हो रहा है कि कुकुटा से ओकांया के लिए उड़ान भरने वाला बीचक्राफ्ट विमान, भीषण दुर्घटना का शिकार हो गया है। विमान में 13 यात्री और चालक दल के दो सदस्य सवार थे। इसमें एक कोलंबियाई सांसद और एक चुनावी प्रत्याशी शामिल थे। कोलंबिया के परिवहन मंत्रालय ने पुष्टि की है कि इस हादसे में कोई भी जीवित नहीं बचा है। विमान का मलबा एक दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्र में मिला है, और घने जंगल के कारण खोज एवं बचाव कार्यों में काफी मुश्किलें आ रही हैं।

थाईलैंड में विमान क्रैश, दो की मौत

बैंकाक। थाईलैंड के उत्तरी शहर चियांग माई में एक प्रशिक्षण विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से गुरुवार को वायुसेना के दो पायलटों की मौत हो गई। सेना के प्रवक्ता एयर मार्शल जैक्रिट थम्माविचाई ने बताया कि एटी-6टीएच वूल्वरिन हल्का हमलावर और टोही विमान चियांग माई हवाई अड्डे से लगभग 60 किमी दूर चोम थोंग जिले में एक सैन्य प्रशिक्षण क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दो सीट वाले विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों की जांच की जा रही है।

देश के अर्थतंत्र का रोडमैप

केंद्रीय बजट

बजट शब्द की उत्पत्ति फ्रांसीसी शब्द बोगेट से हुई है, जिसका अर्थ है चमड़े का थैला। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 112 के तहत इसे वार्षिक वित्तीय विवरण कहा जाता है। सरल शब्दों में, यह सरकार की आगामी वित्तीय वर्ष (1 अप्रैल से 31 मार्च) के लिए अनुमानित कमाई (राजस्व) और खर्च (व्यय) का लेखा-जोखा है। बजट केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि सरकार की प्राथमिकताओं का दर्पण है। यह बताता है कि सरकार देश के किन क्षेत्रों जैसे कृषि, रक्षा, शिक्षा या स्वास्थ्य को बढ़ावा देना चाहती है और इसके लिए धन कहां से आएगा। 1 फरवरी 2026 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपना लगातार नौवां बजट पेश करने जा रही हैं, जो भारतीय संसदीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण कीर्तिमान है। आइए जानते हैं बजट कैसे बनता है, कौन बनाता है और आय-व्यय का अर्थशास्त्र..।

कैसे तैयार होता है बजट

- प्रारंभिक अनुमान (सितंबर-अक्टूबर): वित्त मंत्रालय सभी मंत्रालयों और विभागों को सर्कुलर भेजकर उनके खर्चों का अनुमान मांगता है।
- बैठकें और चर्चा (नवंबर-जनवरी): मंत्रालयों और विभिन्न हितधारकों (उद्योग जगत, किसान, अर्थशास्त्री) के साथ चर्चा की जाती है कि किसे कितना फंड चाहिए और टैक्स में क्या बदलाव होने चाहिए।
- हलवा सेरेमनी: बजट दस्तावेज की छपाई शुरू होने से पहले वित्त मंत्रालय में हलवा सेरेमनी होती है। इसके बाद बजट से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी बाहरी दुनिया से कटकर 'नार्थ ब्लॉक' के बेसमेंट में तब तक रहते हैं जब तक बजट पेश न हो जाए।
- संसद में प्रस्तुति: 1 फरवरी को वित्त मंत्री लोकसभा में बजट भाषण देती हैं और बजट दस्तावेज पेश करती हैं।

कहां से आता है धन

- प्रत्यक्ष कर: इसमें इनकम टैक्स और कॉर्पोरेट टैक्स से मिलने वाली आय शामिल होती है।
- अप्रत्यक्ष कर: इसमें सबसे बड़ा हिस्सा जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) और सीमा शुल्क का होता है।
- गैर-कर राजस्व: पीएसयू (जैसे रेलवे, सेल) से मिला मुनाफा, आरबीआई से प्राप्त डिविडेंड और ब्याज।
- ऋण: जब खर्च कमाई से ज्यादा हो जाता है, तो सरकार कर्ज लेती है, जिसे राजकोषीय घाटा कहते हैं।

कौन-कौन विभाग शामिल

- वित्त मंत्रालय: बजट का मुख्य जिम्मा वित्त मंत्रालय का होता है, जिसके अंतर्गत कई विभाग सक्रिय रहते हैं।
- आर्थिक मामलों का विभाग: आर्थिक मामलों का विभाग (डीईए) बजट बनाने वाला नोडल विभाग है।
- व्यय विभाग: यह खर्चों की निगरानी करता है।
- राजस्व विभाग: यह टैक्स, कमाई का हिसाब रखता है।
- नीति आयोग और आरबीआई: ये संस्थाएं आर्थिक परामर्श और डेटा प्रदान करती हैं।

विशेषताएं

- 2019 में निर्मला सीतारमण ने बजट को लाल कपड़े में लिपटे बही-खाता में लाना शुरू किया। 2021 से यह डिजिटल हो गया। मुख्य रूप से राजस्व बजट और पूंजीगत बजट पेश किए जाते हैं। वर्तमान बजटों में विकसित भारत और सबका साथ, सबका विकास की थीम पर जोर दिया जा रहा है।

वर्ल्ड ब्रीफ

चीनी नागरिक को अमेरिका में शरण

वाशिंगटन। अपने देश में मानवाधिकार हनन को उजागर करने वाले एक चीनी नागरिक को बुधवार को एक अमेरिकी आव्रजन न्यायाधीश ने अमेरिका में शरण की इजाजत दे दी। प्रवासियों के खिलाफ आव्रजन की कार्रवाई के दौरान हिरासत में लिए गए चीनी नागरिक ने आशंका जताई थी कि अगर उन्हें उनके देश वापस भेजा गया तो उन्हें चीन में यातनाएं झेलनी पड़ सकती हैं। चीनी नागरिक 38 वर्षीय गुआन हेंग ने 2021 में अवैध रूप से अमेरिका पहुंचने के बाद शरण के लिए आवेदन किया था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की ओर से जारी व्यापक निर्वासन अभियान के तहत अगस्त में आव्रजन प्रवर्तन अभियान में पकड़े जाने के बाद से गुआन हेंग हिरासत में हैं।

संग्रहालय से चोरी के मामले में एक गिरफ्तार

लंदन। दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के एक संग्रहालय में भारत से लाई गईं कई कलाकृतियों की चोरी के मामले की जांच के तहत गुरुवार को 41 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। एवन और समरसेट पुलिस ने बताया कि पिछले साल सितंबर में ब्रिस्टल संग्रहालय के ब्रिटिश साम्राज्य और राष्ट्रमंडल संग्रह से 600 से अधिक उच्च मूल्य की वस्तुएं चोरी होने के बाद उन्हें ठिकाने लगाने के संदेह में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि उसने पिछले महीने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए चार श्वेत पुरुष संदिग्धों के सीसीटीवी फुटेज जारी किए थे।

नेपाल के पूर्व पीएम माधव अस्पताल में

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल को हृदय संबंधी समस्या के कारण काठमांडू के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) के एक सूत्र ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एनसीपी के उप-समन्वयक एवं पांच मार्च को होने वाले संसदीय चुनाव के लिए रौतहट-एक निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार माधव कुमार (72) को बुधवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्हें हृदय संबंधी समस्याएं हैं।

डेल्सी बने वेनेजुएला के कमांडर इन चीफ

काराकास। वेनेजुएला की सेना ने एक सैन्य समारोह के दौरान कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज के प्रति निष्ठा की शपथ ली और उन्हें औपचारिक रूप से कमांडर-इन-चीफ के रूप में मान्यता दी। समारोह में गृह, न्याय और शांति मंत्री डियोसडाडो कैबेलो ने राष्ट्र के सभी सुरक्षा बलों द्वारा सहमति प्राप्त एक संयुक्त बयान पढ़ा।

भविष्य की ऊर्जा को लेकर दुनिया की नजरें भारत पर टिकीं : कैमेरा

रेजाक बेनिसेफ ने कहा, भारत विश्व की सबसे तेज उभरती अर्थव्यवस्था वाला देश

अनिल त्रिगुणायत, गोवा

अमृत विचार : जैसे जिंदगी के लिए जल अपरिहार्य है, वैसे ही मानव जीवन हेतु भविष्य की ऊर्जा भी अनिवार्य। ऊर्जा के बिना किसी भी देश का विकास अकल्पनीय। आज पूरी दुनिया तेल के खेल में यूं ही नहीं फंसी है। पारंपरिक ऊर्जा के स्रोत घट रहे हैं। ऐसे में समूचा विश्व नवीनीकृत ऊर्जा के स्रोतों की ओर ताक रहा है। भविष्य की ऊर्जा को लेकर विश्व आज भारत पर टकटकी लगाए हुए है। उक्त बातें गुरुवार को ऊर्जा विशेषज्ञों ने यहां एक विशेष गोष्ठी में कहीं।

गोवा के बेतूल गांव स्थित ओएनजीसी परिसर में भारत ऊर्जा सम्मेलन के तीसरे दिन वैश्विक ऊर्जा की दिशा-दशा विषय पर परिचर्चा में अंतर्राष्ट्रीय रिन्यूएबल ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक फ्रांसेस्को ला कैमेरा ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर भारत पर आज दुनिया की नज़र टिकी हुई है। करीब 140 करोड़ आबादी वाला देश अपारंपरिक ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ चला है। ओपेक के ऊर्जा विशेषज्ञ डा. अब्दे रेज़ाक बेनिसेफ ने कहा कि तीव्र गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था और ऊर्जा क्षेत्र में भारत से दुनिया को काफी उम्मीद है। शंघाई सहयोग संगठन के उप महासचिव टीआर मिथुन ने कहा कि तकनीकी क्षेत्र के अलावा ऊर्जा क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम दुनिया के लिए भी प्रेरणादायक है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा फोरम के महासचिव जस्सीम अल शिरावी ने कहा कि आने वाले दिनों में पारंपरिक ऊर्जा मांग/आपूर्ति में सामंजस्य नहीं बैठा पाएगी। क्योंकि विश्व की जनसंख्या लगातार बढ़ रही। ऐसे में अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर गंभीरता से कार्य करने की जरूरत। परिचर्चा में यूएई ऊर्जा मंत्री अहमद अल काबी, नीदरलैंड के जलवायु नीति मंत्री डा. माइकल हिजद्रा, डेनमार्क के राजदूत रास्मस एबल्डगार्ड क्रिसटेनसेन तथा अमेरिकी ऊर्जा विभाग के सहायक सचिव काईले हॉस्टविट समेत अन्य ऊर्जा विशेषज्ञ भी रहे।

हरित हाइड्रोजन भविष्य का ऊर्जा विकल्प

विश्व में हरित हाइड्रोजन को गंभीरतापूर्वक बढ़ावा दिया जा रहा है। हाइड्रोजन उत्पादन में चीन का स्थान पहला है। चीन वैश्विक क्षमता के 50 प्रतिशत के साथ हरित हाइड्रोजन का उत्पादन कर रहा है, इसका सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है। सऊदी अरब दुनिया की सबसे बड़ी हाइड्रोजन परियोजना का निर्माण कर रहा है। वहीं, भारत में आंध्र प्रदेश को हरित हाइड्रोजन का हब बनाया जा रहा है। हरियाणा के हिसार में देश का पहला आफ ग्रिड हरित हाइड्रोजन संयंत्र कार्य भी कर रहा। यूपी के गोरखपुर में देश का दूसरा हरित हाइड्रोजन संयंत्र लगाने का उपक्रम जारी है। जान लें, हरित हाइड्रोजन का उत्पादन इलेक्ट्रोलिसीस की प्रक्रिया द्वारा किया जाता है।

ऊर्जा क्षेत्र में भारत उभरता बाजार : पुरी

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में भारत एक बड़ा उभरता बाजार है। अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर यहां काफी कुछ किया जा रहा है। खाड़ी के देशों के अलावा एशिया पेसिफिक के देशों में भी भारत ने तेजी से पहुंच बनाई है। गुरुवार को प्रेसवार्ता में पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि विश्व की दिग्गज ऊर्जा कंपनियों ने ऊर्जा क्षेत्र में भारत में निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। जिनमें टोटल एनर्जी, बीपी, विटो हुंडई, एचडी केएसओई, अकेर, लिजा टेक, इंटरनेशनल एनर्जी फोरम, एक्सलेरेट, वुड मैकेंजी, ट्राफीगुरा, स्टैटसोली, प्राज, रिन्यू व एमओएल के अलावा वेदांता, अदानी, रिलायंस, बिरला, थापर, गैलेंट आदि शामिल हैं।

ईरान ने अपनी सेना में शामिल किए एक हजार लड़ाकू ड्रोन

तेहरान। ईरान ने गुरुवार को कहा कि उसने अपनी सैन्य इकाइयों में देश में बने एक हजार लड़ाकू ड्रोन शामिल किए हैं। ईरान की अर्ध-सरकारी तसनीम समाचार एजेंसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि सेना प्रमुख अमीर हातेमी के आदेश पर थल सेना, नौसेना और वायु सेना को ये लड़ाकू ड्रोन दिए गए हैं। इन ड्रोनों को सेना के विशेषज्ञों और रक्षा मंत्रालय ने मिलकर बढ़ते खतरों से निपटने और पिछले साल इज़राइल के साथ हुए 12-दिवसीय युद्ध से मिले सबक को देखते हुए विकसित किया गया है। ये ज़मीन, समुद्र और हवा में तय या चलते-फिरते लक्ष्यों पर हमला करने, घुसपैठ, विनाश, जासूसी, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध करने में सक्षम हैं।

हातेमी ने कहा कि भविष्य के खतरों को देखते हुए सेना ने अपनी रणनीति को मजबूत करने को प्राथमिकता दी है ताकि किसी भी हमले का करारा जवाब दिया जा सके। इस हफ़्ते की शुरुआत में अमेरिका द्वारा मध्य पूर्व में एक कैरियर-नेतृत्व वाले स्ट्राइक ग्रुप की तैनाती के बाद यह आपूर्ति की गई है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि एयरक्राफ्ट कैरियर अब्राहम लिंकन के नेतृत्व में एक बहुत बड़ा बेड़ा ईरान की ओर बढ़ रहा है।

रणनीतिक साझेदारी को सुदृढ़ करेंगे चीन-ब्रिटेन

- स्टार्मर-शी जिनपिंग मुलाकात में संबंधों के सुधार पर जोर

बीजिंग, एजेंसी

ब्रिटेन और चीन के नेताओं ने बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के बीच दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने के लिए व्यापक रणनीतिक साझेदारी का आह्वान किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हाल में उठाए गए कई कदमों को लेकर उत्पन्न परिस्थितियों के बीच बीजिंग में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर की गुरुवार को मुलाकात हुई। हालांकि शी और स्टार्मर ने सार्वजनिक रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति का नाम नहीं लिया।

स्टार्मर ने जिनपिंग से कहा कि मेरे हिसाब से, ऐसे समय में जब दुनिया मुश्किल दौर से गुजर रही है, तब जलवायु परिवर्तन और वैश्विक स्थिरता जैसे मुद्दों पर मिलकर काम करना ही सही मार्ग है, जिसके जरिए हमें अपने रिश्तों को आगे बढ़ाना चाहिए। बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात तय समय से दोगुने समय 80 मिनट तक हुई। यह बैठक ऐसे समय हुई है, जब कई वर्षों के तनाव के बाद दोनों देश अपने रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में, खासकर ब्रिटेन में चीन की जासूसी गतिविधियों, यूक्रेन युद्ध में रूस के लिए चीन के समर्थन, और हांगकांग में स्वतंत्रता पर पाबंदियों को लेकर दोनों देशों के संबंधों में खटास आ गई थी। जिनपिंग ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में चीन-ब्रिटेन के संबंध खास अच्छे नहीं रहे। तेजी से बदलते अंतर्राष्ट्रीय हालात में दुनिया में शांति और स्थिरता के लिए चीन व ब्रिटेन को सहयोग मजबूत करने की जरूरत है।

बड़ी ताकतों को अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए : जिनपिंग

शी जिनपिंग ने अमेरिका का नाम लिए बिना कहा कि बड़ी ताकतों को अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए, वरना दुनिया फिर जंगलराज जैसी स्थिति में चली जाएगी। बैठक के बाद स्टार्मर ने कहा कि दोनों ने 'स्कॉच व्हिस्की' पर चीन द्वारा शुल्क कम करना और ब्रिटिश यात्रियों के लिए वीजा-मुक्त यात्रा शुरू करने समेत कई मुद्दों पर वाकई अच्छी प्रगति की है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने कहा, दोनों के संबंध अच्छे दौर में है और मजबूत हैं।

निष्पक्ष चुनाव के बिना बांग्लादेश में अस्थिरता बढ़ेगी

ढाका। भारत में निर्वासन में रह रहीं बांग्लादेश की अपदस्थ नेता शेख हसीना ने उनकी पार्टी को चुनाव से बाहर किए जाने के बाद देश में होने जा रहे आगामी चुनाव की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि निष्पक्ष और समावेशी चुनाव के बिना देश में अस्थिरता बढ़ेगी। उनके इस बयान से आम चुनाव से पहले तनाव और बढ़ सकता है। शेख हसीना ने पिछले सप्ताह कहा कि यदि समावेशी, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव नहीं हुए, तो बांग्लादेश को लंबे समय तक अस्थिरता झेलनी पड़ेगी। हसीना को 2024 के छात्र आंदोलन को कुचलने के जुर्म में मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। उस कार्रवाई में सैकड़ों की जान चली गई थी और उनका शासन भी खत्म हो गया।

गाजा का संघर्ष सुलझाने में यूएस के प्रयास सराहनीय

- संयुक्त राष्ट्र में बोले भारत के राजदूत पर्वतनेनी हरीश

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने गाजा में लंबे समय से जारी संघर्ष को खत्म करने के लिए अमेरिका (यूएस) के प्रयासों की सराहना की, साथ ही इस मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव के कार्यान्वयन के संबंध में हाल में हुई प्रगति पर भी ध्यान आकृष्ट किया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने बुधवार को ये टिप्पणी की।

हरीश ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस में अपने संबोधन में कहा कि गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2803 के कार्यान्वयन के संबंध में हाल में हुई प्रगति पर भारत ने गौर किया है। भारत इस अवसर पर इस दीर्घकालिक मुद्दे को सुलझाने के लिए अमेरिका के प्रयासों के प्रति आभार भी व्यक्त करता है। पिछले साल नवंबर में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2803 में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 29 सितंबर की गाजा संघर्ष को समाप्त करने की व्यापक योजना का समर्थन किया गया था, जिसमें कहा गया है कि गाजा एक आतंकवाद-मुक्त क्षेत्र होगा जो अपने पड़ोसियों के लिए कोई खतरा नहीं पैदा करेगा और गाजा के लोगों के लाभ के लिए इसका पुनर्विकास किया जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका में सड़क हादसा, 11 लोगों की गई जान

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी क्वाजुलु नताल प्रांत में मिनीबस टैक्सी और ट्रक की टक्कर से 11 लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना दक्षिण अफ्रीका में एक अन्य घटना में एक मिनीबस टैक्सी और एक ट्रक की हुई सीधी भिड़ंत में 14 स्कूली बच्चों के मारे जाने के ठीक एक सप्ताह बाद हुई है।

प्रांतीय परिवहन विभाग के अधिकारी सिबोनीसो डुमा ने बताया कि गुरुवार को यह दुर्घटना पूर्वी क्वाजुलु-नताल प्रांत में हुई। हादसे में एक स्कूली छात्र सहित 11 लोगों की मौत हो गई। निजी पैरामेडिक सेवा एएलएस पैरामेडिक्स के प्रवक्ता गैरिथ जैमीसन ने बताया कि हादसे में कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें मिनी बस का चालक भी शामिल है।

ग्रीनलैंड पर नाटो और अमेरिका में संधि नहीं

- डेनमार्क की प्रधानमंत्री ने किसी भी समझौते से किया इनकार

पेरिस, एजेंसी

डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन ने बुधवार को इस बात से इनकार किया कि नाटो और अमेरिका के बीच ग्रीनलैंड मुद्दे पर कोई समझौता हुआ है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच में दावा किया था कि उन्होंने ग्रीनलैंड पर नाटो के साथ एक समझौता किया है।

जब फ्रांस-2 टीवी चैनल के साथ साक्षात्कार में फ्रेडरिकसेन से इस संबंध में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, यह कोई समझौता नहीं है। फ्रेडरिकसेन ने कहा कि असल में एक राज्य संप्रभु होता है। उसकी सीमाओं का सम्मान किया जाना चाहिए और दूसरे लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए। फ्रेडरिकसेन ने कहा कि अगर ग्रीनलैंड में सैन्य साधनों का इस्तेमाल किया जाता है, तो सब कुछ रुक जाएगा। उन्होंने कहा कि यह उन सभी चीज़ों के खिलाफ होगा जो हम दूसरे विश्व युद्ध के खत्म होने के बाद से बना रहे हैं। फ्रेडरिकसेन बुधवार को ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नील्सन के साथ फ्रांस पहुंचीं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका के साथ बढ़ता तनाव पूरे यूरोप के लिए एक रणनीतिक चेतावनी है।

आयुष्मान योजना अंडमान सर्वश्रेष्ठ केंद्र शासित प्रदेश

श्री विजय पुरम। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत लाभार्थियों के उपचार श्रेणी में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को सर्वश्रेष्ठ केंद्र शासित प्रदेश का पुरस्कार दिया है। यह पुरस्कार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के सम्मान स्वरूप प्रदान किया गया। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के मुख्य सचिव चंद्र भूषण कुमार ने कहा कि मैं योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पूरी टीम की सराहना करता हूं। इस तरह का सम्मान जनसेवा करते समय टीम को हमेशा प्रोत्साहित करता है। इस केंद्र शासित प्रदेश में योजना के 83,538 लाभार्थी हैं जिनमें 41,450 महिलाएं हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 30 जनवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 11.09 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

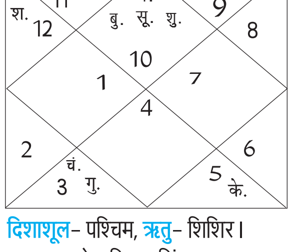

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-आर्द्रा 31 जनवरी 03.27 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

मेष - आज अपनी मानसिक स्थिति को हर परिस्थिति में सकारात्मक रखें। घरेलू वातावरण अच्छा रहेगा। आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। व्यापारिक उद्देश्य से यात्रा हो सकती है। वाणी में हल्के शब्दों का प्रयोग करने से बचें।

वृष - आज विदेश यात्रा को लेकर परेशानी हो सकती है। संतान के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। धन उधार देने से बचें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय को लेकर जल्दबाजी न करें। घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है।

मिथुन - आज पारिवारिक कार्यक्रमों में आप अत्यधिक व्यस्त हो सकते हैं। घर के सदस्यों की सुरक्षा की कुछ चिंता हो सकती है। विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। आपके व्यवहार से सहकर्मी प्रसन्न रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी नेतृत्व क्षमता की लोग प्रशंसा करेंगे।

कर्क - आज व्यर्थ भागदौड़ करने से बचें। कानूनी अड़चनों का सामना करना पड़ सकता है। मन में अज्ञात भय का भाव रहेगा। आपकी दिनचर्या थोड़ी अव्यवस्थित हो सकती है। जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें। आलस्य के कारण कुछ काम रुक सकते हैं।

सिंह - आज का दिन आपके लिए अत्यधिक अनुकूल रहने वाला है। आपको रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। इष्ट मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति अति उत्तम रहेगी। भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद लेंगे।

कन्या - आज सरकारी कार्यों में विलंब हो सकता है। आप कई लोगों को उचित सलाह देंगे, जिससे उन्हें लाभ होगा। लोग आपकी बातों से सहमत रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको अतिरिक्त आय प्राप्त हो सकती है। परिवार के सदस्यों की चिंता रहेगी।

तुला - आज आप कुछ नया सीखने का प्रयास कर सकते हैं। पुराना रोग उभर सकता है। व्यवसाय में सहयोगियों के व्यवहार से आप व्यथित हो सकते हैं। जीवनसाथी का अनादर न करें। माता के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको सम्मान मिल सकता है।

वृश्चिक - आज का दिन शांतिपूर्वक बिताएं। दूसरों के मामलों में ज्ञान देने से बचें। विवादित मामलों में फंस सकते हैं। पति-पत्नी के आपसी संबंध प्रभावित होने की संभावना है। महिलाओं को स्वास्थ्य समस्या हो सकती है।

धनु - आज नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति मजबूत होगी। व्यवसाय में आय बढ़ने से मन हर्षित रहेगा। आपको पुराने अनुभव काफी काम आएंगे। भाई-बहनों के साथ संबंध बेहतरीन रहेंगे। परिवार के प्रति भावुक रहेंगे।

मकर - आज आप अत्यंत ऊर्जावान महसूस करेंगे। बच्चों की गलतियों को अनदेखा न करें। विरोधी आपके सामने समस्याएं खड़ी करने का प्रयास करेंगे। घर और कार्यक्षेत्र में कुछ इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खराब हो सकते हैं। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है।

कुंभ - आज गुप्त तरीके से किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी। पारिवारिक समस्याओं का निराकरण होगा। सेहत को लेकर आपको थोड़ी कठिनाई होगी। आपकी कोई बहुप्रतीक्षित इच्छा पूरी हो सकती है। आय के साथ खर्च भी बढ़ने की संभावना है।

मीन - आज गलत कार्यों और संगति से दूर रहें। स्वार्थ की भावना के कारण लोग आपसे दूरी बना सकते हैं। धन खर्च करने के बजाय आपको बचत करनी चाहिए। प्रभावशाली लोगों को अपयश का सामना करना पड़ सकता है।

सुडोकू -46

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

3			4		8			
5			6				7	1
		9		2		6		
			8		6			5
	3	4				2	9	
1			9		2			
2		3		1		8		
6	7				4			3
			3		5			2

सुडोकू - 45 का हल

5	4	2	9	6	7	8	1	3
8	9	1	5	3	4	6	2	7
6	3	7	1	8	2	9	5	4
3	6	5	2	1	9	7	4	8
1	8	4	7	5	3	2	9	6
2	7	9	8	4	6	1	3	5
7	1	3	6	9	5	4	8	2
4	2	8	3	7	1	5	6	9
9	5	6	4	2	8	3	7	1

यह सब मेरी कड़ी मेहनत का नतीजा है। लगातार मैच खेलने और ऐसी परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने से मेरी मानसिकता बेहतर हो रही है। इसलिए मैं यहां समझने लग गया हूं कि आगे क्या होगा और गेंदबाज क्या सोच कर मेरे लिए गेंदबाजी करेगा।
–शिवम दुबे

स्टेडियम

अमृत विचार
www.amritvichar.com
कानपुर नगर, शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

हाईलाइट

मेरी भूमिका रक्षात्मक गेंदबाजी करना और विकेट लेना है : सैंटनर

विशाखापत्तनम। न्यूजीलैंड के कप्तान और बाएं हाथ के स्पिनर मिचेल सैंटनर ने कहा कि टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में उनकी भूमिका रक्षात्मक गेंदबाजी करना, दबाव बनाना और विकेट लेना है तथा भारत के खिलाफ यहां चौथे टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में इस रणनीति का शानदार परिणाम देखना संतोषजनक रहा। सैंटनर ने इस मैच में 26 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने संजू सैमसन को बोल्ड करके उनकी परेशानियां बढ़ा दी और फिर हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह के विकेट भी लिए। न्यूजीलैंड ने यह मैच 50 रन से जीता।

निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं : उच्च न्यायालय

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि पूर्व भाजपा सांसद बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ कई महिला पहलवानों द्वारा दायर यौन उत्पीड़न मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा ने यह बयान भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख की एफआईआर और उनके खिलाफ दर्ज आरोपों को रद्द करने की याचिका पर सुनवाई के लिए 21 अप्रैल की तारीख तय करते हुए दिया। याचिकाकर्ता के वकील द्वारा स्थगन का अनुरोध किए जाने पर न्यायाधीश ने याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी और अगली सुनवाई की तारीख पर निचली अदालत के रिकॉर्ड मंगवाए।

ईएफआई ने आरोपी सदस्य को जॉर्डन में कोच के रूप में भेजा

नई दिल्ली। दुष्कर्म के आरोपी कर्नल (सेवानिवृत्त) तरसेम सिंह वरैच को विदेशी दौरे के लिए नामित किए जाने से एक बार फिर भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) सवालों के घेरे में आ गई है। खेल मंत्रालय ने इसी बीच अलग मामले में लंबे समय से चले आ रहे प्रशासनिक और नियमों के पालन में विफलताओं को लेकर ईएफआई को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है। ईएफआई से जुड़ा नवीनतम विवाद उस फैसले से जुड़ा है, जिसमें तरसेम सिंह को 29 से 31 जनवरी तक जॉर्डन में होने वाले विश्व कप क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम का कोच-सह-मैनेजर बनाया गया है। इस प्रतियोगिता की शीर्ष दो टीमें फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

टीम के साथ जश्न मनातीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ग्रेस हैरिस।

आरसीबी ने फाइनल में पक्की की जगह

महिला प्रीमियर लीग

- यूपी वॉरियर्स को आठ विकेट से हराया

वडोदरा, एजेंसी

पूर्व चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने महिला प्रीमियर लीग में बृहस्पतिवार को यहां जोरदार वापसी करते हुए यूपी वॉरियर्स को आठ विकेट से करारी शिकस्त देकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। यूपी वॉरियर्स के लिए इस हार के बाद प्ले ऑफ में जगह बनाने काफी मुश्किल हो गया है।

नाडिन डि क्लर्क के चार विकेट और ग्रेस हैरिस के दो विकेट से आरसीबी ने शानदार शुरुआत करने वाली यूपी वॉरियर्स को आठ विकेट पर 143 रन पर रोक दिया। टीम ने इसके बाद हैरिस (37 गेंद में 75) और मंधाना (27 गेंद में नाबाद 54) की 108 रन की आक्रामक साझेदारी से महज 13.1 ओवर में दो विकेट गंवा कर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस बड़ी जीत के साथ आरसीबी के 12 अंक हो गए, जिससे टीम ने फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली और पांच टीमों की तालिका में शीर्ष स्थान पर भी कब्जा जमाया। यूपी वॉरियस चार अंकों के साथ तालिका में सबसे नीचे बनी हुई है और एक मैच शेष होने के बावजूद उसका नेट रन रेट भी सबसे खराब है, जिससे उसका अभियान लगभग खत्म होने की कगार पर है। लक्ष्य का पीछा करते हुए 'प्लेयर ऑफ मैच' हैरिस ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए। उन्होंने शुरुआती ओवरों में क्रांति गौड़ को निशाना बनाया।

नाडिन डि क्लर्क।

प्लेऑफ का टिकट कटाने उतरेंगी गुजरात और मुंबई की टीमें

वडोदरा। मौजूदा चैंपियन और दो बार की विजेता मुंबई इंडियंस की टीम शुक्रवार को जब गुजरात जायंट्स से भिड़ेगी तो दोनों प्लेऑफ में अपनी जगह सुरक्षित करने की कोशिश करेंगी। गुजरात जायंट्स इस मैच में जीत दर्ज करके लगातार दूसरी बार प्लेऑफ में जगह पक्की करना चाहेगा। गुजरात जायंट्स फिलहाल आठ अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है और उसका नेट रन रेट -0.271 है। वह मुंबई इंडियंस (छह अंक, नेट रन रेट +0.146) और दिल्ली कैपिटल्स (छह अंक, नेट रन रेट -0.164) से दो अंक आगे है।

महिला ताज के लिए भिड़ेंगी सबालेंका और रिबाकिना

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : लगातार चौथी बार फाइनल में पहुंचीं एरिना

मेलबर्न, एजेंसी

दो बार की चैम्पियन शीर्ष वरीयता प्राप्त एरिना सबालेंका ने एलिना स्वितोलिना को 6-2, 6-3 से हराकर लगातार चौथी बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उनका सामना एलेना रिबाकिना से होगा जिनके खिलाफ वह 2023 फाइनल खेली थी। रिबाकिना ने छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को 6-3, 7-6 से हराया। सबालेंका ओपन युग में इवोन्ने गूलागोंग और मार्तिना हिंगिस के बाद लगातार चौथी बार आस्ट्रेलियाई ओपन एकल फाइनल में पहुंचने वाली तीसरी महिला खिलाड़ी है।

सबालेंका की पिछले 27 मैचों में से 26वीं जीत थी, जिससे वह पांचवें ग्रैंड स्लैम टाइटल के करीब पहुंच गईं। 27 साल की सबालेंका की इन चार सालों में एकमात्र हार पिछले साल के फाइनल में मैडिसन कीज से तीन सेट में चौंकाने वाली हार थी, जिससे उनका लगातार तीसरा ऑस्ट्रेलियन ओपन टाइटल जीतने का सपना टूट गया। सबालेंका का ताज फिर से जीतने का मौका पूर्व विंबलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना के खिलाफ होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को हराया।

सबालेंका, जिन्होंने टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया है, ने कहा काम अभी खत्म नहीं हुआ है। स्वितोलिना, जो अपना चौथा ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल खेल रही थीं, एक बड़ी अंडरडॉग के तौर पर उतरीं, लेकिन साल की अच्छी शुरुआत के बाद कॉन्फिडेंस के साथ उन्होंने आखिरी आठ में नंबर 3 कोको गॉफ को हराकर नई ऊंचाइयों को छुआ। लेकिन सबालेंका के जबरदस्त ग्राउंडस्ट्रोक्स के सामने उनका कोई चांस नहीं था, शायद उनका सबसे अच्छा बैकहैंड क्रॉसकोर्ट बुलेट था जिसने 41 मिनट का पहला सेट जीत लिया। मुश्किलों के बावजूद, स्वितोलिना ने दूसरे सेट में 2-0 की बढ़त बना ली, इससे पहले कि सबालेंका ने अपनी ज़बरदस्त हिटिंग फिर से शुरू की और एक ज़बरदस्त फोरहैंड विनर ने उन्हें लगातार चौथे फ़ाइनल में जगह दिलाई। इस बीच रायबाकिना ने पेगुला को हराकर 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल का रीमैच तय किया।

एरिना सबालेंका।

एलेना रिबाकिना।

2023 में सबालेंका के खिलाफ मुकाबला शानदार था। उस समय उसने बेहतर खेला और खिताब जीता। उम्मीद है कि इस बार मैं बेहतर खेल सकूंगी।
–एलेना रिबाकिना

इतिहास रचना चाहते हैं नोवाक जोकोविच

मेलबर्न। पुरुष टेनिस के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में यानिक सिनर के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और वह खुद का इतिहास रचने पर ध्यान दे रहे हैं। अब तक रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले जोकोविच जब सिनर के खिलाफ मुकाबले के संदर्भ में सवालों का जवाब दे रहे थे तब एक सवाल पर उन्हें अपमान महसूस हुआ। जोकोविच वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 11वां खिताब जीतने की कवायद में हैं।

जोकोविच से उस दौर से तुलना करने के लिए कहा गया जब उन्होंने टेनिस जगत में कदम रखा था तथा उस समय रोजर फेडरर और राफेल नडाल शीर्ष पर थे और अब जबकि सिनर और कार्लोस अल्काराज़ ने पिछले दो सत्र से उन्हें कोई भी ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने से रोक रखा है। जोकोविच ने सवालिया अंदाज में कहा मैं यानिक और कार्लोस का पीछा कर रहा हूं। किस अर्थ में। मैं हमेशा पीछा करने वाला खिलाड़ी ही रहा हूं। मेरा कभी पीछा नहीं किया जाता। उन्होंने कहा मुझे यह थोड़ा अपमानजनक लगता है कि आप उस दौर के बीच की घटनाओं को नजरअंदाज कर रहे हैं जब मैंने आपके अनुसार राफा और रोजर का पीछा करना शुरू किया था।

शॉट लगाते उत्तर प्रदेश के ध्रुव जुरेल। एजेंसी

जुरेल शतक से चूके यूपी ने बनाए 237 रन

नागपुर, एजेंसी

भारत के अंतरराष्ट्रीय स्टार ध्रुव जुरेल शतक से चार रन से चूक गए और उनकी टीम विदर्भ के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए के आखिरी लीग मैच में 237 रन पर आउट हो गई। विदर्भ के लिये बायें हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे ने छह विकेट चटकाये। पहले दिन का खेल समाप्त होने पर विदर्भ ने बिना किसी नुकसान के 33 रन बना लिये थे। पहले बल्लेबाजी चुनने वाली उत्तर प्रदेश टीम के छह विकेट एक समय 109 रन पर गिर गए थे। इसके बाद जुरेल और शिवम मावी (47) ने सातवें विकेट के लिये 92 रन की साझेदारी की। जुरेल ने अपनी पारी में 11 चौके लगाए। विदर्भ के लिये दुबे ने 19.5 ओवर में 63 रन देकर छह विकेट लिए।

ग्रुप ए के एक अन्य मैच में सलेम में सुकीर्त पांडे के 222 गेंद में नाबाद 73 रन और निनाद राठवा के 112 गेंद में 66 रन की मदद से बड़ौदा ने तमिलनाडु के खिलाफ पांच विकेट पर 247 रन बनाए। दोनों ने पांचवें विकेट के लिये 85 रन की साझेदारी की। सुकीर्त ने अतीत सेठ (नाबाद 45) के साथ 90 रन जोड़े। सोविमा में एक अन्य मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज चेतन बिष्ट के नाबाद 160 रन की मदद से नगालैंड ने आंध्र के खिलाफ छह विकेट पर 322 रन बनाये। बिष्ट ने अपनी पारी में 23 चौके और एक छक्का लगाया और डेगा निश्छल (74) के साथ पांचवें विकेट के लिये 167 रन जोड़े। जमशेदपुर में ओडिशा ने झारखंड के खिलाफ छह विकेट पर 242 रन बनाए।

मुंबई ने दिल्ली को 221 रनों पर समेटा

मुंबई। सनत सांगवान के शानदार शतक के बावजूद दिल्ली की टीम मुंबई के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मुकाबले के पहले दिन बृहस्पतिवार को यहां अपनी पहली पारी में 221 रन पर सिमट गई। मुंबई के लिए मोहित अवस्थी ने 62 रन पर पांच विकेट चटकाकर बेहतरीन प्रदर्शन किया। मुंबई ने दिन का खेल खत्म होने तक एक विकेट पर 13 रन बना लिये थे। सांगवान ने 118 रन की पारी के साथ एक छोर संभाले रखा लेकिन उन्हें दूसरे छोर से किसी बल्लेबाज का अच्छा साथ नहीं मिला। उन्होंने मौजूदा सत्र अपनी तीसरी शतकीय पारी के दौरान 218 गेंद में 11 चौके और दो छक्के जड़े। इस 25 साल के बल्लेबाज ने वैभव कांडपाल (32) के साथ दूसरे विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी की जिससे दिन की शुरुआत में दिल्ली की टीम मजबूत स्थिति में थी।

मुझे नहीं लगता कि बल्लेबाजों ने मेरी गेंदों को अच्छी तरह से समझ लिया : राशिद

टी-20 विश्व कप
8 दिन शेष

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और श्रीलंका में अगले महीने से होने वाले टी20 विश्व कप तैयारियों में लगी अफगानिस्तान टीम के कप्तान राशिद खान के बल्लेबाजों द्वारा उनकी गेंदों को अच्छी तरह से परखे जाने की अवधारणा को खारिज करते हुए कहा कि उनके लिए सफलता की कुंजी नये प्रयोग से ज्यादा सटीक गेंदबाजी करना है। पिछले एक दशक में टी20 क्रिकेट में लेग स्पिनरों की भूमिका को नया आयाम देने वाले राशिद को गुजरात टाइटंस के लिए पिछले दो आईपीएल सत्र में अपेक्षाकृत कम सफलता मिली। इसके बाद उनकी गेंदबाजी को बल्लेबाजों के द्वारा समझ लेने को लेकर चर्चा शुरू हुई। राशिद ने रेड बुल के सहयोग से ''पीटीआई-वीडियो'' से बातचीत में कहा मुझे नहीं लगता कि मुझे अपनी विविधता या लाइन-लेंथ बदलने की जरूरत है। राशिद आईपीएल के 2023 सत्र में 17 मैचों में 27 विकेट के साथ सबसे सफल गेंदबाज रहे थे। उन्होंने हालांकि इसके बाद 2024 में 12 मैचों में 10 और 2025 में 15 मैचों में सिर्फ नौ विकेट लिये। इस दौरान उनका इकॉनमी रेट नौ रन प्रति ओवर से ऊपर चला गया। राशिद ने कहा कि टी20 क्रिकेट में मामूली गलती करने का बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ता है। इस प्रारूप में लगातार सटीक गेंदबाजी करना ही सबसे अहम चीज है। कभी-कभी मेरी लाइन थोड़ी चूक जाती है, जिसमें मैं पहले काफी अच्छा था। चिंता की कोई बात नहीं है। जब भी मेरी लाइन-लेंथ सही नहीं रहती तब मेरे खिलाफ रन बनते हैं। राशिद ने कहा कि गेंदबाजों की पढ़े जाने की बात को अक्सर गलत तरीके से समझा जाता है। कोई गेंदबाज मिस्ट्री (अबूझ) से सफल नहीं होता, उसे सटीकता से सफलता मिलती है। सात फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान ग्रुप-डी में नेपाल, स्कॉटलैंड, वेस्टइंडीज और यूएई के साथ है। उन्होंने कहा कई गेंदबाज ऐसे हैं जिनके बारे में सबको पता होता है कि वे क्या करेंगे, फिर भी बल्लेबाज आउट हो जाते हैं। राशिद ने मिचेल स्टार्क का उदाहरण देते हुए कहा यह सबको पता होता है कि मिचेल स्टार्क नई गेंद से आमतौर पर इन-स्विंगर डालते हैं, फिर भी वह विकेट लेते हैं।

पाकिस्तान के टी20 विश्व कप के बहिष्कार की संभावना कम

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपनी टी20 विश्व कप टीम के दो फरवरी की सुबह कोलंबो रवाना होने का कार्यक्रम तय कर दिया है जिससे टूर्नामेंट या 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले के बहिष्कार की किसी भी संभावना पर लगभग विराम लग गया है। बोर्ड से जुड़े सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पीसीबी ने विश्व कप टीम के दो फरवरी की सुबह कोलंबो रवाना होने के लिए पहले ही यात्रा की सभी तैयारियां कर ली हैं।

मनप्रीत भारतीय हॉकी टीम की सूची से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय हॉकी के सबसे जाने-माने खिलाड़ियों में से एक और मध्यपंक्ति के दिग्गज खिलाड़ी मनप्रीत सिंह का नाम आगामी एफआईएच प्रो लीग सत्र से पहले सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए चुने गए 33 संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल नहीं है। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को संभावित खिलाड़ियों की सूची घोषित की। प्रो लीग का सत्र अगले महीने राउरकेला में शुरू होगा।

कोच फुल्टोन ने कहा हॉकी इंडिया लीग के बाद हमें लगा टीम में बदलाव करने का यह सही समय है। कुछ सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया है ताकि काम का बोझ संतुलित रहे। साथ ही उन खिलाड़ियों को मौका दिया जिन्होंने मेहनत से मुकाम हासिल किया है।

अनुशासनात्मक कारणों से नहीं मिली जगह

टीम सूत्रों के अनुसार यह फैसला पिछले साल दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर ही 'अनुशासनात्मक' कारणों से ले लिया गया था। टीम सूत्रों ने बताया कि मनप्रीत सिंह, दिलप्रीत सिंह और गोलकीपर कृशन बहादुर पाठक को बाहर करने का फैसला दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर ही ले लिया गया था। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर अनुशासनहीनता का एक गंभीर मामला प्रकाश में आया था जिसमें एक चौथा खिलाड़ी शामिल था जिसका नाम नहीं दिया गया है। खिलाड़ियों ने अपने साथी खिलाड़ी को प्रतिबंधित पदार्थ खिलाने के लिये बाद में माफी मांगी पर टीम बैठक में तब ही उन्हें आगामी शिविर से बाहर रखने का फैसला सुनाया था।

साक्षात्कार

भारतीय हॉकी की दीवार कही जाने वाली सविता पूनिया ने कहा-परिवार के बलिदान नहीं गए बेकार

बारंबार अनदेखी के बाद पद्मश्री ने सारे मलाल मिटाए

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टीम में आने के बाद भी दस साल तक बेरोजगार रही, खेलरत्न के लिए बारंबार अनदेखी हुई लेकिन भारतीय हॉकी की दीवार कही जाने वाली सविता पूनिया ने हिम्मत नहीं हारी और अब पद्मश्री मिलने के बाद उन्हें खुशी है कि परिवार के बलिदान बेकार नहीं गए।

तीन सौ से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली महिला हॉकी गोलकीपर सविता ने कहा मेरे परिवार ने मेरा संघर्ष देखा है और मेरी सफलता भी देखी है तो उनकी ख्वाहिश थी कि मुझे सम्मान मिलते भी देखे। पद्मश्री के लिये चुने जाने पर अब मेरा पूरा सफर फ्लैशबैक में घूम रहा है कि कहां से शुरू किया और कहां उतार चढाव आए। उन्होंने बताया कि 2003 में सातवीं कक्षा में पढ़ने के दौरान गांव के सरकारी स्कूल के शिक्षक के सुझाव पर पहली बार उनके पापा महेंद्र सिंह पूनिया सिरसा ट्रायल के लिये ले गए थे जहां उनका हॉकी में चयन हुआ।

सविता ने कहा मेरी मम्मी को गठिया बाव बीमारी थी और वह पूरी तरह से बिस्तर पर थी। मैं रसोई संभालती थी और नौकरी के साथ उनका पूरा काम पापा ही करते थे। ऐसे हालात में उन्होंने मुझे हॉकी खेलने के लिये भेजा। उस समय समझ नहीं आया लेकिन आज याद करती हूं तो उनके बलिदान समझ में आते हैं। वह भी ऐसे समय में जब लड़के और लड़कियों में इतना भेदभाव होता था। अपनी मां की हालत की वजह से सविता का मन हॉस्टल में नहीं लगा और उसने हॉकी छोड़ने का मन बना लिया लेकिन तत्कालीन कोच सुंदर सिंह खरब ने उन्हें गोलकीपर बनाने का सुझाव दिया लेकिन कहा कि गोलकीपिंग किट की व्यवस्था करनी होगी क्योंकि उनके पास दो ही किट का बजट था जो वे दे चुके थे। उस समय मेरे पापा ने 18000 रुपये में गोलकीपिंग किट खरीदी जो उनकी दो महीने की तनख्वाह थी। मैं उस दिन बहुत रोई क्योंकि मुझे पता था कि उन पैसों की क्या कीमत थी। मैंने उस दिन सोचा कि अब अपने माता-पिता के लिए भारतीय टीम में जगह बनाना है। मैं पापा को रिटर्न गिफ्ट देना चाहती थी। इसके बाद गोलकीपिंग ट्रेनिंग शुरू की और 2008 में पहली बार भारतीय टीम में चुनी गई जिसने उनके दादाजी को अलग तरह से प्रेरित किया। सिरसा से भारतीय टीम में आने वाली मैं पहली लड़की थी। अखबार में छपा था कि रणजीत सिंह पूनिया की पोती भारतीय टीम में चुनी गई। दादाजी पढ़े लिखे नहीं थे लेकिन उन्होंने 67 साल की उम्र पढ़ना सीखा ताकि वह खबर खुद पढ सकें।

10 वर्ष तक रहीं बेरोजगार, टूटने लगी थी हिम्मत

सविता ने कहा मैं 2008 में टीम में आई और 2018 तक बेरोजगार थी। वाकई हालात बहुत खराब थे चूंकि खेल में चोट का डर रहता है, उपकरण महंगे आते हैं। मुझे आज भी याद है जब मैं टीम के साथ पहली बार विदेश जा रही थी तब हवाई अड्डे पर पापा ने 5000 रुपये दिये और भाई ने कोने में ले जाकर दो हजार रुपये दिए जो वह अपने दोस्त से उधार लाया था। वह मेरे लिए दो लाख रुपये से कम नहीं थे। फिर 2018 में अर्जुन पुरस्कार मिला तो मेरी मां का पहला सवाल था कि क्या अब नौकरी मिल जाएगी। रिश्तेदार पूछते थे कि इतने साल से भारतीय टीम में है और अभी तक नौकरी नहीं मिली तो खेलने का क्या फायदा। पर परिवार का साथ मेरी प्रेरणा बना और मैने ठान लिया था कि कुछ बड़ा करना है।

खेलरत्न मिलने की थी काफी उम्मीदें

पद्मश्री से पहले सविता को खेलरत्न पुरस्कार मिलने की काफी उम्मीदें थी पर इतनी उपलब्धियों के बावजूद इस बार भी सूची में नाम नहीं आने से उनका दिल टूट गया था। टोक्यो ओलंपिक के बाद से मैने तीन बार खेलरत्न के लिये आवेदन किया लेकिन मिला नहीं। मैं पुरस्कारों को लेकर उतना नहीं सोचती लेकिन जब मेरे समान उपलब्धियों पर दूसरों को मिलता है तो लगता है कि मुझे भी अपने परिवार को यह खुशी देनी है। इस साल बहुत उम्मीद थी पर जब नाम नहीं आया तो दिल टूट गया। मैं 300 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली महिला गोलकीपर बनी थी और लगातार तीन बार एफआईएच की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुनी गई। अब पद्मश्री मिलने के बाद दोनों परिवारों में खुशी का माहौल है। माता पिता को अर्जुन पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति भवन ले जाने वाली सविता अब ससुराल पक्ष को खुशी देना चाहती है।